राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

29 जुलाई को राज्य की कृषि मंत्री ने बुलाई समीक्षा बैठक

बोकारो, मंगलवार, 28 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 72 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

15 अगस्त को झारखंड के सभी मतदान केंद्रों पर होगी मतदाता सूची की ग्राम सभा

5 अगस्त को प्रारूप सूची का प्रकाशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में वर्ष 2026 की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद दावा-आपत्ति अवधि के दौरान 15 अगस्त को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची से संबंधित विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने दी। के. रवि कुमार ने बताया कि मतदाता सूची नियमावली-2023 के प्रावधानों के अनुसार सभी बूथ स्तर पदाधिकारी ग्राम सभा में प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज सभी मतदाताओं के नाम ऊंचे स्वर में पढ़कर सुनाएंगे। साथ ही 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र भारतीय नागरिकों से प्रपत्र-6 और घोषणा पत्र भरवाकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आग्रह किया जाएगा। यदि किसी मतदाता के विवरण में त्रुटि होगी तो उसे प्रपत्र-8 के माध्यम से सुधार कराने का अवसर मिलेगा। ग्राम सभा के प्रचार-प्रसार में चुनाव पाठशाला के सदस्य भी सहयोग करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से संबंधित यह ग्राम सभा अलग से आयोजित होगी और इसे किसी अन्य विभागीय कार्यक्रम के साथ नहीं जोड़ा जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे मुद्रित, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 236 है। इनमें से 2 करोड़ 64 लाख 54 हजार 725 मतदाताओं (99.97 प्रतिशत) तक इन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचाए गए हैं। अब तक 2 करोड़ 58 लाख 60 हजार 708 फॉर्म (97.72 प्रतिशत) का डिजिटलीकरण किया जा चुका है, जबकि 2 करोड़ 18 लाख 55 हजार 891 हस्ताक्षरित फॉर्म ऐसे हैं जिनके आधार पर संबंधित मतदाताओं के नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। बुलेटिन के अनुसार 40 लाख 4 हजार 817 इन्यूमरेशन फॉर्म वापस प्राप्त नहीं हुए। इनमें 7 लाख 43 हजार 658 मृत मतदाता, 12 लाख 77 हजार 539 पता नहीं चलने या अनुपस्थित मतदाता, 15 लाख 12 हजार 910 स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता, 4 लाख 9 हजार 474 अन्य स्थानों पर पहले से पंजीकृत मतदाता तथा 61 हजार 236 ऐसे मतदाता शामिल हैं जिन्होंने इन्यूमरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया।

अगस्त से महंगी होगी जमीन और मकान की रजिस्ट्री, निबंधन कार्यालयों में बढ़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में एक अगस्त से जमीन और मकान की रजिस्ट्री महंगी होने जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी दर में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि लागू होने से पहले पुरानी दर पर रजिस्ट्री कराने के लिए राज्यभर के निबंधन कार्यालयों में लोगों की भीड़ बढ़ गई है। कई कार्यालयों में रजिस्ट्री के लिए दबाव और लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग एक अगस्त से पहले अपने जमीन और मकान का निबंधन पुराने सरकारी मूल्य पर कराने के लिए आवेदन कर रहे हैं। नई दर लागू होने के बाद रजिस्ट्री शुल्क और स्टांप शुल्क की गणना बढ़ी हुई सरकारी दर के आधार पर होगी, जिससे संपत्ति का निबंधन पहले की तुलना में महंगा हो जाएगा।
उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार प्रत्येक दो वर्ष पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की जमीन एवं मकानों की सरकारी दर की समीक्षा कर संशोधित निबंधन दर लागू करती है। इस बार ग्रामीण क्षेत्रों की सरकारी कीमतों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, नई दरें लागू होने से राज्य सरकार के राजस्व में भी लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसी कारण लोग अतिरिक्त वित्तीय बोझ से बचने के लिए अंतिम दिनों में तेजी से रजिस्ट्री कराने पहुंच रहे हैं। निबंधन कार्यालयों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए लोगों को समय पर दस्तावेजों की तैयारी पूरी कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रजिस्ट्री कराने की सलाह दी जा रही है। एक अगस्त से संशोधित सरकारी दरें प्रभावी होने के बाद सभी जमीन और मकान की रजिस्ट्री नई सरकारी दर के आधार पर की जाएगी।

श्रावणी मेला आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज का उद्घाटन

कांवरियों को होगी सहूलियत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में बाबा बैद्यनाथ मंदिर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। देवघर डीसी ने बाबा मंदिर परिसर में नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस नए फुट ओवर ब्रिज के चालू होने से श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन और जलार्पण की व्यवस्था अधिक सुगम एवं व्यवस्थित होगी। उपायुक्त ने बताया कि विशेष रूप से रविवार और सोमवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे समय में नया फुट ओवर ब्रिज भीड़ के दबाव को कम करने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सहज आवाजाही उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि नया फुट ओवर ब्रिज पुराने फुट ओवर ब्रिज के समानांतर संचालित होगा, जिससे दोनों पुलों के माध्यम से श्रद्धालुओं का आवागमन बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सकेगा। उद्घाटन के दौरान उप विकास आयुक्त आरक्षी अधीक्षक, एसडीओ सह मंदिर प्रभारी, पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष महामंत्री उपाध्यक्ष मंत्री सहित बड़ी संख्या में पुरोहित समाज के सदस्य एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने विश्वास जताया कि नई व्यवस्था से इस बार श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं को पहले से अधिक सुविधा और सुरक्षित दर्शन-पूजन का लाभ मिलेगा।

झारखंड में पांच वर्षों में 10 हजार किलोमीटर सड़कें होंगी दुरुस्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के सड़क नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर सड़क सुधार अभियान शुरू करने का फैसला किया है। योजना के तहत अगले पांच वर्षों में करीब 10 हजार किलोमीटर सड़कों की मरम्मत, पुनर्निर्माण और गुणवत्ता सुधार पर 1,153 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह राज्य की कुल सड़क लंबाई का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है। योजना के अनुसार 3,218 किलोमीटर सड़कों का पूर्ण पुनर्निर्माण किया जाएगा, जबकि 6,736 किलोमीटर सड़कों की सतह को बेहतर बनाकर उनकी राइडिंग क्वालिटी में सुधार किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य सड़क परिवहन को अधिक सुरक्षित, सुगम और टिकाऊ बनाना है। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने योजना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मरम्मत कार्य भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों के अनुरूप किए जाएं। उन्होंने कहा कि जहां सड़क पर अधिक गड्ढे हों, वहां केवल पैचवर्क करने के बजाय पूरी क्षतिग्रस्त लंबाई पर डामर की नई परत बिछाई जाए, ताकि सड़क की गुणवत्ता लंबे समय तक बनी रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सड़क चिह्नांकन, संकेतक और अन्य सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएं। बैठक में भूमिगत पाइपलाइन और अन्य उपयोगिता सेवाओं के लिए सड़क खोदने वाली एजेंसियों, विशेषकर जुडको, की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई गई। प्रधान सचिव ने कहा कि कई मामलों में सड़क खोदने के बाद उसे निर्धारित मानकों के अनुसार बहाल नहीं किया जाता, जिससे सड़क की सतह खराब होती है और जलजमाव की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों, अधिकारियों और ठेकेदारों को गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। विभाग का मानना है कि इस व्यापक सड़क सुधार कार्यक्रम के पूरा होने के बाद राज्य में आवागमन अधिक सुगम होगा, सड़क सुरक्षा में सुधार आएगा और ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी। ऐसे में स्थिति में सुधार की उम्मीद है। कृषि निदेशक ने कहा कि संथाल के जिलों में पिछले दिनों हुई अच्छी बारिश से हालात बेहतर हुए हैं लेकिन पलामू प्रमंडल में स्थिति अभी भी खराब है। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित सुखाड़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन जैसे सभी विभाग समन्वित रूप से कार्ययोजना बनाकर काम करेंगे।

सिक्यूरिटी गार्ड की गोली मार कर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के बाईपास रोड स्थित जेएमपी परिसर में रविवार की देर रात बड़ी वारदात हुई। परिसर में तैनात सिक्योरिटी गार्ड विनोद पांडे (50) की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली सिर में लगने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, रात करीब 11 बजे स्कूटी से एक युवक परिसर में पहुंचा और बाद में अपने दो अन्य साथियों को बुलाया। दोनों युवक कार से पहुंचे। तीनों पूरे परिसर में घूमते रहे, फिर गार्ड विनोद को उठाकर गेट के पास ले गए और करीब से गोली मार दी। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान और तलाश में छापेमारी जारी है। जिस भवन में वारदात हुई उसके सीसीटीवी फुटेज में घटना कैद हुई है। फिलहाल हत्या के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया गया है। गार्ड विनोद पांडे पड़वा थाना क्षेत्र के रजहरा निवासी जंगी पांडेय के पुत्र थे। घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। जिले के एसपी कपिल चौधरी ने सोमवार सुबह 9 बजे घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

16 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। विभिन्न संगठनों से जुड़े 16 माओवादियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक रीजनल कमेटी सदस्य, तीन जोनल कमेटी सदस्य, तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य, छह एरिया कमेटी सदस्य और तीन कैडर शामिल हैं। पुलिस ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जानकारी 28 जुलाई को आयोजित प्रेसवार्ता में दी जाएगी। आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी, 10 लाख रुपये का इनामी चंदन लोहरा तथा पांच-पांच लाख रुपये के इनामी अनिल तुरी और सुखलाल बिरजिया शामिल हैं। इसके अलावा दो लाख रुपये का इनामी सुदेश होनहागा उर्फ सोनाराम उर्फ सोना समेत अन्य माओवादियों ने भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। पुलिस के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने छह इंसास राइफल, दो एके-47, एक एचके-33 राइफल, एक यूएस कार्बाइन और एक एम-16 राइफल सहित कुल 11 आधुनिक हथियार जमा कराए हैं। इसके अलावा 38 मैगजीन और 1,562 जीवित कारतूस भी सुरक्षा बलों को सौंपे गए हैं। पुलिस का मानना है कि यह नक्सली संगठन के कमजोर पड़ते नेटवर्क और लगातार चलाए जा रहे अभियान का महत्वपूर्ण परिणाम है। इधर, छत्तीसगढ़ में भी झारखंड से जुड़े आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें जोनल कमेटी सदस्य अश्विन उर्फ लच्छू कोरसा समेत कई एरिया कमेटी सदस्य और अन्य सक्रिय सदस्य शामिल हैं। पुलिस के अनुसार ये सभी झारखंड में भी नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहे थे। गौरतलब है कि इससे पहले 21 मई को झारखंड में 25 माओवादियों और जेजेएमपी के दो उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया था। लगातार हो रहे आत्मसमर्पण को सुरक्षा एजेंसियां नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता मान रही हैं। वहीं, सुरक्षा बलों की कार्रवाई अब एक-एक करोड़ रुपये के इनामी केंद्रीय कमेटी सदस्य मिसिर बेसरा और असीम मंडल की तलाश पर केंद्रित है, जिनके सारंडा के जंगलों में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है।

रांची रेल मंडल की बड़ी तैयारी, अगले पांच वर्षों में 25 नई ट्रेनों का प्रस्ताव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की रेल संपर्क व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए रांची रेल मंडल ने अगले पांच वर्षों का व्यापक खाका तैयार किया है। प्रस्तावित योजना के तहत करीब 25 नई ट्रेनों का परिचालन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसमें लंबी दूरी की एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों के अलावा वंदे भारत, अमृत भारत तथा मेमू सेवाओं को भी शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। रेल सूत्रों के अनुसार, अंतिम स्वीकृति रेलवे बोर्ड और दक्षिण-पूर्व रेलवे मुख्यालय से मिलने के बाद ही इन प्रस्तावों को लागू किया जाएगा। फिलहाल विभिन्न मार्गों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या, औद्योगिक गतिविधियों और क्षेत्रीय जरूरतों को ध्यान में रखकर संभावित रूटों का आकलन किया जा रहा है। रांची रेल मंडल का मानना है कि राज्य की राजधानी से देश के कई बड़े शहरों तक अभी भी सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, इंदौर, नागपुर और सूरत जैसे शहरों के लिए नई ट्रेनों की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ और वाराणसी जैसे धार्मिक एवं शैक्षणिक केंद्रों के लिए भी अतिरिक्त रेल सेवाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। योजना में रांची से भुवनेश्वर, टाटानगर और पटना के लिए नई अथवा अतिरिक्त वंदे भारत ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव भी शामिल है।

600 सरकारी स्कूलों में एआई से लैस स्मार्ट क्लास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में सरकारी विद्यालयों की डिजिटल शिक्षा व्यवस्था को नई तकनीक से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने 600 सरकारी मध्य विद्यालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित स्मार्ट क्लास प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के जरिए कक्षाओं के संचालन से लेकर डिजिटल शिक्षण सामग्री तक की निगरानी जिला और राज्य स्तर पर वास्तविक समय में की जा सकेगी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत कई सरकारी स्कूलों में पहले से स्मार्ट क्लास संचालित हैं, लेकिन अब उन्हें एआई तकनीक से उन्नत बनाया जाएगा। इसके लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने निजी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो स्मार्ट क्लास समाधान विकसित करने के साथ उसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी संभालेगी। नई प्रणाली लागू होने के बाद शिक्षा विभाग को यह जानकारी तुरंत उपलब्ध होगी कि किसी विद्यालय में स्मार्ट क्लास कब शुरू हुई, कितनी देर तक चली और उसका कितना उपयोग हुआ। सभी सूचनाएं एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड से जुड़ी रहेंगी, जहां उपकरणों के चालू या बंद रहने, उनके उपयोग की अवधि और विभिन्न शैक्षणिक एप्लिकेशन के इस्तेमाल का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। इसके आधार पर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। एआई आधारित व्यवस्था के माध्यम से यह भी पता लगाया जा सकेगा कि कक्षाओं में किस प्रकार की डिजिटल शिक्षण सामग्री प्रसारित की गई। यदि किसी विद्यालय में अनुचित या गैर-स्वीकृत सामग्री का उपयोग होता है, तो संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकेगी। स्मार्ट क्लास के रखरखाव को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन कॉल लॉग प्रबंधन प्रणाली भी विकसित की जाएगी, जिससे तकनीकी समस्याओं का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा। डिजिटल शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार ने लाइव ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन हेतु सात नए स्टूडियो स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। इन स्टूडियो के माध्यम से विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा तैयार पाठ्य सामग्री और लाइव कक्षाएं राज्य के विभिन्न विद्यालयों तक पहुंचाई जा सकेंगी।

सुधा को विश्वस्तरीय ब्रांड के रूप में किया जाएगा स्थापित : मुख्यमंत्री

- राज्य में 2000 नई दुग्ध समितियां व 200 नए बिक्री केंद्र खोलने की योजना
- नालंदा में 20 मीट्रिक टन क्षमता वाले संयंत्र का शिलान्यास, पशु उठाव वाहन का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा डेयरी परिसर सोमवार को राज्य की दुग्ध विकास योजनाओं का बड़ा केंद्र बना रहा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार स्टेट मिल्क कोऑपरेटिव फेडरेशन (कॉम्फेड) और पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही-लस्सी प्रसंस्करण संयंत्र की आधारशिला रखी। इसके साथ ही आधुनिक पशु उठाव वाहन का लोकार्पण किया तथा दुग्ध विक्रेताओं के बीच डीप फ्रीजर वितरण योजना की शुरुआत की। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान, दुग्ध उत्पादक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले छह से सात महीनों में राज्य में दो हजार से अधिक नई दुग्ध उत्पादक समितियों का गठन किया गया है, जिससे प्रतिदिन लगभग तीन लाख लीटर दूध का अतिरिक्त संग्रह शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य में प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन तक पहुंचना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अब सुधा ब्रांड को केवल बिहार या देश तक सीमित नहीं रखना चाहती। दूध, दही, लस्सी, आइसक्रीम, पेड़ा सहित अन्य उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह अमूल ने वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार सुधा को भी विश्वस्तरीय ब्रांड के रूप में स्थापित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि कॉम्फेड की कई नई परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। राज्य में करीब 2,500 नई दुग्ध समितियां सक्रिय हैं। 200 नए बिक्री केंद्र खोलने की योजना के तहत 88 स्थानों का चयन किया जा चुका है, जबकि सभी 534 प्रखंडों में सुधा बिक्री केंद्र स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध करा दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए नए मॉडल के ग्रामीण हाट विकसित किए जाएंगे। इन हाटों में एक ही परिसर में दूध, सब्जी और मछली की बिक्री की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि भोजपुर में एक्वा पार्क की स्थापना भी इसी व्यापक योजना का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार के आग्रह पर नालंदा के लिए अलग दुग्ध उत्पादक संघ गठित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिला पटना दुग्ध संघ से संबद्ध है, लेकिन उत्पादन क्षमता को देखते हुए नालंदा का अपना स्वतंत्र संघ बनने से किसानों को अधिक लाभ मिलेगा और दुग्ध व्यवसाय को नई गति मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इस डेयरी परियोजना की आधारशिला पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में रखी गई थी। आज उसी योजना का विस्तार हो रहा है। कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से तनुजा देवी और कुंदन कुमार को डीप फ्रीजर की चाबी सौंपी गई। शेष 298 दुग्ध विक्रेताओं को भी शीघ्र यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। डीप फ्रीजर मिलने से दूध, दही और लस्सी जैसे उत्पाद अधिक समय तक सुरक्षित रहेंगे। इससे उत्पाद खराब होने की संभावना कम होगी और विक्रेताओं की आय बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुओं की दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक हजार से अधिक नए पशु औषधि केंद्र खोले जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान डेयरी परिसर में कॉम्फेड की ओर से संचालित एचपीसीएल पेट्रोल पंप और सुधा कैफेटेरिया की भी आधारशिला रखी गई। मौके पर उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंदकिशोर राम, ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार, जिलाधिकारी उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, कॉम्फेड एवं पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, दुग्ध उत्पादक किसान तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्रमण्डलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता का दौरा, समाहरणालय में दिया गार्ड ऑफ ऑनर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग के प्रमण्डलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता सोमवार को गिरिडीह पहुंचे। उनके आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। गिरिडीह परिसदन में उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी तथा प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया इसके उपरांत प्रमण्डलीय आयुक्त समाहरणालय पहुंचे, जहां पुलिस जवानों द्वारा उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस दौरान समाहरणालय परिसर में गरिमामय माहौल देखने को मिला। जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें सलामी दी गई तथा प्रशासनिक परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया गया समाहरणालय में प्रमण्डलीय आयुक्त ने उपायुक्त एवं अन्य वरीय अधिकारियों से जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय बनाकर जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और आम जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई इस अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता श्री वैभव कुमार सिंह, प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी सहित जिला प्रशासन के कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रमण्डलीय आयुक्त के दौरे को लेकर समाहरणालय एवं परिसदन परिसर में सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहीं। अधिकारियों ने उनके स्वागत एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित कर रखी थीं। प्रमण्डलीय आयुक्त का यह दौरा जिला प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा एवं विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को और गति मिलने की उम्मीद है।

जल-जंगल-जमीन की लूट पर कांग्रेस का हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव सुरजीत नागवाला ने हजारीबाग में जल, जंगल और जमीन की कथित लूट का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से सरकारी जमीन, नदी, नाला और तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों पर लगातार हो रहे अतिक्रमण से पर्यावरण और आमजन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। प्रशासन को इस पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। प्रेस वार्ता के दौरान सुरजीत नागवाला ने हजारीबाग झील के सुंदरीकरण कार्य पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि झील के सौंदर्यीकरण के लिए स्वीकृत 13 करोड़ 97 लाख रुपये की राशि के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने पूरे प्रकरण की तकनीकी और वित्तीय ऑडिट कराने, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि जिले में सरकारी जमीन, नदी, नाला और तालाबों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हो रहा है, जिससे जल स्रोत समाप्त हो रहे हैं और बरसात के दौरान जलजमाव की समस्या बढ़ रही है। कांग्रेस ने सभी अंचलों में विशेष सर्वे कराकर अतिक्रमण चिन्हित करने और उसे हटाने की मांग की। सुरजीत नागवाला ने खास महल की जमीनों की कथित अवैध खरीद-बिक्री और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कब्जे के मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने हजारीबाग आवास बोर्ड की जमीन और मकानों पर हो रहे कथित अवैध कब्जे का मुद्दा उठाते हुए भौतिक सत्यापन कर अतिक्रमण हटाने की मांग की। उनका कहना था कि अवैध कब्जों के कारण वास्तविक लाभुकों को आवास उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। प्रेस वार्ता में उन्होंने यह भी कहा कि हजारीबाग नगर निगम के 140 थानों की रसीद आज तक नहीं काटी गई है, जिसकी भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विभावि भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) विभाग में संगोष्ठी का आयोजन

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) विभाग द्वारा 27 जुलाई 2026 को आर्यभट्ट सेमिनार हॉल, सी.वी. रमन साइंस ब्लॉक-1 में पार्किन्सनिज्म एवं आधुनिक युग में फिजियोथेरेपी की भूमिकाह विषयों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. उमेन्द्र सिंह के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) चन्द्र भूषण शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व, विभाग के प्रति निरंतर सहयोग एवं शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा ने विभाग को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन डॉ. अम्बिका गुप्ता ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. प्रभात रंजन (पी.टी.), वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट, न्यूरो रिहैबिलिटेशन विभाग, एम्स, नई दिल्ली ने ह्पार्किन्सनिज्मह विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रारंभिक पहचान, वैज्ञानिक मूल्यांकन, संतुलन एवं चाल प्रशिक्षण तथा साक्ष्य-आधारित फिजियोथेरेपी की महत्ता पर प्रकाश डाला। द्वितीय वक्ता डॉ. अजीत कुमार (पी.टी.), वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट, रजिस्ट्रार, झारखंड स्टेट काउंसिल ऑफ फिजियोथेरेपी एवं संयोजक, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट्स, झारखंड ने आधुनिक युग में फिजियोथेरेपी की भूमिका विषय पर संबोधित करते हुए फिजियोथेरेपी के बढ़ते दायरे, अनुसंधान आधारित उपचार एवं व्यावसायिक नैतिकता पर अपने विचार साझा किए। विशिष्ट वक्ता डॉ. आयुषी (पी.टी.), रांची ने ह्थिंक बियॉन्ड द शोल्डरह विषय पर व्याख्यान देते हुए कंधे की समस्याओं के समग्र मूल्यांकन एवं आधुनिक पुनर्वास पद्धतियों की जानकारी दी। अंत में डॉ. राहुल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लायंस क्लब से जुड़े मुखिया संघ अध्यक्ष शब्बीर आलम, जनसेवा कार्यों को मिली नई पहचान

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गिरिडीह प्रखंड के तेलोडीह पंचायत के मुखिया एवं गिरिडीह प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष शब्बीर आलम रविवार को लायंस एलिट इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322ए के रीजन-5 से औपचारिक रूप से जुड़ गए। गिरिडीह के सिरसिया स्थित सेलिब्रेशन मैरिज हॉल में आयोजित समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन शुभ्रा मजूमदार ने उन्हें लायंस क्लब की सदस्यता दिलाई बताया गया कि पंचायत स्तर पर लगातार जनसेवा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों से प्रभावित होकर लायंस क्लब ने शब्बीर आलम को सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया था। उनके नेतृत्व में तेलोडीह पंचायत ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों जिले में प्रथम स्थान का पुरस्कार भी प्राप्त किया है कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों ने शब्बीर आलम का स्वागत करते हुए कहा कि समाजसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तियों के जुड़ने से संगठन की सेवा गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में रीजन-5 के 13 लायंस क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित 60 से अधिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने की, जबकि संचालन जीएलटी कोऑर्डिनेटर लायन राहुल वर्मा ने किया शब्बीर आलम का लायंस क्लब से जुड़ना जिले में सामाजिक सेवा और जनकल्याण के कार्यों को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

जिला पर्यावरण समिति की बैठक में सख्त निर्देश, प्रदूषण फैलाने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति की बैठक हुई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, वायु एवं जल प्रदूषण नियंत्रण, औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों की समीक्षा की गई उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण जिले के सतत विकास की आधारशिला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी बैठक में अवैध बालू खनन, अवैध डंपिंग, स्टोन माइंस एवं स्टोन क्रशरों की नियमित जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। नगर एवं औद्योगिक क्षेत्रों में नालों की नियमित सफाई तथा दूषित जल का उपचार (ट्रीटमेंट) करने के बाद ही उसे नदी या अन्य जल स्रोतों में प्रवाहित करने पर जोर दिया गया उपायुक्त ने सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ईटीपी/एसटीपी के प्रभावी संचालन तथा औद्योगिक कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध डंपिंग नहीं होनी चाहिए और सभी उद्योग निर्धारित मानकों के अनुरूप ही अपशिष्टों का निस्तारण करें बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण कराने, अस्पतालों, नर्सिंग होम, होटल एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा बिना कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) के संचालित संस्थानों के खिलाफ क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट सहित अन्य प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया।

समाहरणालय सभागार में प्रमंडलीय आयुक्त ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता सोमवार को गिरिडीह पहुंचे। उनके आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से गिरिडीह परिसदन में आत्मीय स्वागत किया गया। उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया इसके बाद प्रमंडलीय आयुक्त समाहरणालय पहुंचे, जहां पुलिस जवानों ने उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। गार्ड ऑफ ऑनर के उपरांत उन्होंने समाहरणालय सभागार में जिले के सभी विभागों के वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। बैठक में विधि-व्यवस्था, राजस्व, आधारभूत संरचना, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं की जानकारी लेकर उनके शीघ्र समाधान के निर्देश भी दिए गएप्रमंडलीय आयुक्त ने जनहित से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन, आम नागरिकों की शिकायतों का समय पर निपटारा तथा प्रशासनिक कार्यों में जवाबदेही और संवेदनशीलता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

सारेगामा गीत प्रतियोगिता सीजन-14 का ऑडिशन 16 अगस्त को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। युवा और उभरते गायकों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से कला संगम द्वारा सारेगामा गीत प्रतियोगिता सीजन-14 का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के सचिव सतीश कुन्दन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रतियोगिता का ऑडिशन 16 अगस्त को सुबह 10 बजे अधिवक्ता संघ भवन, गिरिडीह में आयोजित होगा उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। 10 वर्ष तक के प्रतिभागी सब-जूनियर, 11 से 20 वर्ष तक के प्रतिभागी जूनियर तथा 21 से 40 वर्ष तक के प्रतिभागी सीनियर वर्ग में शामिल होंगे। ऑडिशन के दौरान प्रतिभागियों को केवल एक मुखड़ा और एक अंतरा प्रस्तुत करना होगा।प्रतियोगिता का क्वार्टर फाइनल एवं फाइनल 12 और 13 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। सब-जूनियर वर्ग के प्रतिभागी तीनों चरणों में अपनी पसंद का गीत प्रस्तुत करेंगे, जबकि जूनियर और सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों को फाइनल में क्लासिकल बेस तथा कॉर्ड राउंड के गीत भी प्रस्तुत करने होंगे। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ 10 प्रतिभागियों का चयन विजेता के रूप में किया जाएगा।

रॉयल्टी नियमों के विरोध में संवेदकों की हुंकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। रॉयल्टी चालान व्यवस्था, लंबित भुगतान और निविदा नियमों में संशोधन की मांग को लेकर संवेदक संघ, हजारीबाग के बैनर तले सोमवार को नया समाहरणालय परिसर के मुख्य द्वार के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे संवेदकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। इसके बाद उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को मांगपत्र सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की गई। धरना को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष दीपक कुमार ने कहा कि अव्यावहारिक रॉयल्टी नियमों और विकास योजनाओं के लंबित भुगतान से संवेदक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। सरकार यदि समय रहते निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। संघ के सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली बालू, मिट्टी, मोरम और ईंट जैसी सामग्रियों के लिए रॉयल्टी चालान की अनिवार्यता लागू कर दी गई है, जबकि वैध चालान की स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। ऐसे में संवेदकों के लिए निर्माण कार्य कराना मुश्किल हो गया है। उन्होंने मांग की कि पहले व्यवहारिक व्यवस्था बनाई जाए, उसके बाद ही नियम लागू किया जाए। संवेदक अजय सिंह ने कहा कि सरकार यदि रॉयल्टी नियमों में संशोधन नहीं करती और लंबित भुगतान जारी नहीं करती है तो संवेदक सभी निविदाओं का बहिष्कार करेंगे। धरना-प्रदर्शन में संघ के अध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता सहित संजय कुमार, सुरेंद्र कुमार, पुरुषोत्तम कुमार देव, संजय यादव, विजय कुमार, राजेश कुमार, अशोक प्रसाद मेहता, चंद्रधारी प्रसाद मेहता, इंद्रजीत प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद मेहता, अमन कुमार मेहता, कुंदन प्रसाद मेहता, अभिषेक कुमार, दीनानाथ यादव, प्रवीन कुमार सिंह, विपुल नारायण, बादल कुमार, देवेंद्र कुमार पांडे, मिथिलेश कुमार, चंदन कुमार गुप्ता, पंकज कुमार सिंह, नागेंद्र शुक्ला, बृजेश सिंह, मंटू कुमार सिंह, बीरबल, विपिन मेहता आदि थे।

नीट में सफलता प्राप्त करने वाले संजीत कुमार व उनकी माता को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। रोटरी क्लब हजारीबाग जागृति की ओर से रविवार को नीट-2026 में उत्कृष्ट रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन करने वाले संजीत कुमार के सम्मान में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.सुबोध कुमार सिंह के आवास पर आयोजित हुआ। समारोह में संजीत कुमार को इस उपलब्धि के लिए उन्हें प्रेरणादायी बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। संजीत कुमार को उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी माता शीला देवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता के पीछे उसके माता-पिता का त्याग, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में संजीत की सफलता उनकी माता के संघर्ष, समर्पण और संस्कारों का भी परिणाम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने से अन्य युवाओं को भी कठिन परिश्रम कर अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। क्लब आगे भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ एल.एन. सिंह, भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार सिंह तथा एम. साही उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संजीत कुमार की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने और समाज की सेवा के लिए प्रेरित किया।

मनीषा ने बढ़ाया जिले का मान, चेन्नई के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज में मिला दाखिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के लिए गर्व की बात है कि स्पेक्ट्रम करियर इंस्टीट्यूट की मेधावी छात्रा मनीषा कुमारी पंडित ने देश के प्रतिष्ठित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी (चेन्नई) में प्रवेश प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी का माहौल है मनीषा ने इससे पहले वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट विज्ञान बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गिरिडीह जिले में 10वाँ स्थान हासिल किया था। अब देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान में चयनित होकर उन्होंने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया है स्पेक्ट्रम करियर इंस्टीट्यूट के शिक्षकों ने बताया कि मनीषा की सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, लगन और अटूट संकल्प का परिणाम है। संस्थान ने इसे गिरिडीह के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।मनीषा की सफलता पर उनके माता-पिता, शिक्षकों और संस्थान के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

एक्सयूवी 500 से 41 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद, चालक फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। हजारीबाग पुलिस ने चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक एक्सयूवी 500 वाहन से 41 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। वाहन की तलाशी के दौरान कुल 1968 बोतल (180 एमएल) ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की जब्त की गई। पुलिस को देखते ही वाहन चालक अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को 26 जुलाई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि चौपारण थाना क्षेत्र के केंदुआ मोड़ की ओर से एक सफेद रंग की एक्सयूवी 500 में अवैध शराब लोड कर कटम्बा की ओर ले जाई जा रही है। सूचना की गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार एवं पुलिस बल की एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने ग्राम पड़रिया पुल के समीप वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान रजिस्ट्रेशन संख्या बीआर-01पीएच-9361 वाली सफेद रंग की एक्सयूवी 500 को रोककर उसकी तलाशी ली गई। पुलिस बल को देखकर चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की और बीच की सीट से ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की 41 पेटियां बरामद हुईं। प्रत्येक पेटी में 180 एमएल की 48 बोतलें थीं। इस प्रकार कुल 1968 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की गई। पुलिस ने शराब के साथ वाहन को भी जब्त कर लिया है।

मतदाताओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के प्रमंडलीय आयुक्त ने दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित वोटर हेल्पलाइन एवं मतदाता सहायता केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, मतदाताओं को दी जा रही सुविधाओं और शिकायतों के निष्पादन की समीक्षा की।आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एसआई आर -2026 के तहत प्रत्येक पात्र मतदाता को समयबद्ध, सरल और पारदर्शी सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता जानकारी के अभाव में निर्वाचन प्रक्रिया से वंचित नहीं रहना चाहिए निरीक्षण के दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिले में एसआईआर 2026 की प्रगति, गणना प्रपत्र वितरण, हेल्पलाइन के माध्यम से दी जा रही सहायता तथा शिकायतों के निस्तारण की जानकारी दी आयुक्त ने नागरिकों से निर्वाचन आयोग की टोल फ्री हेल्पलाइन 1950 का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह सेवा मतदाताओं को त्वरित और विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को हेल्पलाइन सेवा को और अधिक जनसुलभ एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

रिश्वत लेते एपीओ गिरफ्तार

एमएसीपी का लाभ दिलाने के लिए मांगा था रिश्वत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। रेल मंडल में सामने आए, चर्चित रिश्वतकांड में रेलवे प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते सीबीआई के हत्थे चढ़े सहायक कार्मिक पदाधिकारी अरुण मंडल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। गिरफ्तारी के बाद उनके सरकारी आवास से एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन और नौ जिंदा कारतूस बरामद होने से मामला और गंभीर हो गया है। सीबीआई के पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार सिंह कुशवाहा के आवेदन पर नगर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत अलग प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। अब रेलवे ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

समस्तीपुर रेल मंडल के कार्मिक विभाग में तैनात एपीओ अरुण मंडल पर आरोप है कि उन्होंने डील क्लर्क अमृत राज की एमएसीपी से संबंधित फाइल का निस्तारण करने, सेवा अभिलेख में आवश्यक सुधार कराने और वित्तीय लाभ दिलाने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित रेलकर्मी ने करीब 45 दिन पहले इसकी शिकायत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से की थी। शिकायत का सत्यापन

पांच महीने बाद होना था सेवानिवृत

करने के बाद सीबीआई ने 23 जुलाई को समस्तीपुर रेल मंडल कार्यालय में ट्रैप बिछाया। जैसे ही रिश्वतकर्ता ने 50 हजार रुपये की अग्रिम रिश्वत की राशि सौंपी, टीम ने अरुण मंडल को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से पूरे रेल मंडल कार्यालय में हड़कंप मच गया। कार्यालय से गिरफ्तारी के बाद सीबीआई टीम ने अरुण मंडल के सरकारी आवास की तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन और नौ जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद मामला सिर्फ भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अवैध हथियार रखने के आरोप से भी जुड़ गया।

सीबीआई के पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार सिंह कुशवाहा के लिखित आवेदन पर समस्तीपुर नगर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत अलग प्राथमिकी दर्ज की गई। बरामद हथियारों के संबंध में भी जांच जारी है सीबीआई की कार्रवाई के चार दिन बाद पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन ने अरुण मंडल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। जांच पूरी होने के बाद सेवा नियमों के तहत अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, अरुण मंडल करीब पांच महीने बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। लेकिन नौकरी के अंतिम चरण में रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तारी, सरकारी आवास से हथियारों की बरामदगी और निलंबन ने उनके तीन दशक से अधिक लंबे सेवा जीवन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभागीय जांच का असर उनकी पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों पर भी पड़ सकता है।

सीबीआई अब यह भी जांच कर रही है कि रिश्वतखोरी का यह मामला किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा था या नहीं। इसके अलावा बरामद हथियारों के स्रोत, उनकी वैधता और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

शिविर में 145 बच्चों का हुआ नेत्र जांच

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोटरी गिरिडीह द्वारा संचालित रोटरी आई केअर वैन के माध्यम से सोमवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के 145 छात्र-छात्राओं की आंखों की जांच की गई। नेत्र परीक्षण के दौरान कई बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्याएं पाई गईं। चिकित्सकों ने ऐसे बच्चों को चश्मा लगाने तथा आगे आवश्यक उपचार कराने की सलाह दी शिविर के सफल संचालन में रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष अमित गुप्ता, सचिव मनीष वर्णवाल, शिविर संयोजक मनीष तर्वे, पीडीजी शिव प्रकाश बगड़िया, डॉ. तारकनाथ देव तथा रोटरी नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकीय एवं तकनीकी कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही रोटरी गिरिडीह के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य जांच शिविरों का उद्देश्य स्कूली बच्चों में नेत्र संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर उन्हें उचित उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी पढ़ाई और दैनिक जीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

पंचायतों के विकास के लिए ग्राम सभाओं का आयोजन

नबिटा संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। पंचायत के सतत विकास को गति देने के उद्देश्य से प्रखंड के प्रायः सभी पंचायतों में पंचायत विकास दिवस पर ग्राम सभाओं का आयोजन रविवार को किया गया। पंचायत सरकार भवन या पंचायत भवन में संबंधित पंचायत के मुखिया की अध्यक्षता और पंचायत सचिव की उपस्थिति में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। तरारी, मनार और सिंदुआर पंचायतों में आयोजित बैठक में बीडीओ मो. जफर इमाम पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद किया। ग्रामीणों को पंचायत के विकास और भावी कार्य योजनाओं के बारे में बताया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि सरकार द्वारा नया राशन कार्ड बनाया जा रहा है। पात्र आवेदक वांछित कागजातों के साथ 13 अगस्त तक पोर्टल के माध्यम से आवेदन जमा करें। मद्य निषेध के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। संबंधित पंचायत के मुखिया ने पंचायत की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। पंचायत के माध्यम से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

रास्ते के विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट

दोनों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के चंदौल गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ रफीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पहले पक्ष के अवधेश यादव ने आरोप लगाया है कि 24 जुलाई की सुबह करीब 6 बजे सुगंती देवी, हेमंत कुमार, रिंटू कुमार, सपना कुमारी एवं 2-3 अन्य लोगों ने उनके दरवाजे पर आकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पुत्र निलेश कुमार के सिर और पैर पर गंभीर चोट लगी, जबकि अवधेश यादव के सिर और दाहिने हाथ में गंभीर चोट आई। घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रफीगंज में कराया गया। शिकायत में जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

वहीं दूसरे पक्ष की सुमती देवी, पति रामप्रवेश यादव ने दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया है कि 23 जुलाई की रात करीब 8:10 बजे खेत से घर लौटने पर घर में जमा कीचड़ साफ करने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि अवधेश यादव और उनके पुत्र निलेश कुमार ने उनके घर में घुसकर लाठी एवं मुक्के से मारपीट की, जिससे उनके हाथ, जांघ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरोपित पूर्व में भी मारपीट कर चुके हैं।

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की सत्यता का पता जांच और साक्ष्यों के आधार पर लगाया जाएगा।

स्थाई नियोजन की मांग को लेकर मृत बीएसएल कर्मी की पत्नी का भूख हड़ताल 11 वें दिन समाप्त

उपायुक्त ने कराया जूस पीला कर भूख हड़ताल समाप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के कर्मी स्वर्गीय सुभाष चंद्र मोदी के परिवार का 11 दिनों से जारी आंदोलन और भूख हड़ताल सोमवार को समाप्त हो गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने मृतक की पत्नी सोना मनी देवी को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

हालांकि आंदोलन समाप्त होने के बावजूद परिवार की मुख्य मांग पूरी नहीं हो सकी है। बीएसएल में आश्रित को स्थाई नियोजन देने के बजाय मृतक के दोनों बेटों को ठेका श्रमिक के रूप में रोजगार देने का आश्वासन दिया गया। वहीं बेटी रीता कुमारी को आर्चरी कोच के रूप में अवसर दिलाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का भरोसा प्रशासन ने दिया।

आंदोलनकारियों ने कहा कि वे पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं, लेकिन 11 दिनों से बीजीएच में रखे शव और भूख हड़ताल के कारण बिगड़ती सोना मनी देवी की तबियत को देखते हुए आंदोलन समाप्त करने का फैसला लिया गया।गौरतलब है कि 17 जुलाई को इलाज के दौरान सुभाष चंद्र मोदी का निधन हो गया था। इसके बाद परिजन न्याय और आश्रित को स्थाई नौकरी की मांग को लेकर आंदोलनरत थे।इस आंदोलन को कई राजनीतिक दलों के नेताओं का भी समर्थन मिला।

फिलहाल आंदोलन तो समाप्त हो गया है, लेकिन बीएसएल में स्थाई नौकरी की मांग अभी भी अधूरी है।

चढावा चोरी उजागर कराने हेतु चलेगा चरणबद्ध आंदोलन : कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। सनातन धर्मावलंबियों के आस्था, विश्वास के प्रतीक अयोध्या के श्रीराम मंदिर चढावा चोरी के जिम्मेदार श्रीराम मंदिर निर्माण तीर्थयात्रा ट्रस्ट के पदाधिकारियों, मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा करने वाले देश के प्रधानमंत्री, तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को चुप्पी तोड़ने तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने हेतु कॉंग्रेस पार्टी विश्व के 119 करोड़ सनातनियों के सहयोग से चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी।

बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह श्रीराम मंदिर चढावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति के संयोजक प्रो विजय कुमार मि॰, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, दामोदर गोस्वामी, टिंकू गिरी, विपिन बिहारी सिन्हा, शिव कुमार चौरसिया, युगल किशोर सिंह, विद्या शर्मा आदि ने कहा कि भाजपा ,आर एस एस द्वारा श्रीराम मंदिर शीलापूजन के समय जब 1991में जब 800 करोड़ चंदा के हेरा फेरी की बात जब तत्कालीन वित्त विभाग के पदाधिकारी द्वारा उजागर किया गया था, तो भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह पर भारी दबाव एवं समर्थन वापस लेने की मांग पर इसे ठंढे बस्ते में डाल दिया गया, फिर जब श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ तो जमीन घोटाले की बातें सामने आने पर उसे भी दबा दिया गया, अब जब 40 दोनों से सी सी टी बी बंद कर 70 बार चढावा चोरी की बातें सामने आने पर देशभर के सनातनियों में उबाल है।

गौशाला की सुरक्षा को लेकर कमिटी ने थानाध्यक्ष संग की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई/झाझा। झाझा की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर मानी जाने वाली श्री कृष्ण गौशाला की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार को गौशाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने झाझा थाना पहुंचकर थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह से मुलाकात की।बैठक के दौरान गौशाला की सुरक्षा, भवन निर्माण कार्य तथा गोवंश की देखरेख से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

गौशाला के उपाध्यक्ष सुरेश यादव ने थानाध्यक्ष को जानकारी देते हुए बताया कि श्री कृष्ण गौशाला,झाझा की आस्था का प्रमुख केंद्र है,जहां वर्तमान में 180 से अधिक गाय एवं गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि गौशाला परिसर में नए भवन का निर्माण कार्य भी जारी है। ऐसे में पशुओं, निर्माण सामग्री एवं अन्य संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी चौकीदार की नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने थानाध्यक्ष को गौशाला का निरीक्षण करने के लिए भी आमंत्रित किया।

वहीं गौशाला के सचिव दयाशंकर प्रसाद उर्फ सोनू बरनवाल ने बताया कि पूर्व में गौशाला की दानपेटी चोरी होने की घटना हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रशासन का सहयोग बेहद जरूरी है, जो समय-समय पर समिति को मिलता रहा है।बैठक के बाद थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह ने गौशाला समिति को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन गौशाला की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है और आवश्यकतानुसार हर संभव सहयोग एवं सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर गौभक्त अजय छापड़िया एवं अनूप केशरी सहित अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

मां नेतुला मंदिर के प्रबंधन की नई व्यवस्था

पांच वर्ष के लिए 10 सदस्यीय न्यास समिति गठित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई/सिकंदरा । बिहार हिंदू धार्मिक न्यास परिषद ने सिकंदरा प्रखंड के कुमार स्थित प्रसिद्ध मां नेतुला मंदिर के सुचारु संचालन, संपत्तियों की सुरक्षा और विकास के लिए नई न्यास समिति का गठन कर दिया है। परिषद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने 23 जुलाई को अधिसूचना जारी करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जमुई की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय समिति का गठन पांच वर्षों के लिए किया है। परिषद ने बताया कि वर्ष 2013 में गठित 11 सदस्यीय समिति का कार्यकाल काफी पहले समाप्त हो चुका था। समिति पर लगाए गए आरोपों, स्पष्टीकरण की प्रक्रिया तथा पटना हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद जिला पदाधिकारी, जमुई से प्राप्त 32 आवेदनों में से सदस्यों का चयन कर नई समिति गठित की गई है।

नई समिति में अरविंद कुमार को उपाध्यक्ष, अनुज कुमार को सचिव और उमा शंकर सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।सिकंदरा विधायक प्रफुल कुमार मांझी समेत अन्य छह स्थानीय लोगों को सदस्य नामित किया गया है।अधिसूचना में समिति को प्रत्येक तीन माह पर आय-व्यय का ब्यौरा परिषद को भेजने, बैंक खाते का संयुक्त हस्ताक्षर से संचालन करने, दान राशि का पारदर्शी लेखा-जोखा रखने तथा मंदिर परिसर में स्वच्छता, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि न्यास की किसी भी भूमि या संपत्ति की बिक्री, लीज अथवा हस्तांतरण का अधिकार समिति को नहीं होगा। नियमों के उल्लंघन पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

महिला की संदिग्ध मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। बरियारपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान गोबड्डा गांव निवासी चांदनी देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने उसके पति निक्की कुमार मंडल और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर शव को गंगा नदी में बहाकर साक्ष्य मिटाने का गंभीर आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही बरियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

गिरिडीह जुडो संघ का चुनाव संपन्न, अरविंद कुमार बने अध्यक्ष व शीला सिंह महासचिव

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जुडो संघ का वार्षिक सम्मेलन सह चुनाव रविवार को मधुबन वेजिस में संपन्न हुआ। चुनाव में अरविंद कुमार को अध्यक्ष और शीला सिंह को महासचिव चुना गया। दोनों को 15-15 मत प्राप्त हुए चुनाव प्रक्रिया झारखंड जुडो संघ के महासचिव परीक्षित तिवारी की देखरेख में संपन्न हुई, जबकि संयुक्त सचिव अभिषेक कुमार ने चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरूआत जुडो के संस्थापक प्रो. जिगारो कानो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद निवर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र सिंह और सचिव उज्ज्वल सिंह ने संघ की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी चुनाव में राहुल बर्मन और विनीता कुमारी उपाध्यक्ष, उज्ज्वल सिंह कोषाध्यक्ष, प्रिंस प्रभाकर तकनीकी सचिव तथा निरंजन कुमार सिंह सहसचिव चुने गए। वहीं अमरजीत सिंह सलूजा, देवेंद्र सिंह और चुन्नुकान्त को संरक्षक बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सागर रजक, आफिया खातून, अस्मित आनंद और सुषमा साहू का चयन किया गया।कार्यक्रम में गिरिडीह ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष नुरुल होदा स्थानीय पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का सदस्यों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर शिवपूजन सिंह, बजरंगी चौधरी, हितांशु सिंह सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ हुए सम्मानित

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर - 2026) अभियान के तहत 32-गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में गणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत वितरण एवं डिजिटाइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओएस) को सोमवार शाम अनुमंडल कार्यालय में सम्मानित किया गया अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) धीरेंद्र कुमार ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओएस को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है और उनके समर्पण से निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त किया जा सका सम्मानित होने वाले बीएलओ में गुलशन बानो (पार्ट संख्या-34), जिनात आरा (48), रेनू देवी (50), सुनीता देवी (63), भारती लोहानी (69), बीना कुमारी (89), दीपक कुमार सिंह (141), निखत परवीन (146), मनीषा देवी (182) तथा लक्ष्मी कुमारी (232) शामिल हैं समारोह में एसडीओ ने सभी बीएलओ को भविष्य में भी पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निर्वाचन शाखा के पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे। सम्मानित बीएलओ ने भी भविष्य में निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसजी.टेंडर/डीएसटीई/एसडीएएच/627, दिनांक 24.07.2026; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: ई-निविदा सं.: डीएसटीई/सिग/टी/15/26-27/एसएफ; कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: सियालदह मंडल में डीएसटीई/I एवं एएसटीई/I के अनुभाग में इंटरलॉक्ड एलसी गेटों (ओएसएल) में आरटीयू का प्रावधान। निविदा मूल्य: रु. 7,30,70,702.86; जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 14,61,400; निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। कार्य समापन अवधि: 12 महीने। निविदा जमा शुरू होने की तारीख: 06.08.2026; निविदा जमा करने की अंतिम तारीख: 20.08.2026 को 14.00 बजे तक। निविदा बोली खुलने की तारीख: 20.08.2026 को 14.30 बजे। विस्तृत विवरण: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। पात्रता के तकनीकी मानदंड: निविदादाताओं द्वारा पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निविदा आमंत्रित किए जाने वाले माह से पहले महीने के अंतिम दिन तक, नीचे उल्लेखित श्रेणियों में से किसी भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा अथवा काफी हद तक सम्पन्न किया होना चाहिए: (i) समतुल्य प्रकृति के तीन कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (ii) समतुल्य प्रकृति के दो कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (iii) समतुल्य प्रकृति का एक कार्य, जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए। पात्रता के वित्तीय मानदंड: निविदादाता द्वारा वी/एन अथवा 'वी' जो कम हो का न्यूनतम औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार किया होना चाहिए, जहां वी=निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन=कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है। औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में "कुल अनुबंधकीय भुगतान" के औसत के रूप में किया जाएगा। हालांकि, पिछले वर्ष के तुलन पत्र के तैयार होना/लेखा परीक्षण होना बाकी रहने की स्थिति में औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जाएगा। निविदादाताओं को जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इस निविदा दस्तावेज का प्रपत्र-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा भलीभांति सत्यापित लेखा परीक्षित तुलनपत्र/लेखा परीक्षित तुलन पत्र के साथ भलीभांति समर्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र जमा करना होगा। जमा किए जाने वाले अन्य दस्तावेज: जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेखित है। समतुल्य प्रकृति का कार्य: डाटा लॉगर अथवा आरटीयू अथवा कोई भी सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्यों की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना, जिसमें ईआई अथवा आरआरआई अथवा पीआई अथवा आईबीएस अथवा आईबीएच अथवा एलसी गेट इंटरलॉकिंग अथवा यार्ड मॉडिफिकेशन अथवा यूएफएसबीआई अथवा ट्रैक सर्किट (एएफटीसी अथवा डीसी टीसी) अथवा एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी अथवा एमएसडीएसी अथवा एचए-एसएसडीएसी) अथवा स्वचालित सिग्नलिंग कार्य शामिल हो। टिप्पणी: निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में यथा उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने होंगे। निविदादाता द्वारा अनुशंसापत्रों के समर्थन में जमा किए गए दस्तावेज/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता अथवा निविदाकारी प्रतिष्ठान के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं सत्यापित/डिजिटली हस्ताक्षरित होना चाहिए। स्वयं सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर तथा तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होना चाहिए। (SDAH-150/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/26, दिनांक: 22.07.2026; वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंजिल, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी सूचीपत्र www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। सूचीपत्र सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-26; नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समय: 06.08.2026 को 12.00 बजे। सिक्वेंस नं.; लॉट नं. एवं विवरण क्रमशः निम्नलिखित हैं: एए/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एएमबीजी-ओएच-164-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); आरामबाग रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार के निकट सर्कुलेटिंग एरिया में 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार रेलवे द्वारा स्थापित 1 अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के जरिए पर वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी प्रदर्शन करने के लिए अधिकार प्रदान करना। एए/2; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); नबद्वीप धाम रेलवे स्टेशन के अस्थाई बुकिंग कार्यालय के निकट सर्कुलेटिंग एरिया में 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार रेलवे द्वारा स्थापित 1 अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के जरिए पर वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी प्रदर्शन करने के लिए अधिकार प्रदान करना। एए/3; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीएलवाई-ओएच-167-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा मंडल के अधीन बाली रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय की साझेदारी के आधार वाणिज्यिक विज्ञापनों के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी प्रदर्शन करने के लिए 1 अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के संचालन एवं रखरखाव की संविदा। एए/4; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); आजिमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार रेलवे द्वारा स्थापित 1 अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के जरिए पर वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी प्रदर्शन करने के लिए अधिकार प्रदान करना। एए/5; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार रेलवे द्वारा स्थापित 1 अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के जरिए पर वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी प्रदर्शन करने के लिए अधिकार प्रदान करना। एए/6; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार रेलवे द्वारा स्थापित 1 अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के जरिए पर रेलवे की जानकारी तथा वाणिज्यिक विज्ञापन के संचालन, रखरखाव एवं प्रदर्शन के लिए संविदा प्रदान करना। एबी/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-पीडीए-ओएसडी-122-24-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल)]; हावड़ा मंडल के क्लस्टर-4 के अधीन स्टेशनों (परिशिष्ट-I में उल्लेखित विवरण के अनुसार पांडूआ, मेमारी, बर्द्धमान, बोलपुर एवं रामपुरहाट) में 3 वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ डॉयनामिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान सहित यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों तथा अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर ड्युअल डिस्प्ले फेयर रीपिटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा प्रदान करना। एबी/2; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसडी-119-24-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल)]; हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन स्टेशनों (परिशिष्ट-I में उल्लेखित विवरण के अनुसार लिलुआ, बेलूड़, बाली, डानकुनी, उत्तरपाड़ा, कोन्नगर, रिषड़ा एवं श्रीरामपुर) में 3 वर्षों के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ डॉयनामिक भीम यूपीआई क्यूआर कोड के प्रावधान सहित यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों तथा अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर ड्युअल डिस्प्ले फेयर रीपिटर सिस्टम (डीडीएफआरएस) की आपूर्ति, स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा प्रदान करना। एबी/3; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-ओएसडी-86-26-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल)]; बर्द्धमान स्टेशन के भीतर विभिन्न स्थानों पर 3 वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 6 अदद वीडियो वॉलों के जरिए रेलवे की जानकारी एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। एसी/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केक्यूयू-ओएसएन-30-26-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)]; हावड़ा मंडल के कमारकुण्डु स्टेशन के स्टेशन परिसर के भीतर 3 वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन का अधिकार प्रदान करना। एसी/2; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएसएन-165-26-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)]; हावड़ा मंडल के अधीन हावड़ा स्टेशन पुराना परिसर में खंभों पर विनायल पेस्टिंग के जरिए 3 वर्षों की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। एडी/1; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूरेक32-26-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); 3 वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेकों की कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों (खिड़कियों एवं अनिवार्य साइनेजों को छोड़कर) पर तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देशन के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। एडी/2; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूरेक2-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); 3 वर्षों की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेकों की कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों (खिड़कियों एवं अनिवार्य साइनेजों को छोड़कर) पर तथा कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देशन के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। (HWH-238/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

नवादा के युवक अबूधाबी एयरपोर्ट पर हिरासत में, पोस्ता दाना लगी मिठाई बनी वजह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला के धमौल थाना क्षेत्र के तुर्कबन गांव निवासी सुधीर पासवान के पुत्र सतीश कुमार को अबूधाबी एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि उनके साथ पोस्ता दाना लगी रसकदम मिठाई थी। परिजनों के अनुसार सतीश 22 जुलाई को पटना एयरपोर्ट से अहमदाबाद होते हुए अबूधाबी के लिए रवाना हुए थे। यात्रा के दौरान वह धमौल बाजार से खरीदी गई मिठाई साथ ले गए थे। अबूधाबी एयरपोर्ट पर जांच के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने मिठाई के ऊपर लगे पोस्ता दाना को देख लिया और इसके बाद सतीश को हिरासत में ले लिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि उन्हें जानकारी नहीं थी कि यूएई में पोस्ता दाना प्रतिबंधित है। फिलहाल युवक पुलिस हिरासत में है। परिवार के लोग भारतीय दूतावास और संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर युवक को छुड़ाने की कोशिश में लगे हैं। भारत में पोस्ता दाना का इस्तेमाल कई मिठाइयों और व्यंजनों में आम है। लेकिन संयुक्त अरब अमीरात में इसके नियम काफी कड़े हैं। वहां पोस्ता दाना और उससे बनी खाद्य सामग्री को प्रतिबंधित माना जाता है। अनजाने में भी साथ ले जाने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इस मामले पर नवादा के फूड इंस्पेक्टर अजय कुमार ने कहा कि पोस्ता दाना कोई नशीला पदार्थ नहीं है और भारत में इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इसका उपयोग खाद्य पदार्थों में किया जाता है। उन्होंने बताया कि उक्त मिठाई का कई बार बाजार से नमूना लिया गया, लेकिन उसका कोई साइड इफेक्ट नहीं मिला। इसलिए पोस्ता दाना वाली मिठाई भारत में बेची जा सकती है।

सात निश्चय-3 के तहत जिलेभर में आयोजित हुई जनसुनवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान" का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाना है। इस निश्चय के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया गया है कि आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई की व्यवस्था लागू की गई है। जिला पदाधिकारी, रवि प्रकाश के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शम्भु शरण पाण्डेय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में किया गया। इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों द्वारा कुल 19 शिकायतें दर्ज की गईं। कार्यक्रम के दौरान जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा कई शिकायतों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को जाँचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान थाना-नारदीगंज, ग्राम-मधुवन के प्यारे यादव द्वारा मुआवजा भुगतान के संबंध में, थाना-अकबरपुर, ग्राम-डेरमा की धरमिता देवी द्वारा रास्ता रोकने के संबंध में, थाना-अकबरपुर, ग्राम-रजहट के मैहरोज अहमद द्वारा नया ट्रांसफार्मर लगवाने के संबंध में, थाना-अकबरपुर, ग्राम-चेता बिगहा के उपेन्द्र प्रसाद द्वारा जमीनी विवाद के संबंध में आवेदन दिया गया एवं अन्य परिवादियों द्वारा विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्रस्तुत की गईं। जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में सदर/रजौली अनुमंडल सहित जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

एक नजर

साइबर अपराधियों ने उड़ाए 47 हजार 250 रुपये

कौआकोल। साइबर अपराधियों ने थाना क्षेत्र के बिन्दीचक गांव निवासी संजीत कुमार के पंजाब नेशनल बैंक, शाखा कौआकोल के खाते से 47 हजार 250 रुपये साइबर अपराधी द्वारा निकासी कर ली गई। पीड़ित को जब खाते से राशि निकासी का संदेश मोबाइल पर प्राप्त हुआ, तब उसे धोखाधड़ी की जानकारी मिली। पीड़ित ने बताया कि उसके खाते से बिना अनुमति के ही साइबर अपराधी के द्वारा 26 जुलाई 2026 को एक ही दिन यूपीआई के माध्यम से दो बार में पहले 27 हजार तथा दूसरी बार 20 हजार 250 रुपये निकाल लिए गए। घटना के बाद उसने तुरंत बैंक शाखा पहुंचकर खाते को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया शुरू की और संबंधित साइबर थाना एवं कौआकोल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यात्री वाहन की ठोकर से रिक्शा चालक घायल

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र के सरौनी गांव के समीप सोमवार को यात्री वाहन की ठोकर से एक रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मधुरापुर गांव निवासी 60 वर्षीय राजो साव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल इलाज के लिए कौआकोल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सरौनी गांव के पास एक यात्री वाहन ने रिक्शा चालक को टक्कर मार दी,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

जिलाधिकारी को आवेदन देकर न्याय की गुहार

नारदीगंज,नवादा। थाना क्षेत्र के हंडिया गांव में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने विभाग के कनीय अभियंता और एक कर्मी पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। ग्रामीण कृष्णदेव सिंह, नवल सिंह, नरेश सिंह और महेश कुमार समेत अन्य लोगों का कहना है कि गांव में पांच ट्रांसफार्मर, पोल और तार लगाने के एवज में अधिकारियों ने दो लाख रुपये की मांग की थी। बाद में सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ, जिसके बाद गरीब किसानों ने चंदा एकत्र कर एक लाख रुपये की राशि दे दी। रुपये लेने के बावजूद विभाग ने केवल पंडपा गांव तक ही पोल गाड़े, जबकि हंडिया गांव में तीन महीने बीत जाने के बाद भी न तो ट्रांसफार्मर लगा और न ही तार बिछाए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि 25 जुलाई को अधिकारियों ने बिजली न देने की धमकी दी और विरोध करने पर पुलिस के सामने उलझ गए। इतना ही नहीं, जेई ने ग्रामीणों पर ही थाने में झूठा मामला दर्ज करा दिया। उधर, बिजली विभाग के कनीय अभियंता नवीन कुमार सिंह ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद और निराधार बताया है।

फरार नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कांड संख्या 239/25 के फरार नामजद अभियुक्त बीरेंद्र यादव को गंगटा गांव से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के निर्देशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के संबंध में उन्होंने जानकारी दी कि बीते 15 मई 2025 की संध्या को कुम्हरुआ गांव के पास नदी स्रोत से बिना रजिस्ट्रेशन नंबर के न्यू हॉलैंड 4010 ट्रैक्टर और ट्रॉली पर लदे करीब 80 सीएफटी अवैध बालू को गश्ती दल द्वारा गुप्त सूचना पर जब्त किया गया था, हालांकि उस समय अंधेरे का लाभ उठाकर आरोपी फरार होने में सफल रहा था जिसके बाद अनुसंधानकर्ता सहायक अवर निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर विधिवत कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आखिरकार पुलिस ने सोमवार आरोपी को धर दबोचा और अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कुत्ता काटने की सुई को लेकर अस्पताल में बवाल

'दवाई है तो क्यों नहीं दे रहे' - परिजन-स्वास्थ्यकर्मी आमने-सामने, डॉक्टर के हस्तक्षेप से मामला शांत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को कुत्ता काटने की सुई को लेकर जमकर हंगामा हुआ। स्वास्थ्यकर्मियों और मरीज के परिजनों के बीच तीखी नोंक-झोंक हुई, जिसे अस्पताल में तैनात चिकित्सक के बीच-बचाव के बाद शांत कराया गया।मामला डाक बंगला चौराहा निवासी रंजीत कुमार के 10 वर्षीय पुत्र आलोक कुमार से जुड़ा है। आलोक को 23 जुलाई को घर के पास गली के कुत्ते ने काट लिया था। परिजनों ने उसी दिन पहला डोज लगवा दिया था। सोमवार को आलोक की चाची पूनम अग्रवाल उसे दूसरा डोज दिलवाने अस्पताल लाईं। आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर स्वास्थ्यकर्मियों ने कह दिया कि "2 बजे के बाद सुई नहीं दी जाती, वापस चले जाइए"। इस परिजन भड़क गए। उन्होंने कहा कि उनका बच्चा नवादा के दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ता है और छुट्टी होने के बाद जब बच्चा घर पहुंचा,तो उसे सुई दिलवाने अस्पताल लाया गया। पूनम ने सवाल किया - "अगर अस्पताल में सुई है तो इमरजेंसी स्टाफ क्यों नहीं दे रही?" परिजनों के विरोध के बाद ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक के निर्देश पर आलोक को दूसरा डोज लगाया गया।

अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल

डोज लगने के बाद मामला और गरमा गया। परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि "दवाई रहने के बावजूद आनाकानी की जाती है। अस्पताल में कुव्यवस्था फैली है। यहां से मंगलसूत्र गायब हो जाता है, बाइक चोरी होती है, युवक-युवतियां निजी पल बिताने आते हैं और स्टाफ का बिगड़ा बोल मरीजों को आहत करता है।" वहीं स्वास्थ्यकर्मियों का तर्क था कि इमरजेंसी रूम में फ्रिज नहीं है, इसलिए वे ज्यादा दवाई नहीं रख पातीं। पहला डोज जरूर दिया जाता है।

दो लोगों की सड़क हादसे में मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। सदर प्रखंड के मुफ्फसिल थाना अंतर्गत पथरा इंग्लिश गांव में एक ही परिवार के दो लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद कोहराम मच गया । 44 वर्षीय ट्रक ड्राइवर साधू यादव और उनके चचेरा भाई उपचालक 22 वर्षीय अमरजीत उर्फ छोटू यादव की मौत बीती रात कोडरमा घाटी में एक ट्रक दुर्घटना के दौरान हो गई। बताया जाता है कि झारखंड से रजौली की ओर आ रहे लोडेड ट्रक का संतुलन बिगड़ते ही एक पेड़ से टकराया और फिर विपरीत दिशा में आ रही ट्रक से टकरा गया । इस जोरदार टक्कर में ट्रक पर सवार चालक और उपचालक दोनों की मौत घटना स्थल पर ही हो गई । देर रात तक इस घटना की सूचना सदर विधायक विभा देवी एवं एमएलसी अशोक कुमार को मिलते ही अपने कार्यकर्ताओं को घटना स्थल पर रवाना किया । घटना स्थल पर पहुंचे सुरेन्द्र यादव एवं बृज यादव ने बताया कि हमलोगों को घटना स्थल पर पहुंचने से पूर्व कोडरमा थाना में दोनों मृतक का पार्थिव शरीर पहुंच गया था । वहां आवश्यक कागजातों एवं वैधानिक नियमों के तहत पोस्टमार्टम किया गया और दोनों के पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिया गया । सोमवार को लगभग चार बजे गांव पर लाश लाई गई तो परिवार के बीच कोहराम मच गया और पूरा गांव मातम में डूब गया । इस बीच विधायक विभा देवी ने पटना से फोन पर दोनों परिजनों से बात की और ढाढ़स बंधाया तथा हर संभव मदद का भरोसा दिया । बता दें कि साधु यादव की तीन पुत्रियां और एक पुत्र है जबकि अमरजीत को आठ माह की केवल एक पुत्री है जिसपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है । एमएलसी अशोक कुमार ने कहा कि मृतक परिवार को नियमों के तहत मुआवजे की राशि दिलाने की कोशिश करूंगा एवं हर संभव मदद की जाएगी ।

फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, दो देसी कट्टा व बाइक बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। कौआकोल थाना क्षेत्र के डोमनबाग गांव में फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों के पास से दो देशी कट्टा तथा घटना में प्रयुक्त एक बाइक बरामद की गई है।कौआकोल थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में पकरीबरावां के एसडीपीओ सुजय विद्यार्थी ने बताया कि रविवार की संध्या पुलिस को सूचना मिली थी कि डोमनबाग गांव में 4-5 युवकों द्वारा फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। सूचना यह भी मिली कि ग्रामीणों ने एक बदमाश को पकड़ रखा है और अन्य आरोपित दोबारा गांव में आने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दरावां गांव निवासी सूरज मांझी (पिता- योगेंद्र मांझी) को गिरफ्तार कर हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उसने फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दरावां गांव से एक देशी कट्टा बरामद किया। वहीं दरावां गांव निवासी अंकित राज,पिता हरिश्चंद्र साव उर्फ लूटन साव के पास से एक अन्य देशी कट्टा तथा घटना में प्रयुक्त बाइक भी जब्त की गई। इसके बाद पुलिस ने अंकित राज को भी गिरफ्तार कर लिया।एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

नालंदा

कारगिल विजय दिवस पर छात्र जदयू ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, देश सेवा का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। कारगिल विजय दिवस के 27वें वार्षिकोत्सव पर छात्र जनता दल (यूनाइटेड) नालंदा की ओर से बिहारशरीफ स्थित कारगिल पार्क में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं कैंडल जलाकर अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध के वीर सपूतों को नमन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छात्र जदयू के जिलाध्यक्ष प्रीतम राज उर्फ सन्नी पटेल और नगर अध्यक्ष संजीत यादव ने कहा कि अमर शहीद जवानों की गाथा कभी व्यर्थ नहीं जाती। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में मुस्तैदी से डटे रहते हैं, तभी देशवासी सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन जी पाते हैं। छात्र नेताओं ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए युवाओं से शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान ऑपरेशन विजय की स्मृति में कैंडल मार्च निकाला गया। हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए गए। नेताओं ने युवाओं से नशे से दूर रहकर देश निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर पिंटू कुमार, विकास वर्मा, अभिनव चैहान, संजीव महतो, विभूति रंजन, अनुज कुमार, रवि कुमार, सौरव कुमार, जितेंद्र कुमार, पुरुषोत्तम पांडेय, सूरज कुमार, मोहम्मद आदिल अली समेत बड़ी संख्या में छात्र जदयू कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटेल समाज की बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन

दिलीप कुमार व डॉ. रंजन कुमार के समर्थन का आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा। रविवार को हिलसा शहर के चिकसौरा रोड स्थित एक उत्सव हॉल में पटेल समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बृजनंदन प्रसाद ने की, जबकि संचालन प्रवीण कुमार विद्यार्थी ने किया। बैठक में स्नातक अधिकार मंच के संयोजक दिलीप कुमार एवं डॉ. रंजन कुमार सहित पटेल समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में आगामी पटना स्नातक निर्वाचन एवं शिक्षक निर्वाचन चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से दिलीप कुमार तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. रंजन कुमार प्रत्याशी होंगे। दोनों प्रत्याशियों के समर्थन में संगठन को

मजबूत बनाने, अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने तथा प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया।इस अवसर पर सामाजिक एकता, शिक्षा के प्रसार और युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है तथा नई पीढ़ी को सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।बैठक में उपस्थित लोगों ने स्नातकों, शिक्षकों एवं समाज के हितों की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया। साथ ही समाज को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।बैठक में रेखा कुमारी, विमलेश कुमार भोली, लक्ष्मण कुमार, शैलेंद्र कुमार, अशोक कुमार, हरेराम, प्रमोद कुमार, मनोरंजन कुमार, इंद्रजीत चक्रवर्ती, पिंकू पटेल, सुभाष बाबा, मनोज राइफल, जितेंद्र कुमार, साहिल पटेल, राजीव कुमार (गुड्डू रंगीला), मुन्ना कुमार, संतोष कुमार, प्रवीण कुमार, रामशरण सिंह, उपेंद्र कुमार, राजमोहन प्रसाद, मनीष कुमार, धर्मेंद्र कुमार सहित पटेल समाज के पदाधिकारी, शिक्षक, स्नातक मतदाता, युवा एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

अज्ञात शव बरामद, हत्या की आशंका

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना क्षेत्र के दयानगर गांव में सोमवार सुबह मकई के खेत से एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ी-गली अवस्था में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, डॉ. सुनील कुमार के क्लीनिक के पास, विद्या जागरण स्कूल के पूर्व दिशा में नथ्थु राम के मकई के खेत में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद नूरसराय थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने भी स्थल का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि शव की हत्या कहीं और करने के बाद उसे खेत में फेंका गया है। हालांकि, मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया है तथा उसकी पहचान कराने और मामले की सभी पहलुओं से जांच में जुटी है।

सेंटिंग के पटरे के विवाद में हिंसक झड़प

कतरीसराय। थाना क्षेत्र के बरीठ गांव में सेंटिंग के पटरे को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट में पांच वर्षीय बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए विम्स रेफर किया गया। अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार ने बताया कि कन्हैया प्रसाद और रामस्वरूप चौरसिया के बीच सेंटिंग के पटरे को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसके बाद कन्हैया प्रसाद, रौशन कुमार उर्फ रवि और अन्य लोग रामस्वरूप चौरसिया के घर में घुस गए तथा लाठी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में रामस्वरूप चौरसिया, रामचंद्र चौरसिया, हरिओम चौरसिया और एक पांच वर्षीय बच्चा घायल हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रौशन कुमार उर्फ रवि को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या

इस्लामपुर। खुदागंज थाना क्षेत्र के सेरथुआ खुर्द गांव में सोमवार को पूर्व विवाद में 26 वर्षीय सन्नी पासवान उर्फ सूरज कुमार की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक देवनंदन पासवान का पुत्र था। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह खेती के कार्य के लिए पत्तीविगहा गांव से ट्रैक्टर लाने निकला था। गांव से कुछ दूरी पर पहले से घात लगाए करीब आधा दर्जन हथियारबंद बदमाशों ने उसे घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली सिर और पैर में लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। ग्रामीणों के पहुंचने से पहले हमलावर फरार हो गए। सूचना पर हिलसा-2 (इसलामपुर) डीएसपी कुमार ऋषिराज और खुदागंज थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार गहलोत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी ममता देवी और भाई रकू कुमार ने गांव के छह लोगों पर पुरानी रंजिश के तहत सुनियोजित हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया है। डीएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी रंजिश का प्रतीत होता है। साक्ष्य जुटाए गए हैं और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

छपरा हमले के विरोध में बीडीओ ने बांधी काली पट्टी

बिहारशरीफ। छपरा में विधि-व्यवस्था ड्यूटी के दौरान प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) पर हुए हमले के विरोध में बिहार ग्रामीण विकास सेवा संघ के आह्वान पर सोमवार से राज्यभर के बीडीओ बांह पर काली पट्टी बांधकर सरकारी कार्य कर रहे हैं। संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। संघ के अनुसार, 25 जुलाई को छपरा में ड्यूटी के दौरान सदर बीडीओ दृष्टि पाठक गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनकी एक आंख की रोशनी चली गई है और उनका इलाज आईजीआईएमएस, पटना में चल रहा है। वहीं रिविलगंज के बीडीओ रितेश कुमार के सिर में गंभीर चोट आई है और सर्जरी के बाद उनका इलाज मेदांता अस्पताल, पटना में जारी है।

राजगीर के सरस्वती विद्या मंदिर में लगा आधार नामांकन व अद्यतन शिविर

डाक विभाग ने गंगाजल व वॉटरप्रूफ राखी लिफाफे की सेवाओं का लाभ उठाने की भी की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। भारत सरकार के डाक विभाग के नालंदा प्रमंडल की ओर से सोमवार को सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर में आधार नामांकन एवं आधार अद्यतन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यालय के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को उनके निकट ही आधार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना था, ताकि उन्हें आधार से जुड़े कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने आधार नामांकन और अद्यतन सेवाओं का लाभ उठाया।डाक अधीक्षक कुंदन कुमार ने सावन माह और रक्षाबंधन के अवसर पर डाक विभाग की विशेष सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए डाक विभाग के सभी डाकघरों में मात्र 30 प्रति बोतल की दर से गंगाजल उपलब्ध है। वहीं रक्षाबंधन को देखते हुए सुरक्षित

डिलीवरी के लिए 10 मूल्य का वॉटरप्रूफ राखी लिफाफा भी सभी डाकघरों में उपलब्ध कराया गया है।विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिविर से विद्यार्थियों और अभिभावकों को काफी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर डाक विभाग ने उन्हें स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित भी किया। शिविर के सफल संचालन में डाक निरीक्षक रंजीत कुमार रजक सहित डाक विभाग एवं विद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय योगदान दिया।

विशेष ग्राम सभा में विभागीय कर्मियों की अनुपस्थिति पर उठा सवाल, कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा। प्रखंड के कैला पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में मुखिया शंभू कुमार की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं और आगामी कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही ग्रामीणों को पंचायत की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई।ग्राम सभा के दौरान उप मुखिया जितेन्द्र प्रसाद ने विभिन्न विभागों के प्रतिनियुक्त कर्मियों की लगातार अनुपस्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि विशेष ग्राम सभा में आधे से अधिक प्रतिनियुक्त कर्मी उपस्थित नहीं रहते हैं। कृषि विभाग के अधिकारी या कर्मी आज तक किसी भी ग्राम सभा में शामिल नहीं हुए हैं। इसके अलावा नोडल पदाधिकारी, आवास सहायक एवं कृषि समन्वयक भी नियमित रूप से अनुपस्थित रहते हैं, जिससे ग्रामीणों की सहभागिता प्रभावित हो रही है।उप मुखिया ने मांग की कि ग्राम सभा से अनुपस्थित रहने वाले विभागीय कर्मियों के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर जिला पदाधिकारी को भेजा जाए, ताकि उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। बैठक में सरपंच मंटू ठाकुर, विकास मित्र रेणु कुमारी, स्वच्छता पर्यवेक्षक पवन कुमार, लेखापाल अमरजीत कुमार, पंचायत रोजगार सेवक विजय पटेल, वार्ड सदस्य, जीविका दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

छात्रों की गिरफ्तारी पर भाकपा का हमला

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शहर के बड़ी पहाड़ी स्थित राहुल भवन में सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नीट परीक्षा, छात्र आंदोलन और हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. मनोज कुमार ने की।भाकपा के जिला सचिव राजकिशोर प्रसाद यादव ने मांग की कि छात्र आंदोलन से जुड़े सभी मुकदमे बिना शर्त वापस लिए जाएं तथा आंदोलन और कथित छात्र हत्याकांड में जान गंवाने वाले प्रत्येक छात्र के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र नेताओं, विधायकों और अभिभावकों को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। साथ ही आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज और बल प्रयोग करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। पार्टी नेता शिवकुमार यादव उर्फ सरदार जी ने कहा कि नीट परीक्षा परिणाम के बाद आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने कहा कि छात्रों की अधिकांश मांगें अब भी लंबित हैं और सरकार उनकी अनदेखी कर रही है। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देशभर में छात्र आंदोलनों से जुड़े मामलों को वापस लेने की मांग दोहराई। सम्मेलन में सत्येंद्र कृष्णम, मिथिलेश कुमार, रामभवन सिंह, गोपाल प्रसाद सिंह, ललन पासवान, राजेंद्र शर्मा, अनिल कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांग नाबालिग से छेड़खानी के दोषी को सजा

पीडिता को 50 हजार मआवजे का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सप्तम सह पॉक्सो स्पेशल न्यायाधीश कविन्द्र कुमार की अदालत ने 13 वर्षीय दिव्यांग नाबालिग से छेड़खानी के मामले में दोषी करार दिए गए कारू यादव को तीन वर्ष के सश्रम कारावास और 5,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोषी को दो माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। अदालत ने पीड़िता को 50 हजार मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।यह मामला चंडी थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार 26 जून 2024 को पीड़िता की मां के लिखित आवेदन पर चंडी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि घटना वाले दिन दोपहर करीब 12 बजे 13 वर्षीय दिव्यांग नाबालिग शौच के लिए खेत गई थी। इसी दौरान आरोपी उसे मकई के खेत में ले गया और उसके साथ छेड़खानी की।घर लौटने के बाद पीड़िता ने इशारों के माध्यम से अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता की मां ने थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। दोषसिद्धि के बाद न्यायालय ने उसे तीन वर्ष के सश्रम कारावास 5,000 रुपये अर्थदंड तथा पीड़िता को 50 हजार मुआवजा देने का आदेश पारित किया।

बिहार विधान सभा की समितियों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाएं : डॉ प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के मुख्य भवन के प्रथम तल स्थित वाचनालय कक्ष में विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में सभी संसदीय समितियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समितियों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बैठक का उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि संसदीय समितियों को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि समितियां विधायिका की महत्वपूर्ण इकाइयां हैं जिनके माध्यम से कार्यपालिका की गतिविधियों की गहन समीक्षा होती है। उन्होंने गया में आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे समितियों, संसदीय प्रणाली और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की नई प्रेरणा मिली है। बैठक में विभिन्न समितियों के सभापतियों ने कार्य निष्पादन में आने वाली कठिनाइयों और सुधार संबंधी सुझाव रखे। प्रमुख सुझावों में एक बैठक में सीमित विभागों को बुलाना, प्रतिवेदनों में अनुशंसाओं का विधिवत उल्लेख, अध्ययन यात्राओं से पहले संबंधित विभागों को विस्तृत प्रश्नावली भेजना, एक समय में दो से अधिक समितियों की यात्रा नहीं कराना, किसी समिति को दो से अधिक अध्ययन दलों में विभाजित नहीं करना तथा प्रतिवेदनों के अनुशंसा भाग की सभापतियों द्वारा स्वयं समीक्षा करना शामिल रहा। विभागों द्वारा समितियों के प्रश्नों का विलंब से उत्तर दिए जाने पर भी चिंता व्यक्त की गई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि जो विषय विधान सभा सचिवालय के अधिकार क्षेत्र में हैं, उन पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। वहीं बिहार सरकार से जुड़े मामलों पर एक माह के भीतर मुख्य सचिव और विकास आयुक्त के साथ बैठक कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव तथा समिति सभापति भाई वीरेंद्र, मंगल पांडे, हरिनारायण सिंह, रेणु देवी, मनोहर प्रसाद सिंह, अश्वमेध देवी, अख्तरूल ईमान, ज्योति देवी, नागेंद्र चंद्रवंशी, जनक सिंह, दुलाल चंद्र गोस्वामी, संतोष कुमार निराला, सिद्धार्थ सौरभ, कृष कुमार मंटू, फैसल रहमान, अवधेश सिंह, मिथुन कुमार, मनोरंजन सिंह, माधव आनंद और निशा सिंह सहित विधान सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय शिक्षकों-कर्मचारियों की बैठक, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। डॉ. ए. के. सेन भवन, कंकड़बाग में फुटाब, फुस्टाब तथा बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में प्रस्तावित संशोधन तथा अंगीभूत डिग्री महाविद्यालयों को विश्वविद्यालयों से अलग कर बिहार सरकार के अधीन लाने के प्रस्ताव के विरोध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधान परिषद सदस्य डॉ. मदन मोहन झा, डॉ. संजय कुमार सिंह और डॉ. अशोक कुमार, महासंघ के संरक्षक डॉ. गंगाधर झा एवं ब्रजकिशोर सिंह, महासंघ के अध्यक्ष वेंकटेश कुमार तथा महासचिव रोहित कुमार ने प्रस्तावित संशोधन का एक स्वर में विरोध किया। वक्ताओं ने कहा कि इस संशोधन से विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता प्रभावित होगी और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से आए शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए पटना विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में भी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि संशोधित बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम को पारित नहीं होने दिया जाएगा तथा विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता की रक्षा के लिए संयुक्त संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में मगध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व मुटा के अध्यक्ष अंजनी कुमार, गया कॉलेज शिक्षक संघ के सचिव डॉ. आनंद कुमार, जगजीवन कॉलेज शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. संगीता कुमारी, संयुक्त सचिव डॉ. राजीव रंजन, गया कॉलेज के प्रक्षेत्रीय मंत्री संतोष कुमार सिंह, प्रक्षेत्रीय संरक्षक विनेश कुमार सिंह तथा गया कॉलेज के शिक्षकेतर कर्मचारी राहुल कुमार ने किया। सभी प्रतिनिधियों ने प्रस्तावित संशोधन का विरोध करते हुए आंदोलन को व्यापक बनाने का समर्थन किया।

बिहार में बिजली उपकरणों की चोरी पर सख्ती, लापरवाही पर अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में विद्युत अवसंरचना की सुरक्षा और बिजली उपकरणों की चोरी एवं क्षति की बढ़ती घटनाओं को लेकर ऊर्जा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद ऊर्जा सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को विद्युत परिसंपत्तियों की सतत निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा में पाया गया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली के तार, वितरण ट्रांसफॉर्मर, मीटर और अन्य विद्युत उपकरणों की चोरी तथा क्षति की घटनाएं बढ़ी हैं। इससे बिजली कंपनियों को आर्थिक नुकसान होने के साथ उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। अजय यादव ने सभी विद्युत संरचनाओं, ग्रिड उपकेंद्रों, विद्युत उपकेंद्रों, फीडरों और अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर चोरी और क्षति की घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी प्रमंडल, अवर प्रमंडल, ग्रिड उपकेंद्र या विद्युत शक्ति उपकेंद्र के क्षेत्र में चोरी या क्षति की रोकथाम में लापरवाही पाई गई तो संबंधित विद्युत कार्यपालक अभियंता, सहायक विद्युत अभियंता, कनीय विद्युत अभियंता और अन्य कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पटना में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का रोड शो

प्रमोद सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पटना के बाकीपुर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो आयोजित किया गया। रोड शो भट्टाचार्य रोड से शुरू होकर उमा सिनेमा हॉल, बुद्ध मूर्ति, कदमकुआं, बेडिंग जोन, नाला रोड चौराहा, रूपक सिनेमा और उद्योग भवन होते हुए मोना सिनेमा के समीप आयोजित जनसभा में समाप्त हुआ। रोड शो में भाजपा ओबीसी मोर्चा, बिहार के अध्यक्ष तथा भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में दो हजार से अधिक ओबीसी मोर्चा और अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी तथा एनडीए के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे। प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने दावा किया कि रोड शो में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही और जनता का समर्थन एनडीए के पक्ष में दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा को रिकॉर्ड मतों से जीत मिलने का विश्वास है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली बिहार सरकार के विकास कार्यों का असर जनता के उत्साह में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को होने वाले मतदान में बाकीपुर की जनता अपना समर्थन रिकॉर्ड मतों के माध्यम से देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि चंद्रवंशी समाज, अति पिछड़ा समाज, वैश्य समाज तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। रोड शो के बाद प्रमोद सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में गौरिया मठ, मीठापुर और जक्कनपुर क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान मतदाताओं से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। कार्यक्रम में देवेंद्र सिंह, विपिन मंडल चंद्रवंशी, विकास कुमार गुप्ता, मुकेश मंडल, बिरेंद्र चंद्रवंशी, मुकेश पटेल, चितरंजन महतो, संजय गुप्ता, उमेश चंद्रवंशी, संजय निषाद, प्रदीप निषाद, अभय सिंह चंद्रवंशी, इंदल कुमार, मधेश्वर चंद्रवंशी, डॉ. चंद्रभूषण चंद्रवंशी, रिंटू पटेल, अनीता देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और महिलाएं उपस्थित रहीं।

बिहार विधान सभा सचिवालय में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, कर्मचारियों और आश्रितों ने उठाया लाभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा सचिवालय परिसर में रविवार को नेत्रवेदम आई हॉस्पिटल, कंकड़बाग के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिवालय के पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों की आंखों की जांच की गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते स्क्रीन टाइम और मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से आंखों पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही बदलती जीवनशैली, असंतुलित खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता और अनिद्रा के कारण दृष्टिदोष, ग्लूकोमा और मोतियाबिंद जैसे गंभीर नेत्र रोग सामान्य होते जा रहे हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि नियमित नेत्र जांच न केवल आंखों की रोशनी को सुरक्षित रखने में सहायक होती है, बल्कि कई छिपी हुई बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान कर समय पर उपचार का अवसर भी उपलब्ध कराती है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की आंखों की नियमित जांच पर जोर देते हुए कहा कि समय पर जांच होने से उनकी पढ़ाई और देखने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि यह संतोष का विषय है कि इस शिविर के माध्यम से बिहार विधान सभा सचिवालय के पदाधिकारियों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं का लाभ मिला। उन्होंने ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य और कार्यक्षमता के लिए उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पीएम सूर्य घर और मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना की समीक्षा, समयबद्ध लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (यूएलए मॉडल) और मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में ऊर्जा सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव ने दोनों योजनाओं की जिला-वार प्रगति की जानकारी दी। अजय यादव ने बताया कि यूएलए मॉडल के तहत पात्र लाभार्थियों का सत्यापन, रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना, गुणवत्ता नियंत्रण तथा कार्यों की निगरानी मुख्यालय स्तर से लगातार की जा रही है। उन्होंने सभी जिलों में कार्यों में तेजी लाने, निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्य पूरा करने और फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने पर बल दिया। प्रत्यय अमृत ने निर्देश दिया कि यूएलए मॉडल के अंतर्गत पात्र कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं का शीघ्र सत्यापन कर अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिया जाए। उन्होंने कहा कि सभी निर्धारित लक्ष्य हर हाल में समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। बैठक में उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार, दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल, सभी जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी शामिल हुए। इसी क्रम में ऊर्जा विभाग ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और यूएलए मॉडल के तहत कार्यरत वेंडरों के साथ अलग से समीक्षा बैठक की। अजय यादव ने वेंडरों को निर्देश दिया कि 100 दिवसीय लक्ष्य के अनुरूप प्रतिदिन निर्धारित संख्या में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करें और दैनिक प्रगति रिपोर्ट संबंधित डिस्कॉम को उपलब्ध कराएं। ऊर्जा सचिव ने लक्ष्य से पीछे चल रहे वेंडरों को कार्य में तेजी लाने की चेतावनी देते हुए कहा कि अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन उपलब्धियों की समीक्षा कर प्रदर्शन के आधार पर वेंडरों की जवाबदेही तय की जाएगी, ताकि राज्य में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना समय पर पूरी हो और अधिकाधिक उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ मिल सके।

बीडी कॉलेज : इंडक्शन मीट में उपस्थिति, अनुशासन पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बीडी कॉलेज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग द्वारा स्नातक के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए सोमवार को इंडक्शन मीट हुआ। मुख्य अतिथि और प्राचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद ने विद्यार्थियों को नियमित उपस्थिति, अनुशासन और समयबद्धता का पाठ पढ़ाते हुए उच्च शिक्षा को व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाने की बात कही। मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की क्रेडिट प्रणाली और सतत मूल्यांकन की जानकारी दी। प्राचीन इतिहास की विभागाध्यक्ष नीतू तिवारी ने विभाग की शैक्षणिक परंपरा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विषय में पुरातत्व, संग्रहालय, अभिलेखागार, विरासत संरक्षण, पर्यटन, अकादमिक, शोध संस्थानों व प्रतियोगी परीक्षाओं में उपलब्ध रोजगार की जानकारी दी।

विधायक आवास परिसर में बनेगा आधुनिक स्पोर्ट्स क्लब

विधायकों के परिवार और बच्चों के लिए भी होंगी खेल सुविधाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में वीरचंद पटेल पथ स्थित नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर में स्पोर्ट्स क्लब और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में भवन निर्माण विभाग, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग और विधान सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में निर्माणाधीन स्पोर्ट्स क्लब की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भवन निर्माण विभाग के मुख्य वास्तुविद ने बताया कि क्लब में तीन बैडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस, पैडल बॉल, पिकल बॉल, योग एवं ध्यान केंद्र तथा जिम की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा एक लाउंज का भी निर्माण किया जाएगा जिसमें बिलियर्ड्स टेबल स्थापित की जाएगी। डॉ. प्रेम कुमार ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। बैठक के दौरान खेल विभाग के सचिव ने सुझाव दिया कि 40 वर्ष से अधिक आयु के विधायकों की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए स्पोर्ट्स क्लब में पिलाटेस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि अधिक आयु के सदस्यों के लिए शारीरिक फिटनेस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। डॉ. प्रेम कुमार ने इस सुझाव को भी मंजूरी देते हुए निर्देश दिया कि विधायक आवास परिसर में सदस्यों के परिवार और बच्चों के लिए भी खेलकूद की आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं। बैठक में खेल विभाग के सचिव, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक, भवन निर्माण विभाग के मुख्य वास्तुविद तथा बिहार विधान सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टिकट चेकिंग अभियान में 252 बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्री पकड़े गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल उचित टिकट/प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर निरंतर सजग व कार्यरत है। इस संबंध में बिना टिकट/उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने के विरुद्ध दानापुर मंडल में निरंतर टिकट चेकिंग कार्य सघनतापूर्वक कराया जा रहा है। इसी क्रम में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक दानापुर के निर्देशनुसार दानापुर मंडल के पटना-गया रेलखंड के तारेगना स्टेशन पर वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ की एक विशेष टिकट चेकिंग टीम बनाकर एक विशेष टिकट चेकिंग स्पेशल ट्रेन (लाल गाड़ी) के साथ सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान इस स्टेशन से गुजरने वाली लगभग सभी ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव लेकर प्रमुखता से चेक किया गया। इस विशेष लाल गाड़ी टिकट चेकिंग अभियान में 252 बिना टिकट/अनियमित टिकट वाले यात्रियों से जुर्माने के रूप में 124265/- रुपए रेल राजस्व अर्जित किया गया। इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के परिणामस्वरूप पटना-गया रेलखंड के सभी स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर यात्रियों की बढी हुई भीड़ देखी गई और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के प्रति जागरूक हुए हैं।

करोड़ों का टैक्स प्रशांत किशोर उत्तरप्रदेश में भरते हैं और बात करते हैं बिहार की : ऋतुराज सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने आज बांकीपुर चुनाव प्रचार के संदर्भ में आयोजित जनसभा में जन सुराज के मुख्य सूत्रधार प्रशांत किशोर पर बड़ा राजनीतिक हमला बोला और उनकी नीयत पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति खुद को बिहार का हितैषी, नीति नियंता और माटी का लाल बताता है, उसकी असल आर्थिक निष्ठा और योगदान बिहार के बजाय दूसरे राज्यों के साथ है। प्रशांत किशोर अपनी कंपनियों का करोड़ों रुपये का टैक्स उत्तर प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों में जमा करते हैं। वे वित्तीय लाभ बाहरी राज्यों को पहुंचाते हैं, लेकिन राजनीतिक रोटियां सेकने और जनता को गुमराह करने के लिए उन्हें सिर्फ चुनाव के वक्त बिहार की याद आती है जब वे बिहार के खजाने में एक रुपया भी टैक्स नहीं देते तो उन्हें बिहार के विकास, शिक्षा या रोजगार पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर का यह पूरा अभियान पूरी तरह से प्रायोजित और राज्य की जनता के साथ एक बड़ा छलावा है। वे केवल एक राजनीतिक प्रयोग करने और समाज में भ्रम फैलाने के उद्देश्य से बिहार में सक्रिय हैं। बिहार की जनता अब जागरूक हो चुकी है और वह काम करने वालों तथा केवल चुनावी सलाहकार के बीच का अंतर को अच्छी तरह समझती है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने दिन-रात मेहनत करके बिहार को बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकाला है जबकि प्रशांत किशोर जैसे लोग केवल बयानबाजी कर राज्य की छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सीधी चुनौती देते हुए कहा कि प्रशांत किशोर बिहार की जनता को धोखा देना बंद करें और पहले सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करें कि उनका वित्तीय और व्यापारिक लगाव उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से क्यों है। बिहार की स्वाभिमानी जनता ऐसे बाहरी और व्यापारिक राजनीति करने वाले चेहरों को कभी स्वीकार नहीं करेगी जिनके हित कहीं और और बातें कहीं और की होती हैं।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने डीजीपी को लिखा पत्र

गिरफ्तार छात्रों की रिहाई और हमलावरों पर कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने आज बिहार के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर छात्र आंदोलन के दौरान हो रहे पुलिसिया दमन तथा सदाकत आश्रम स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हुए हमले के बावजूद अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। राजेश राम ने अपने पत्र में कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों को पुलिस द्वारा जबरन मुकदमों में फंसाकर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सभी गिरफ्तार छात्रों को अविलंब एवं बिना शर्त रिहा किया जाए। साथ ही आंदोलन में अपनी आवाज उठाने वाले विभिन्न राजनीतिक दलों के गिरफ्तार छात्र नेताओं की भी तत्काल रिहाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र, युवा, कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के घरों पर प्रतिदिन पुलिस द्वारा छापेमारी कर भय का माहौल बनाया जा रहा है। इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए उन्होंने इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

50 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने की सरकार की योजना स्वागत योग्य

चार माह से बंद केवाइपी केंद्रों पर चुप्पी चिंता का विषय : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/वैशाली। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली ने बिहार सरकार द्वारा आगामी पांच वर्षों में 16 सरकारी विभागों के माध्यम से 50 लाख युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने की महत्वाकांक्षी योजना का स्वागत किया है। सोसाइटी का कहना है कि यह पहल बिहार के युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि इस महत्वपूर्ण घोषणा के बावजूद पिछले चार माह से बंद पड़े कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के भविष्य को लेकर सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की गई है। राज्यभर के हजारों छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षकों, केंद्र संचालकों एवं कर्मचारियों में इस विषय को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है और सभी सरकार के स्पष्ट निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष एवं कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के निदेशक डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि बिहार सरकार का 50 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का संकल्प निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पहले से स्थापित केवाईपी केंद्रों की भागीदारी के बिना प्रभावी ढंग से प्राप्त करना कठिन होगा। राज्यभर में आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित केवाईपी केंद्र, प्रशिक्षित मानव संसाधन तथा आवश्यक प्रशिक्षण अवसंरचना पहले से उपलब्ध है। इसके बावजूद इन केंद्रों का पिछले चार माह से बंद रहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

ऑटो से युवक का शव मिला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रूपसपुर आरओबी के नीचे कई दिनों से खड़े एक ऑटो से 40 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया है। हालांकि उसकी पहचान नहीं हुई है। शव से बदबू आने पर आसपास के लोगों को आभास हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव चार-पांच दिन पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। उसने फुल बांह की उजले रंग की टी-शर्ट और काला पैंट पहन रखा था। उसकी काले रंग की हवाई चप्पल सीट के नीचे मिली। लोगों ने बताया कि खराब ऑटो कई महीनों से वहां खड़ा था। ऐसे में आशंका है कि शव को कहीं और से लाकर ऑटो में रखा गया होगा।

राजद-कांग्रेस को झटका, पूर्व सांसद से लेकर वरिष्ठ अधिवक्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने ली भाजपा की सदस्यता

मोदी और सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर बढ़ा भरोसा, विपक्ष में भगदड़ की स्थिति : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े कई प्रमुख नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी नए सदस्यों का पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में सीतामढ़ी के पूर्व सांसद डॉ. अर्जुन राय, कांग्रेस के सुरसंड विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी एवं सीतामढ़ी के पूर्व लोक अभियोजक विमल शुक्ला, औराई प्रमुख साकेत सुमन, रूनी सैदपुर से कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी मोनी गुप्ता, गया के वार्ड पार्षद मनोज कुमार गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष गिरी, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विकास एन. भारती अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता एवं बांकीपुर विधानसभा से प्रत्याशी रहे सिकंदर कुमार कुशवाहा (जिन्होंने भाजपा प्रत्याशी नीरज सिन्हा के समर्थन की घोषणा की), कुढ़नी विधानसभा के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी अशोक कुमार गुप्ता, पूर्व मेयर प्रत्याशी कुसुम लता वर्मा, पैक्स अध्यक्ष सुधीर प्रसाद भी आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इनके साथ बड़ी संख्या में समर्थकों ने भी भाजपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की लोकप्रियता के कारण अन्य दलों में लगातार भगदड़ मची हुई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न दलों के अच्छे और समर्पित कार्यकर्ताओं को अब वहां घुटन महसूस हो रही है, इसलिए वे भाजपा की विचारधारा पर विश्वास जताते हुए पार्टी से जुड़ रहे हैं।

संपादकीय

नीट आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई ने खड़े किए बड़े सवाल ?

नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए?एक लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने के नाते अगर लोग सरकार की किसी कमजोरी पर सवाल उठाते हैं या अपने असंतोष को जाहिर करते हैं, तो क्या उन्हें चुप कराने के लिए पुलिस की बेलगाम सख्ती का सहारा लेने को उचित ठहराया जा सकता है? यह सवाल नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मुद्दे पर खड़े हुए आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पुलिस के रवैये के सामने आने के बाद उठा है, जिसमें यह विचार करने की जरूरत तक नहीं समझी गई कि क्या प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग आखिरी विकल्प था।अव्वल तो आंदोलनकारियों से संवाद के तकाजे को तरजीह नहीं दी गई। उसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वालों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, छात्र-छात्राओं की पिटाई की गई, उससे सरकार की मंशा और लोकतंत्र के प्रति उसके दायित्वों पर गहरे सवाल उठे हैं। इसी मुद्दे पर और जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ मुंबई में हुए एक प्रदर्शन के दौरान कुछ विद्यार्थियों को एक पुलिसकर्मी ने आपत्तिजनक और गैरकानूनी तरीके से धमकी दी कि घर चले जाओ, नहीं तो जेब में 'पाउडर' डाल देंगे और फिर जिंदगी भर परेशान रहोगे।सवाल है कि एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने भर के लिए विद्यार्थियों या किसी भी व्यक्ति को पुलिस ऐसी धमकी देती है, तो उसे कैसे देखा जाएगा? क्या यह एक ऐसी हरकत नहीं है, जिसकी आखिरी चोट कानून के शासन पर ही पड़ेगी? खासतौर पर जब कानून की रक्षा का दायित्व निभाने वाला एक व्यक्ति ही बेहिचक गैरकानूनी धमकी दे रहा हो, तो इसके बाद किससे उम्मीद की जाएगी?संभव है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकस रहना पुलिस की जिम्मेदारी के तहत जरूरी है, लेकिन अगर किसी पुलिसकर्मी की हरकत की वजह से ही कानून का शासन भंग होता हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा? नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए? इसी तरह कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों के हंगामे और पुलिसकर्मियों पर हमले को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।इस क्रम में एक गंभीर सवाल यह उठा है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों पर लाठी चलाने वालों में पुलिसकर्मियों के अलावा ऐसे लोग कौन थे, जिनके पुलिस होने की कोई पहचान नहीं थी। उनमें से कई साधारण लोगों की तरह थे, तो कई की वर्दी पर उनकी नामपट्टी नहीं थी।

विदेशी शक्तियों और भितरघातियों की जुगलबंदी विफल

जंतर-मंतर का घटनाक्रम कोई अचानक हुआ आंदोलन नहीं था बल्कि इसके पीछे वही वैश्विक टूलकिट इकोसिस्टम सक्रिय था जिसका भंडाफोड़ सन् 2021 के कृषक आंदोलन के समय पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन जैसे कनाडा आधारित संगठनों की भूमिका के दौरान हुआ था। सन् 2019-2020 के हांगकांग प्रदर्शनों में चीन विरोधी अभियानों के लिए ऐसा ही दृश्य सामने आया था। सन् 2020 के दिल्ली दंगों तथा शाहीन बाग प्रदर्शनों में भीड़ जुटाने के लिए भी ऐसे ही प्रयास किये गये थे जिन्हें जंतर-मंतर पर पुनः दोहराया गया। इस बार पारंपरिक सोशल मीडिया पर एजेंसियों की कड़ी निगरानी को मात देने के लिए सुनियोजित योजना के तहत बिटचैट, ब्रिजफाई और ब्रायर जैसे मेश-नेटवर्किंग और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स का सहारा लिया।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

लोकतंत्र में असहमति और शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिक अधिकारों का मूल आधार होता है परन्तु जब असहमति की आड़ में विदेशी धन, अत्याधुनिक तकनीक और राष्ट्रविरोधी तत्वों का एक अतिआधुनिक ताना-बाना तैयार कर देश की संप्रभुता को चुनौती दी जाए तब यह विरोध नहीं बल्कि एक सुनियोजित छद्म-युद्ध बन जाता है। देश की राजधानी के जंतर-मंतर पर घटित हालिया घटनाक्रम इसी खतरनाक वैश्विक और आंतरिक जुगलबंदी का एक नया रूप था। इतिहास गवाह हैं कि विगत कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक व सामरिक प्रगति को बाधित करने के लिए ऐसी ही वैश्विक साजिशें बार-बार रची गई हैं परन्तु सुरक्षा एजेंसियों के अभेद्य समन्वय और सरकार की दूरदर्शी रणनीति ने इस चक्रव्यूह को एक बार फिर ध्वस्त कर दिया। जंतर-मंतर का घटनाक्रम कोई अचानक हुआ आंदोलन नहीं था बल्कि इसके पीछे वही वैश्विक टूलकिट इकोसिस्टम सक्रिय था जिसका भंडाफोड़ सन् 2021 के कृषक आंदोलन के समय पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन जैसे कनाडा आधारित संगठनों की भूमिका के दौरान हुआ था। सन् 2019-2020 के हांगकांग प्रदर्शनों में चीन विरोधी अभियानों के लिए ऐसा ही दृश्य सामने आया था। सन् 2020 के दिल्ली दंगों तथा शाहीन बाग प्रदर्शनों में भीड़ जुटाने के लिए भी ऐसे ही प्रयास किये गये थे जिन्हें जंतर-मंतर पर पुनः दोहराया गया। इस बार पारंपरिक सोशल मीडिया पर एजेंसियों की कड़ी निगरानी को मात देने के लिए सुनियोजित योजना के तहत बिटचैट, ब्रिजफाई और ब्रायर जैसे मेश-नेटवर्किंग और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स का सहारा लिया। ये ऐप्स बिना इंटरनेट कनेक्शन के केवल वाई-फाई और ब्लूटूथ के पीयर-टू-पीयर नेटवर्क पर काम करते हैं। इसका इस्तेमाल सन् 2019 के म्यांमार आंदोलन और बेलारूस के विरोध प्रदर्शनों में गोपनीय संदेश भेजने के लिए किया गया था। जंतर-मंतर पर भी इसी तकनीक के जरिए सीमापार के आकाओं द्वारा देश के अलग-अलग कोनों से आए असामाजिक तत्वों और स्लीपर सेल्स को रीयल-टाइम निर्देश दिए जा रहे थे। दिल्ली पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि हालिया प्रदर्शनों के दौरान भ्रम और फर्जी खबरें फैलाने वाले कई सोशल मीडिया अकाउंट्स वही थे जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी भारत विरोधी और भ्रामक जानकारी फैलाने में सक्रिय थे। गृह मंत्रालय और केंद्रीय जांच एजेंसियों के अनुसार विगत पांच वर्षों में भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम यानी एफसीआरए के नियमों के उल्लंघन के कारण 6,000 से अधिक संदिग्ध एनजीओ और वैश्विक थिंक-टैंक के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इसके बावजूद हवाला नेटवर्क और शेल कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि भारत के भीतर अस्थिरता फैलाने के लिए लगातार झोंकी जा रही है। प्राथमिक जांच आख्या में स्पष्ट हुआ है कि जंतर-मंतर पर अराजकता फैलाने के लिए विदेशी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा शेल कंपनियों के माध्यम से जुटाया गया। इससे भी अधिक चिन्ता का विषय यह है कि इस तंत्र में सीमापार के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के डिजिटल विंग आतंकी जैसे संगठनों ने भी अपनी घुसपैठ बना ली थी। यह वही खतरनाक नेटवर्क है जिसने सन् 1993 के मुंबई बम धमाकों से लेकर सन् 2008 के 26/11 के हमलों को अंजाम दिया था। विगत कई वर्षों से से कश्मीर में अतिआधुनिक आतंकवाद को बढ़ावा देने में भी इन्हीं संगठनों का हाथ रहा है। जंतर-मंतर प्रदर्शन की आड़ में देशव्यापी सांप्रदायिक दंगे भड़काना, सरकार को पंगु बनाना तथा बांग्लादेश-नेपाल की तरह ही तख्ता पलट करना था। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक और वैचारिक खाद-पानी देने के लिए वही चेहरे निरंतर जंतर-मंतर पर मौजूद रहे जो 26 जनवरी 2021 को लाल किले पर हुई हिंसक घटनाओं और भीमा कोरेगांव मामले से जुड़े अर्बन नक्सल नेटवर्क का हिस्सा थे। सत्ता की लिप्सा में अंधे कुछ राजनीतिक घटकों और असामाजिक-माफिया तत्वों ने इन देशविरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष संरक्षण प्रदान किया। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त इन तत्वों का इतिहास हमेशा से राष्ट्रहित के विरोध में खड़ा होने का रहा है चाहे वह कश्मीर में धारा 370 के उन्मूलन का विरोध हो या फिर नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए के खिलाफ झूठा भ्रम फैलाकर हिंसा भड़काना। सन् 2020 में शाहीन बाग और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों में स्थानीय स्लीपर सेल्स, भड़काऊ भाषणों और हवाला फंडिंग के माध्यम से सांप्रदायिक तनाव पैदा किया गया था जिस पर सुरक्षा एजेंसियों ने एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर वित्तीय रीढ़ तोड़ी थी। सन् 2021 के गणतंत्र दिवस पर लाल किला हिंसा के दौरान भ्रामक टूलकिट और सोशल मीडिया अफवाहों का सहारा लेकर ऐतिहासिक स्मारकों और राष्ट्रीय गरिमा पर प्रहार किया गया था जो फॉरेंसिक जांच और मुख्य साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी से बेनकाब हो चुका है। जंतर-मंतर का हालिया उपद्रव भी इसी श्रृंखला की अगली कड़ी थी जहां इंटरनेट रहित मेश-नेटवर्किंग ऐप्स और विदेशी फंडिंग के जरिए राष्ट्रीय प्रतीक क्षेत्र को निशाना बनाने की साजिश रची गई। हालिया घटनाक्रम पर नजर डालें तो काकरोच का जन्म अमेरिका की धरती से हुआ। डीप स्टेट ने साइबर दिग्गजों और नेटवर्किंग माफियों के साथ मिलकर विश्व में महात्वपूर्ण स्थान की ओर बढते भारत के विरुद्ध षडयंत्र रचा। आतंकी संगठनों, विपक्षी दलों के संरक्षण प्राप्त अपराधियों, राष्ट्रद्रोही स्लीपर सेल, भितरघातियों सहित कट्टरपंथियों को सक्रिय किया गया। आंदोलन की शुरूआत में चन्द लोगों के साथ पूर्व आप पदाधिकारी अभिजीत भगवान दीपके को अचानक भारी समर्थन मिलने लगा। मंच से राष्ट्रविरोधी नारे लगाये गये। सनातन को गालियां दी गईं। धारा 370 का इकबाल बुलंद किया गया। एक सम्प्रदाय विशेष का यशगान किया गया। भारी पथराव और पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमले किये गये। कुख्यात अपराधी, खतरनाक आरोपी, असामाजिक तत्वों की जमावडा बनता चला गया। षडयंत्र के तहत राजधानी के साथ-साथ देश के विभिन्न शहरों को भी अराजकता की आग में झौंकने हेतु मुंह पर कपडा बांधकर जमातें पहुंचने लगीं। गालियां देने की तो प्रतियोगिता ही देखने को मिली। जातिवादी उन्माद फैलाया गया। साम्प्रदायिकता को उभारा गया। दलगत एजेन्डे सामने आये। टुकडे-टुकडे गैंग सक्रिय रही। धमकियों की बाढ आ गई। संसद उखाड देंगे, नीतियां संसद से नहीं सडकों से बनेंगी, नेपाल-बांग्लादेश बना देंगे, तिलक-तराजू और तलवार जैसे मुद्दों को हवा दी गई। नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा प्रणाली में सुधार के नाम पर तोडफोड, आगजनी और आपराधिक कृत्य होते चले गये। वास्तविकता तो यह है कि भारत का विश्व मंच पर निरंतर ऊंचा होते कद, वैश्विक संकट के दौरान देश की आपूर्ति श्रंखला के मजबूत रहने और संसद के वर्तमान सत्र में लाये जाने वाले आयकर (संशोधन) विधेयक, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक जैसे अनेक बिलों को रोकने हेतु विदेशी आकाओं के इशारे पर इस राष्ट्रद्रोही षडयंत्र को अमली जामा सडक पर पहनाया गया किन्तु अभी सदन के अन्दर भी असंवैधानिक हरकतें देखने को मिलना बाकी है। 21वीं सदी में भारत के खिलाफ लड़े जा रहे इस पांचवीं पीढ़ी के युद्ध का मुकाबला केवल पारंपरिक पुलिस बल से नहीं बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति और तकनीकी श्रेष्ठता से ही किया जा सकता है। सरकार के इस कदम ने न केवल एक बड़े राष्ट्रीय संकट को टाला दिया है बल्कि दुनिया को संदेश दे दिया कि भारत अपनी संप्रभुता से समझौता करने वाले किसी भी आंतरिक या बाहरी भितरघाती को बख्शने वाला नहीं है। ऐसे में आम आवाम को स्वयं समूचे घटनाक्रम का वास्तविक विश्लेषण करना होगा जिसमें काट-छांट कर बनाये गये वीडियो, भ्रामक संदेश और अपुष्ट समाचारों को तिलांजलि और शब्दों का मर्म, भाषा की प्रस्तुतिकरण, हावभाव का अंदाज और उपस्थित लोगों के चेहरों पर गौर करना नितांत आवश्यक होगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

'त्याग और शुचिता का नया माडल' देश की जीडीपी को कितना ऊपर ले जा पाएगा?

(प्रमोद कुमार बाजपेई)

सरकार का मानना है कि जो किसान दशकों से महंगे यूरिया और आयातित कीटनाशकों के सहारे फसल उगा रहे हैं, वे अचानक से जैविक खेती की ओर रुख कर लेंगे, जिससे रसायनिक उर्वरकों के आयात का खर्चा भी कम हो जाएगा।

कुछ समय पहले भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर था, मगर अब वह पिछड़ कर छठे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, जापान और ब्रिटेन ने अपनी स्थिति पुन÷ हासिल कर ली है। कुछ आर्थिक विशेषज्ञ इसके लिए डालर के मुकाबले गिरते रुपए को प्रमुख कारण मान रहे हैं।

भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,813 अमेरिकी डालर है, जबकि चीन की प्रति व्यक्ति आय 14,874 अमेरिकी डालर है, जो भारत की प्रति व्यक्ति आय की लगभग पांच गुना है। यह स्थिति तब है, जब भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग साढ़े छह फीसद बनी हुई है।

चालू वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में ही विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए, जो पिछले पूरे साल के 1.7 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड से कहीं अधिक है। शेयर बाजार की इस उथल-पुथल से हर कोई हैरान है।

एक समय था जब 'म्युचुअल फंड सही है' पर जोर दिया जाता था, लेकिन अब एसोसिएशन आफ म्यूच्युल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों से एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। देसी और विदेशी निवेशकों का भरोसा इस कदर डगमगा रहा है कि बड़े पैमाने पर खाते बंद हो रहे हैं। 'सिप बंद' करने का अनुपात बढ़ कर मार्च और अप्रैल में सौ फीसद से ऊपर चला गया था, जिसका अर्थ है कि नई शुरू होने वाली सिप से ज्यादा पुरानी सिप बंद या 'मैच्योर' होने पर उससे पैसा निकाल लिया गया।

उदाहरण के लिए, अप्रैल में 50.71 लाख नए सिप पंजीकृत हुए, जबकि 51.29 लाख खाते बंद हुए। मई में भी यह अनुपात 95 फीसद के करीब रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा कमजोर हुआ है।

ऐसे में सवाल है कि जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से अपने हाथ खींच रहे हैं और रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले ऐतिहासिक गिरावट दर्ज कर रहा हो, तो आखिर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत कैसे होगा? इसी दबाव के बीच सरकार की ओर से देशवासियों को सोने की चमक से दूर रहने की नसीहत दी जा रही है। वैसे आंकड़ों पर नजर डालें, तो इस वित्त वर्ष में भारत का सोना आयात बिल बढ़कर रिकार्ड 72.4 बिलियन डालर पर पहुंच गया, जो देश के कुल आयात का नौ फीसद से ज्यादा है। सरकार ने व्यापार घाटे और विदेशी मुद्रा के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सोने पर प्रभावी आयात शुल्क छह फीसद से बढ़ाकर पंद्रह फीसद (जीएसटी सहित कुल प्रभावी कर 18.4 फीसद) कर दिया है।

जबकि लोगों को सुझाव दिया जा रहा है कि एक साल तक सोना न खरीदें। बढ़ती कीमतों के कारण सोने के आयात में मात्रा के हिसाब से लगभग 70 फीसद तक की गिरावट के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके दामों में भारी बढ़ोतरी के कारण पिछले साल के मुकाबले इस बार विदेशी मुद्रा के भुगतान में करीब चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। अब बात आती है पेट्रोल और डीजल की, जिसे फूंक-फूंक कर इस्तेमाल करने की चेतावनी दी जा रही है।

शायद नीति-निर्माताओं को लगता है कि आम आदमी के घर से बाहर कम निकलने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के कारोबारियों को सदमा लगेगा और वे कच्चे तेल के दाम कम कर देंगे।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत के व्यापार घाटे का आंकड़ा 333.2 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है। ऐसे में सरकार का मानना है कि अगर कोरोनाकाल की तरह 'घर से काम' करने की व्यवस्था को फिर से अपनाया जाए, साझा वाहनों का इस्तेमाल किया जाए या साइकिल से चलने को बढ़ावा दिया जाए, तो पेट्रोल का खर्च बचेगा और देश का विदेशी मुद्रा भंडार संभल जाएगा। मगर, व्यावहारिक तौर पर इसका कितना असर होगा, इसका कोई आकलन अभी तक नहीं किया गया है।

भारत अपने कुल आयात का पच्चीस से तीस फीसद हिस्सा केवल कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर खर्च करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के कुल व्यापार घाटे में कच्चे तेल और ईंधन के आयात का शुद्ध योगदान लगभग चालीस से पैंतालीस फीसद के बीच रहा है। वर्ष 2026 के हालिया महीनों में पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनावों और होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। सरकार की ओर से जनता से यह अपील की जा रही है कि भोजन पकाने के तेल की बचत की जाए, ताकि विदेश से आयात होने वाले पाम तेल और अन्य खाद्य तेलों के खर्चे को कम किया जा सके। ऐसा लगता है कि अब रसोई में 'तड़का'लगाने के लिए भी देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार से राय लेनी पड़ेगी।

संघर्ष ही सफलता की असली कहानी, मंजिल नहीं, सफर को समझने की जरूरत

जीवन में मेहनत के बिना कहीं कोई परिणाम नहीं होते। यहां चमत्कार एक लंबी प्रक्रिया में आकार लेते हैं। अपने सोचे हुए को हासिल कर लेना, उसे घटित होते हुए देखना ही दुनिया में सबसे बड़ा चमत्कार है। ऐसे चमत्कारों तक पहुंचने में लंबा वक्त, अथक मेहनत और संघर्ष लगता है। इन चमत्कारों को घटित करने के लिए जरूरी है कि मनुष्य कोशिश करता रहे। उसे कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिए। उस वक्त भी नहीं, जब उसे लगे कि अब झुक जाना चाहिए, क्योंकि झुककर भी उसे कुछ हाथ नहीं आता। जीवन के अंत तक अफसोस रखने से अच्छा है कि हम अंत तक प्रयास करें। प्रयास करते रहने से मनुष्य अपने सोचे हुए से भी अधिक परिणाम प्राप्त कर सकता है, शर्त बस यही है कि वह कोशिशों के बीच अपने अहं को न लाए।

(मोनिका भाम्भू कलाना)

जीवन एक ऐसा संग्राम है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने हिस्से का संघर्ष करना पड़ता है। किसी के संघर्ष बाहरी दुनिया में होते हैं और किसी के अपनी भीतरी दुनिया में। दूसरे के दर्द और संघर्ष हमें दिखाई नहीं देते। हम उनके केवल परिणाम ही देख सकते हैं। इसीलिए अपना संघर्ष कभी न खत्म होने वाली नाउम्मीदी जैसा लगता है, लेकिन दूसरे का नहीं। कोई भी परिणाम एक लंबी यात्रा और द्वंद्व का आखिरी पड़ाव होता है। वह एकदम घटित नहीं होता। उसके पीछे कठिन मेहनत, इच्छाशक्ति और कुछ करने की दृढ़ता छिपी रहती है।

जब हम सफलताओं के पीछे के वास्तविक संघर्ष से वाकिफ नहीं होते, तब सफलताएं किसी लंबी यात्रा का आखिरी सिरा नहीं लगकर चमत्कार सरीखी लगती हैं। आजकल के उपभोक्तावादी युग में, जब परिणामों को विज्ञापनों के माध्यम से भुनाना होता है, तो उन्हें उनके संदर्भों से काटकर प्रस्तुत किया जाता है। इससे वे वास्तविकता से अलग होकर थोड़े-से समय में हासिल की गई उपलब्धि लगने लगते हैं। वे रोमांचित करते हैं और थोड़ी-सी कोशिश से ही कुछ भी संभव कर लेने का भ्रम पैदा करते हैं।

जीवन में मेहनत के बिना कहीं कोई परिणाम नहीं होते। यहां चमत्कार एक लंबी प्रक्रिया में आकार लेते हैं। अपने सोचे हुए को हासिल कर लेना, उसे घटित होते हुए देखना ही दुनिया में सबसे बड़ा चमत्कार है। ऐसे चमत्कारों तक पहुंचने में लंबा वक्त, अथक मेहनत और संघर्ष लगता है। इन चमत्कारों को घटित करने के लिए जरूरी है कि मनुष्य कोशिश करता रहे। उसे कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिए। उस वक्त भी नहीं, जब उसे लगे कि अब झुक जाना चाहिए, क्योंकि झुककर भी उसे कुछ हाथ नहीं आता। जीवन के अंत तक अफसोस रखने से अच्छा है कि हम अंत तक प्रयास करें। प्रयास करते रहने से मनुष्य अपने सोचे हुए से भी अधिक परिणाम प्राप्त कर सकता है, शर्त बस यही है कि वह कोशिशों के बीच अपने अहं को न लाए।

इतिहास के कई उदाहरणों में हम देखते हैं कि कोशिशें करते रहने से व्यक्ति अपनी अपेक्षाओं को ही नहीं, इंसानी सीमाओं को भी पार करने में सफल हुआ है। दरअसल, मनुष्य की क्षमताओं की सीमा तो है, लेकिन अंत नहीं। ये सीमाएं विस्तृत होती रहती हैं और इन्हें मनुष्य स्वयं अपने लिए विस्तृत करता है। चीजों और स्थितियों से गुजरकर ही मनुष्य न केवल उनका सत्य, बल्कि स्वयं का सत्य भी पहचानने की क्षमता अर्जित कर लेता है। किसी भी कार्य का परिणाम वही नहीं होता, जो सबको दिखता है। वास्तविक परिणाम वह बदलाव और सोच होती है, जो किसी कार्य को करने के दौरान विकसित होती है।

जीवन में कुछ भी पीछे नहीं जाता। मनुष्य के लिए लौटने का कोई रास्ता नहीं है। जहां हम हैं, उससे आगे का सोचने में ही फायदा है। जीवन में जीत कोई ऐसी स्थिर स्थिति नहीं है, जिसे एक बार हासिल करके छोड़ दिया जाए। इतिहास में हम देखते हैं कि पहली बार जीतने वाले लोग अंत तक नायक नहीं रह जाते। इतिहास हमें सिखाता है कि एक बार की जीत काफी नहीं, जीवन में कोशिश रोज करनी पड़ती है। जो हमने हासिल कर लिया है, अगर उसे बनाए रखने के लिए मेहनत नहीं करेंगे, तो वह बचा नहीं रहेगा।

जिस तरह पराजय स्थायी नहीं है, उसी तरह कोई विजय भी स्थायी नहीं है। स्थायित्व सतत कर्मों की उस श्रृंखला से बनता है, जिसके लिए रोज प्रयत्न किए जाने की जरूरत होती है। मनुष्य को किसी भी प्रवृत्ति को स्थायी नहीं मान लेना चाहिए। चीजें आती हैं और बीत जाती हैं। जो उनसे टकराने की कोशिश करता है, वही बचा रहता है, अन्यथा समय उसे किनारे कर देता है।

कोई कितना ही महान क्यों न हो जाए, हर व्यक्ति को रोज उठकर नई शुरुआत करनी ही पड़ती है। एक सीमा के बाद थोड़ा-थोड़ा जुड़कर भी बहुत कुछ होने लगता है, लेकिन इन सबके पीछे एक-एक दिन की मेहनत और लगन होती है। कोई भी व्यक्ति अपने काम से जुनून की हद तक प्रेम किए बिना अपने क्षेत्र में शिखर तक नहीं पहुंचता।

जब तक सतत किए गए परिश्रम को देखना हम नहीं सीखेंगे, सफलताएं हमें चमत्कार या छलांग मालूम होती रहेंगी। अंततः प्रयास ही होते हैं, जो व्यक्ति को कहीं भी ले जा सकते हैं। हो सकता है कार्य में सफलता न मिले, लेकिन बिना प्रयास के तो सभी दरवाजे बंद ही होते हैं। प्रयास ही रास्तों को, दिशाओं को और हमारे दिमाग को खोलते हैं।

अक्सर ऐसा होता है कि मनुष्य परिणाम के बारे में प्रयासों की बजाय ज्यादा सोचता है। इससे दूसरों के साथ अपनी अपेक्षाओं का बोझ भी उस पर बढ़ता है। परिणाम पर दृष्टि केंद्रित करने की वजह से व्यक्ति अपनी गलतियों को नजरअंदाज कर देता है। जब हम प्रक्रिया को जीने के बजाय केवल रास्ते की तरह देखते हैं, तब लक्ष्य हासिल कर लेने पर भी हम उसके साथ सहज नहीं हो पाते।

जीवन में कोई भी चीज लक्ष्य है ही नहीं, बस यात्रा है और इसी को जीना सीखना है। लक्ष्य एक छोटे-से समय में छोटा-सा बिंदु है, जो बदलता रहता है। इसलिए उसके प्रति हद से ज्यादा सतर्कता मनुष्य में विकृति पैदा करती है। कुछ न कुछ करते रहना मनुष्य का स्वभाव है। इसी सहजता के साथ मनुष्य को कोशिश करनी चाहिए। अपने ऊपर दबाव बनाकर किए गए कार्य से हुए हासिल की जीवन में क्या भूमिका होगी? किसी भी लक्ष्य से अधिक महत्त्वपूर्ण चलते रहना है। चलते रहने से हासिल भी होता ही रहेगा। कुंवर नारायण के शब्दों में ङ्क तब तुम पाओगे कि कोई फर्क नहीं/ सब कुछ जीत लेने में/ और अंत तक हिम्मत न हारने में। अंत तक जुटे रहने में ही जीवन के कई आयाम खुलते हैं।

योजना संचालन में आ रही बाधा को तत्काल दूर करना सुनिश्चित करें : डीएम

समन्वय समिति की बैठक में हुई विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। एनआईसी सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समन्वय समिति एवं प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिले में चल रही विभिन्न महत्वपूर्ण विकासात्मक, बुनियादी ढांचा,भू-अर्जन, सड़क, पुल, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार गहन समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी कार्यपालक अभियंताओं एवं संबंधित पदाधिकारियों को परियोजनाओं को निर्धारित समय - सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि अगर इसमें कहीं भूमि विवाद या स्थानीय बाधा आती है,तो उसे विभागीय समन्वय स्थापित कर तुरत समाधान होना चाहिए।डीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय बढ़ाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का निर्देश दिया। उन्होंने समन्वय समिति के सभी पदाधिकारियों के साथ पीपीटी के माध्यम से योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान शिक्षा,पर्यटन,कला - संस्कृति एवं युवा, खेल, परिवहन, मद्य निषेध, नगर निगम, श्रम संसाधन, पथ निर्माण प्रमंडल, ग्रामीण पथ प्रमंडल, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल सहित अन्य विभागों की गतिविधियों तथा योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने विभागों को आपसी समन्वय बढ़ाकर जनकल्याणकारी योजनाओं को आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने तथा अंचलाधिकारियों को विभागों के लंबित अनापत्ति प्रमाण-पत्र का समयावधि में निष्पादन करने का निर्देश दिया। ठड्डुर्द्गि ठद्गदग्ड्डश्द्ध- ऋड्डद्धद्वट्ठद्वड्डद्दिहद्धर्द्धि ऋड्डु त्द्धद्वश्द्धत्त्द्ध हद्धड्ड सद्धद्वर्खड्डि दठऋड्डद्धहद्ध सद्धडद्धदवद्धऋड्डद्धट्टड्डद्ग ऋड्ड- हद्ध'द्धद्ग हद्धद्गक्हद्धहद्धद्ग ऋड्डुर्ड्डि ऋड्डु त्द्धद्वश्द्धत्त्द्ध हद्धड्ड ड्डुद्गठव्द्ध सद्धद्धत्त्द्धद्धळद्धद्गऋड्डट्टड्डुळद्ध ऋड्डद्ग सद्धद्वदऋद्धड्डश्द्धद्ध त्द्धर्ड्डि चद्धड्डुड्डुद्ग हृद्धद्वव्द्धड्ड ऋड्डु दहृद्धव दव्द्धडड्डदठुद्धचद्ध दऋड्डश्द्धद्ध ज़्द्धश्द्धद्ध४ ज़्द्धत्राड्डुऋड्ड त्द्धर्ड्डि व्द्धज़्द्धट्टड्ड इद्धश्द्धथ्अड्ड हर्द्धचिद्धश्द्ध क्र४ड्ड त्द्धद्धट्टड्ड, इसद्धट्टड्ड

5 पियक्कड़ एवं 1 तस्कर गिरफ्तार, भेजे गये जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार)। थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून को शत-प्रतिशत लागू कराने को लेकर कदवा पुलिस ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है।जानकारी के अनुसार इसी क्रम में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भर्री स्थित बलवाटोली चौक पर शराब के नशे में हो-हल्ला करते दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के क्रम में दोनों की पहचान छौना निवासी नीतीश कुमार (35) एवं नीलाम्बर कुमार (29) के रूप में हुई। लौटने के क्रम में पुलिस ने कुम्हड़ी चौक के पास से शराब पीकर हो-हल्ला कर रहे अन्य तीन पियक्कड़ों को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों की पहचान दोखड़ा निवासी बेचन मंडल (45) आजमनगर थाना क्षेत्र के मनिकनगर निवासी (26) मिथुन कुमार तथा प्राणपुर थाना क्षेत्र के डगरा निवासी मिथलेश कुमार (26) के रुप में की गई।वहीं छापेमारी में निकली पुलिस ने झौआ बांध के पास एक व्यक्ति को अपने हाथ में बाल्टी लेकर भागते देखकर शक के आधार पर रोक कर पूछताछ की तो उसने बताया कि बाल्टी में देशी शराब है।

धान में अधिक कल्ले के लिए संतुलित पोषण अपनाएं किसान : डीएओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला कृषि पदाधिकारी राजीव कुमार चालू खरीफ मौसम में धान की बेहतर पैदावार को लेकर सजग और सक्रिय हैं। उनके द्वारा किसानों को निरंतर उपयोगी सलाह दी जा रही है। श्री कुमार ने किसानों से धान की बेहतर उपज के लिए संतुलित एवं अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि धान की उपज का मुख्य आधार प्रति इकाई क्षेत्र में उत्पादक कल्लों टिलर्स की संख्या होती है। रोपाई के 20 से 45 दिन का समय कल्ला निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण अवधि माना जाता है।

इस दौरान संतुलित पोषण, उचित जल प्रबंधन, समय पर निराई-गुड़ाई और खरपतवार नियंत्रण अपनाने से अधिक संख्या में स्वस्थ एवं उत्पादक कल्ले विकसित होते हैं। डीएओ ने बताया कि कल्ले बढ़ाने में नाइट्रोजन सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यूरिया की पहली टॉप ड्रेसिंग रोपाई के 20 से 25 दिन बाद तथा दूसरी 40 से 45 दिन बाद करनी चाहिए। खेत में हल्की नमी या 2 से 3 सेंटीमीटर पानी रहने पर ही यूरिया का प्रयोग करें। उन्होंने रोपाई से पहले फॉस्फोरसयुक्त उर्वरकों के उपयोग, पोटाश से पौधों की मजबूती, जिंक की कमी होने पर 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर जिंक सल्फेट तथा सल्फर के संतुलित उपयोग की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि धान की रोपाई के समय किसी कारणवश डीएपी का उपयोग नहीं हो सका तो रोपिई के 10-15 दिन बाद, जब धान के पौधे की जडें पूरी तरह स्थापित हो जाय, तब खेत मे पर्याप्त नमी की दशा मे तब डीएपी का उपयोग टाप ड्रेसिंग के रुप मे

किया जा सकता है। उन्होने कहा कि रोपाई के दौरान पौधे से पौधे की अनुशंसित दूरी बनाए रखें, प्रति स्थान 2 से 3 स्वस्थ पौधों की रोपाई करें तथा मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करें। जैव उर्वरक एवं अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद का उपयोग भी लाभकारी है।डीएओ ने किसानों को आगाह किया कि केवल अधिक मात्रा में यूरिया देने से उत्पादन नहीं बढ़ता, बल्कि पौधे कमजोर होकर गिरने के साथ कीट एवं रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक और सल्फर का संतुलित उपयोग ही अधिक उत्पादक कल्लों एवं बेहतर उपज का आधार है।

संक्षिप्त समाचार

सीमांचल एक्सप्रेस दुर्घटना में गुरमही के युवक की मौत

फारबिसगंज/अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अररिया जिले के फारबिसगंज प्रखंड के सिमराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत रहिकपूर ठिलामोहन पंचायत के गुरमहि गांव के एक युवक की ट्रेन हादसे में मौत हो गई। पंचायत के सरपंच मोहम्मद सादिक आलम ने बताया के गुरमहि वार्ड नंबर 3 निवासी बिकेश कुमार मंडल (उम्र 30 वर्ष) पिता हरे राम मंडल बीते शनिवार की रात जोगबनी से सीमांचल एक्सप्रेस से प्रयागराज बागेश्वर बाबा के धाम तीर्थ यात्रा पर जा रहे थे। इसी दौरान पूर्णिया जिले के कस्बा रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से गिरने से उनकी मौत हो गई। युवक का शव रात भर पटरी किनारे पड़ी रही। सूचना मिलने पर रविवार की सुबह रेलवे पुलिस ने मृतकों के परिजनों को जानकारी दी। शव को कब्जे में लेकर पूर्णिया सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया, इसके बाद शव परिजन को सौंप दिया। रविवार शाम को जब शव गांव में पहुंचा,तो गांव वो परिजनों में कोहराम मच गया और परिजन रोते बिलखते रहे। गांव में मातम सा छा गया। मृतक विकेश कुमार के पीछे पत्नी, एक लड़का और एक लड़की है, जो पास के ही सरकारी स्कूल में पढ़ रही है। घटना से लोग काफी मर्माहत है। ट्रेन हादसे में मृत युवक के पिता हरे राम मंडल और उनके बड़े साला पवन मंडल ने बताया कि विकेश कुमार मंडल इससे पहले भी बाबा बागेश्वर धाम दो बार जा चुके हैं। इस बार भी बाबा बागेश्वर धाम से उन्हें अर्जी पर बुलावा आया था,जहां वे शनिवार शाम को टिकट लेकर सीमांचल एक्सप्रेस से प्रयागराज तक का सफर में जा रहे थे कि कस्बा रेलवे स्टेशन के पास यह घटना घटित हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक विकेश कुमार मंडल एक नेक दिल इंसान थे, उनका समाज के लोगों के साथ अच्छा वो कुशल व्यवहार था। मृतक परिवार के इकलौता कमाऊ सदस्य था। मृतक के पिता ने रेलवे प्रशासन वो भारत सरकार से उचित मुवाजा की मांग की है तथा परिवार में किसी एक की सरकारी नौकरी की भी माँग की है।

रजौली में 200 संदिग्धों के रहने की आशंका से हड़कंप

रजौली (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रजौली थाना क्षेत्र के सिमरकोल और घसियाडीह समेत कई मोहल्लों में बिना वैध पहचान पत्र के लगभग 200 संदिग्ध लोगों के रहने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया है। स्थानीय समाजसेवी वीरेंद्र सिंह ने प्रशासन से इन लोगों के दस्तावेजों की गहन जांच कर कार्रवाई की मांग की है। समाजसेवी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से कुछ लोग मोहल्लों में घूमकर खराब मोबाइल के बदले बर्तन, महिलाओं के बाल लेकर बूंदी-गार्डर दे रहे थे। इसी संदेह पर उन्होंने इलाके का सर्वे शुरू किया। सर्वे के दौरान सिमरकोल मोड़ के पास 3-4 आवासीय परिसरों में लगभग 100 लोग ऐसे मिले जिनके पास कोई वैध कागजात नहीं थे। वहीं घसियाडीह मोहल्ले के कई नवनिर्मित घरों में भी दर्जनों संदिग्ध लोग रह रहे थे। पूछताछ में उन्होंने खुद को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, मालदा और आसनसोल का रहने वाला बताया। उन्होंने संदेह जताया कि मकानमालिक कुछ पैसों की लालच में बिना किसी वैध कागजातों के किराया पर दे देते हैं,जो क्राइम करके फिर दूसरे जगह पलायन कर जाते हैं। समाजसेवी ने आशंका जताई कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर यानी मतदाता सूची पुनरीक्षण के कारण कई बांग्लादेशी देश के विभिन्न हिस्सों में घुसपैठ कर चुके हैं। उन्हीं में से कुछ लोग रजौली क्षेत्र में आकर रह रहे हैं। उनके अनुसार रजौली क्षेत्र में लगभग 200 बांग्लादेशी अवैध रूप से रह सकते हैं। वीरेंद्र सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि इन संदिग्धों के सिर्फ आधार कार्ड नहीं, बल्कि वोटर कार्ड और राशन कार्ड की भी जांच की जाए। इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि समाजसेवी से सूचना मिलने के बाद एसआई सचिन कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारियों को जांच के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस टीम इलाके में जाकर लोगों के दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है। फिलहाल पूरे मामले की जांच के बाद ही कुछ साफ हो पाएगा, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में बिना कागजात लोगों के मिलने से स्थानीय लोगों में दहशत है।

सगीर मोटर्स गैरेज एंड पार्ट्स के प्रोपराइटर ने उच्च अधिकारी के पास लगाई न्याय की गुहार

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के भेड़मारा पंचायत के फोरलेन एन एच 131 ए राघोपुर चौक पर अवस्थित सगीर मोटर्स गैरेज एंड पार्ट्स के प्रोपराइटर ने एसडीओ मनिहारी,डीएसपी मनिहारी ,जिला लोक शिकायत पदाधिकारी कटिहार,राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली, पूर्णिया सांसद,मनिहारी थाना, आरक्षी अधीक्षक कटिहार,मुख्यमंत्री बिहार, डीआईजी पटना,जिला पदाधिकारी कटिहार,कटिहार सांसद,मनिहारी विधायक, आरक्षी अधीक्षक कटिहार, आईजी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई हैं,अपने दिए हुए आवेदन में बताया कि विगत रात्रि 1:10 यानी अहले सुबह को जमीन मालिक मोहम्मद तासीम, मोहम्मद नौरज उर्फ यासीन मोहम्मद मुन्नू उर्फ मोहम्मद परवेज आलम,एवं मो चुन्नू उर्फ तेजवीर हुसैन सभी पिता सोकत अली साकिन रसलपुर थाना मनिहारी निवासी गैरेज में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दिया जिसमें चार पिकअप,दो मोटरसाइकिल सहित गैरेज में रखें सभी सामान जलकर राख हो गए हैं कुल 75 लाख रुपए का सामान जल कर खाक हो गया हैं। उन्होंने बताया कि मुझे न्यायालय, उच्च पदाधिकारी के ऊपर पूरा भरोसा हैं कि मुझे न्याय मिलेगा।

मोबाइल चोर सहित 47 रेल अधिनियम उल्लंघनकताओं से 55 हजार जुमार्ना वसूला

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कटिहार रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ कमांडेंट के निर्देशानुसार आरपीएफ ईस्ट पोस्ट कमांडर विक्रम कुमार के नेतृत्व में लगातार सघन अभियान चला रही है। पिछले तीन दिनों में आरपीएफ ने चोरी, तस्करी, मानव सुरक्षा और रेल अधिनियम के उल्लंघन के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं।आरपीएफ ने यात्रियों के सामान की चोरी रोकने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के दौरान आरपीएफ टीम ने स्टेशन परिसर से एक शातिर मोबाइल चोर मो. सगीर को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके पास से लगभग ₹20 हजार मूल्य का चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी को जीआरपी कटिहार के हवाले कर दिया गया, जहां उसके विरुद्ध बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। इसी दिन ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत रेल मदद से सूचना मिलने पर आरपीएफ ईस्ट की टीम ने कटिहार स्टेशन पर खोजबीन कर रास्ता भटककर गलत ट्रेन से कटिहार पहुंची 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची स्नेहा कुमारी को सकुशल बरामद किया। सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्ची को आगे की कार्रवाई के लिए चाइल्ड लाइन, कटिहार को सौंप दिया गया। वही आरपीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर प्लेटफॉर्म संख्या-3 पर जांच के दौरान आरपीएफ ने एक व्यक्ति मंगल कुमार यादव को बैग में छिपाकर 9 लीटर प्रतिबंधित विदेशी शराब ले जाते हुए गिरफ्तार किया।

कटिहार-मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार जिले सहित सीमांचल के लाखों रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। यात्रियों की लगातार बढ़ती भीड़ और यात्रा की मांग को देखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने कटिहारझमुंबई सेंट्रल के बीच संचालित साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (09189/ 09190 की अवधि में 5 अतिरिक्त फेरों का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से मुंबई जाने वाले नौकरीपेशा लोगों, व्यवसायियों, छात्रों और इलाज के लिए सफर करने वाले मरीजों को बड़ी सुविधा मिलेगी।इस संबंध में कटिहार रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह जनसंपर्क अधिकारी अनूप कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन ने इस स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी और यात्रा अधिक सुगम होगी। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल-कटिहार प्रत्येक शनिवार को 01 अगस्त 2026 से 29 अगस्त 2026 तक कुल 5 अतिरिक्त ट्रिप संचालित की जाएगी।

वहीं गाड़ी संख्या 09190 कटिहार-मुंबई सेंट्रल प्रत्येक मंगलवार को 04 अगस्त 2026 से 1 सितंबर 2026 तक कुल 5 अतिरिक्त ट्रिप चलेगी। वही रेल के इस निर्णय से कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया एवं आसपास के जिलों के यात्रियों ने रेलवे के इस फैसले का स्वागत करते हुए हर्ष प्रकट किया है। उनका कहना है कि मुंबई रूट पर वर्षभर भारी भीड़ रहती है, ऐसे में अतिरिक्त फेरों के संचालन से यात्रा काफी आसान होगी और वेटिंग टिकट की समस्या में भी राहत मिलेगी। रेल द्वारा ट्रेन के समय, ठहराव और कोच संरचना में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। सभी व्यवस्थाएं पूर्ववत लागू रहेंगी। रेलवे के इस निर्णय से कटिहार रेल मंडल के यात्रियों में खुशी का माहौल है।

गुमशुदा बच्चा हुआ बरामद बच्चा पाकर परिजन खुश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। डंडखोरा पुलिस की सक्रियता सामने आई है। पुलिस क्षेत्र से गुम हुए एक लड़के को महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। थानाध्यक्ष विजय कुमार महतो ने बताया कि भमरेली निवासी लखन लाल साह ने अपने बेटे लक्ष्य कुमार की गुमशुदगी को लेकर थाने में आवेदन दिया था। मामले की गंभीरता को देखकर बरामदगी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने तत्काल खोजबीन शुरू कर दी। पुलिस के सकारात्मक प्रयास से गुमशुदा लक्ष्य कुमार को महज 24 घंटे के भीतर सुरक्षित ढूंढ लिया गया। उन्होंने बताया कि कानूनी प्रक्रिया पूरा करने के बाद बच्चे को उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने खुशी व्यक्त किया है।

प्राथमिक विद्यालय गुमटी टोला के पास सड़क किनारे सिक्योरिटी गार्ड का मिला शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र के चितोरिया पंचायत के किसान चौक के पास प्राथमिक विद्यालय गुमटी टोला के पास कटिहार - मनिहारी मुख्य सड़क के पूर्व पार सड़क के किनारे एक 50 वर्ष के अधेड़ की शव मनसाही पुलिस ने बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी हैं। सूचना के अनुसार सुबह-सुबह सड़क पर टहल रहे कई लोगों ने एक 50 वर्षीय व्यक्ति की शव को सड़क के किनारे देखा और और मुख्य सड़क पर काफी भीड़ उमड़ पड़ी।

इस घटना की जानकारी ग्रामीणों ने मनसाही पुलिस को दी। मनसाही थानाध्यक्ष नरेंद्र कुमार प्रसाद दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। फोर्सेसिक टीम को बुलाकर शव के चारों ओर घेरा बंदी कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं थानाध्यक्ष श्री प्रसाद ने बताया कि गार्ड की हत्या कहीं और कर यहां पर लाकर फेंक दिया हैं। शव की पहचान कराया जा रहा हैं। शव की पहचान होते ही हत्या के आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। वहीं पंचायत के मुखिया दीप नारायण पासवान ने कहा कि सिक्योरिटी गार्ड की हत्या कहीं और कर शव को प्राथमिक विद्यालय गुमटी टोला के सामने फेंक दिया हैं।

जनता दरबार में महापौर ने सुनी जनसमस्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । नगर निगम में महापौर ऊषा देवी अग्रवाल की और से जनता दरबार का आयोजन किया गया। महापौर ने नगर निगम स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आये सभी 29 फरियादियों की समस्या सुनी। महापौर के द्वारा सभी फरियादियों की समस्या सुन त्वरित कारवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिया गया। जनता दरबार में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, सड़क व नाला निर्माण,बिजली पोल एवं लाइट, रास्ते एवं अतिक्रमण से जुड़े विवाद,नालों की साफ-सफाई,सड़क अतिक्रमण करने वाले पर होगी करवाई एवं अन्य मामलों से संबंधित मामले आए। महापौर के द्वारा पिछले जनता दरबार में आये सभी आवेदनों की समीक्षा भी की गई।

भक्ति एवं श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ श्री श्याम ज्योत कीर्तन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। श्री श्याम मित्र मंडल रजिस्टर कटिहार के तत्वावधान में आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर अरविंद कटारुका एवं अनिमेष कटारुका के सहयोग से शहर के दौलतराम चौक विनायक के सामने भव्य श्री श्याम ज्योत कीर्तन का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सचिव विकास खंडेलिया ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा श्री श्याम के पूजन एवं ज्योत प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक मधुर एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्याम भक्तों को देर रात तक भक्ति रस में सराबोर कर दिया। पूरे परिसर में "हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा" एवं जय श्री श्याम" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।कीर्तन में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने अपने परिवार सहित सहभागिता कर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं महाप्रसाद की भी सुंदर व्यवस्था की गई।श्री श्याम मित्र मंडल रजिस्टर कटिहार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, आयोजन परिवार, भजन मंडली, कार्यकताओं एवं नगरवासियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। बताते चले कि संस्था द्वारा हर एकादशी को भव्य कीर्तन कटिहार में आयोजित लंबे समय से करती आ रही है।

राजमणि दीदी नीलम आनंद की 74 वीं जयंती अवतरण दिवस के रूप में मनाई गई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली (कटिहार)। जिले के समेली प्रखंड के मलहरिया पंचायत स्थित यूथ पावर लोक कला मंच भरेली के प्रांगण में सोमवार को प्रथम शिव शिष्य साहब श्री हरिद्रानंद की धर्मपत्नी राजमणि दीदी नीलम आनंद की 74वीं जयंती अवतरण दिवस के रूप में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि दीदी मां को पेड़-पौधों एवं प्रकृति से विशेष लगाव था। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए देशभर के शिवशिष्यों द्वारा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में पर्यावरण जागरूकता से जुड़े गीत - संगीत एवं नारों के बीच सरकारी, गैर-सरकारी तथा निजी स्थलों पर फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। द्वितीय चरण में केक काटकर जयंती समारोह मनाया गया। इसके बाद शिवगुरु चर्चा, गुरु भजन एवं महादेव गुरु स्वरूप पर विचार - विमर्श किया गया। साथ ही प्रथम शिव शिष्या राजमणि दीदी नीलम आनंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गुरु भाइयों और गुरु बहनों ने विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान गुरु बहन रिंकू देवी, रेखा देवी, गुरु भाई प्रभाकर, दिवाकर, कमल जी,विनोद जी,हरदेव मंडल, पूनम रानी, शिवशंकर कुमार, तारा देवी सहित अन्य गुरु भाई-बहनों ने अपने विचार व्यक्त किए और पर्यावरण संरक्षण तथा मानवीय मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं नेतृत्व रूपेश कुमार राय एवं हरि प्रसाद मंडल ने किया। समारोह का समापन पर्यावरण संरक्षण और समाज में सद्भाव बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

एड्स व स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति पटना के तत्वाधान में जिला एड्स बचाव एवं नियंत्रण इकाई कटिहार की ओर से सिविल सर्जन सभागार में एचआईवी - एड्स व स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रेल सुरक्षा बल के इंस्पेक्टर अबेदानन्द सिंह, सीडीओ डॉ. अशरफ रिजवी,ब्लड सेन्टर, सदर अस्पताल कटिहार के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरएस सुमन एवं डीपीएम शौनिक प्रकाश ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम का संचालन डीपीएम डेप्कू शौनिक प्रकाश ने किया।इस कार्यक्रम में भाग ले रहे रेलवे पुलिस बल के एक सौ जवानों एवं अधिकारियों को एचआईवी-एड्स एवं स्वैच्छिक रक्तदान विषय पर विशेष जानकारी दी गयी। डीपीएम शौनिक प्रकाश ने बताया कि एचआईवी एड्स की जानकारी व उपचार संबंधित जानकारी के लिए कोई भी टॉल फ्री नंबर 1097 पर संपर्क कर सकते हैं। आरपीएफ इंस्पेक्टर अभेदानन्द सिंह ने बताया कि आरपीएफ जवानों को स्वास्थ्य गतिविधियों को ध्यान में रखकर सजग रहने की जरूरत है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आरएस सुमन ने बताया कि एचआईवी एड्स एवं स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर विस्तृत जानकारी दी। भारत सरकार एवं बिहार सरकार के निर्देश पर प्रतिमाह इन बच्चों को ब्लड सेन्टर सदर अस्पताल, कटिहार द्वारा एक-एक यूनिट ब्लड मुफ्त उपलब्ध कराना होता है। सरकारी एवं गैर सरकारी संस्था व संगठनों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में हुए ब्लड डोनेशन का ब्लड इन्हीं बच्चों को जीवन रक्षा के लिए दिया जाता है। ऐसी में कटिहार जिले के सभी सरकारी व गैर सरकारी विभागों व संस्थाओं नैतिक जिम्मेदारी है कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करने में बढ़ चढ़ कर भाग लें। पीपीटीसीटी काउंसलर आभा कुमारी ने एस टी आई के बारे मे विस्तार से बताया और सरकार द्वारा मिल रही सुविधाओं के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सीडीओ डॉ अशरफ रिजवी ने टीवी बीमारी के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया और सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर पीपीसीटी के महिला कांउनसेलर डॉ. आभा कुमारी, डेप्कू एकाउंट प्रभाकर लाल दास, दिनेश कुमार कुशवाहा,राहुल कुमार, अश्विनी झा, सन्नी पोद्दार, मो. परवेज जफर अशरफी, पवन कुमार व आरपीएफ जवान मौजूद रहे ।

31 जुलाई की आखिरी तारीख करीब, इनकम टैक्स रिटर्न भरने में 10 गलतियों से बचें

नई दिल्ली, एजेंसी। कमाई और खर्च का हिसाब सरकार को देने का सीजन चल रहा है। आम आयकरदाताओं के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की 31 जुलाई की आखिरी तारीख करीब आ गई है। आपाधापी में कुछ गलतियां हो सकती है। किसी बैंक खाते के ब्याज की जानकारी हो सकता है कि भरने से छूट जाए, हो सकता है कि कोई जॉइंट ट्रांजैक्शन पूरा का पूरा एक ही टैक्सपेयर के खाते में दर्ज हो जाए, विदेश में खोले गए किसी बैंक अकाउंट के बारे में बताना भूल जाएं या फिर गलत फॉर्म चुनकर शुरुआत में ही गड़बड़ हो जाए या फिर रही-सही कसर फॉर्म भरने के बाद वेरिफिकेशन नहीं करने से पूरी हो जाए। आधी-अधूरी जानकारी देने सहित ऐसी गलतियां नोटिस और जुर्माने का सबब बन जाती है।

सर्टिफाइड फाइनेंस प्लैनर और द रिचनेस अकादमी के संस्थापक तारेश भाटिया ने कहा, 'ढूब्रक भरते समय सबसे बड़ी गलती गलत टैक्स कैलकुलेशन नहीं, बल्कि ऐसी आय को छूट जाने देना है, जिसकी जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पास पहले से मौजूद होती है। आज आयकर विभाग के पास एआईएस फॉर्म 26AS TDS/ TCS, बैंक, म्यूचुअल फंड, ब्रोकर और अन्य रिपोर्टिंग संस्थानों से व्यापक फाइनैंशल डेटा उपलब्ध रहता है। ऐसे में केवल फॉर्म 16 के आधार पर रिटर्न भरना पर्याप्त नहीं है।

टैक्स रेजीम चुनने में गलती

ओल्ड या न्यू टैक्स रेजीम को केवल इस आधार पर नहीं चुनना चाहिए कि किसी मित्र ने सलाह दे दी है या किसी सोशल मीडिया पोस्ट ने किसी रिजीम को बेहतर बता दिया। तारेश भाटिया ने कहा, 'हर टैक्सपेयर की इनकम डिडक्शंस इनवेस्टमेंट्स, हाउसिंग की स्थिति और बेनेफिट्स की तस्वीर अलग हो सकती है। इसलिए उपयुक्त विकल्पों के आधार पर गणना करके ही निर्णय करना चाहिए।' सैलरीड टैक्सपेयर्स आमतौर पर यह गलती कर बैठते हैं। फॉर्म 16 सैलरी और संबंधित TDS की जानकारी देता है, लेकिन पूरी फाइनैंशल लाइफ केवल सैलरी तक सीमित नहीं होती बचत खाते के ब्याज, एफडी इंटरेस्ट, डिविडेंड इनकम, कैपिटल गेन्स रेंटल इनकम, दूसरे एंप्लॉयर की इनकम, अन्य टैक्सेबल इनकम सहित कई तरह की आमदनी हो सकती है। इसलिए केवल फॉर्म 16 तक न रुकें। अनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट टैक्सपेयर इंफॉर्मेशन समरी और फॉर्म 26 का मिलान करें।

गलत आईटीआर फॉर्म चुनना

आईटीआर भरे जा रहे है असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए यानी उस कमाई के बारे में जानकारी देनी है, जो पहली अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक के बीच हुई हो। इंडिविजुअल्स के लिए आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। यही डेडलाइन उनके लिए भी है, जिनके खातों के ऑडिट की जरूरत न हो। सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट सुशील अग्रवाल ने कहा, 'शुरुआत से ही सावधानी जरूरी है। अपने लिए उचित टैक्स रिजीम और सही आईटीआर फॉर्म चुनें। इस बार आईटीआर 1 फॉर्म यानी सहज में ही दो प्रॉपर्टी तक से इनकम की जानकारी दी जा सकती है। अभी तक इसके लिए आईटीआर-2 या आईटीआर 3 का उपयोग करना होता था।'

उनके लिए है, जिनकी कुल सालाना आमदनी 50 लाख रुपये तक हो और जिनकी आमदनी सैलरी, टू हाउस प्रॉपर्टी, अन्य स्रोतों (इंटरेस्ट) से हो और खेती बाड़ी से साल में 5000 रुपये तक की कमाई रही हो। बिजनेस या प्रफेशन से कमाई होने पर यह फॉर्म नहीं भरा जा सकता है। ऐसे इंडिविजुअल या HUF कर सकते है, जो सहज फॉर्म भरने लायक न हो, उनको बिजनेस या प्रफेशन के प्रॉफिट से इनकम न हो, लेकिन कैपिटल गेंस से इनकम हो। ऐसे इंडिविजुअल्स के लिए है।

पतंजलि के आटे में कीटनाशक, कंपनी का 'रिकॉल' 552 से 344 पर आ गया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स ने अपनी एक ब्रांडेड गेहूं के आटे की खेप को वापस लेने का आदेश दिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि जांच में इस आटे में कीटनाशक की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। यह आदेश केरल के कोट्टायम में खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त के कार्यालय की ओर से जारी किया गया था। दरअसल, इस खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला,

जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। रिकॉल का आदेश 20 जुलाई को जारी हुआ था और पतंजलि फूड्स को यह 24 जुलाई को प्राप्त हुआ। कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इस प्रभावित खेप का बैच नंबर क्या है, कितनी मात्रा में आटा प्रभावित हुआ है, और यह आटा किन बाजारों में बेचा गया था। हालांकि, पतंजलि फूड्स ने यह भी कहा कि इस रिकॉल का उनके वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा, सिवाय उस प्रभावित खेप के मूल्य के, जिसे वापस मंगाया जा रहा है। यानी माना जा रहा है कि यह घटना उनके कारोबार के लिए बड़ी चुनौती नहीं बनेगी। पतंजलि फूड्स के लिए यह साल अच्छा नहीं जा रहा, खासकर इसके शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों का। पतंजलि फूड्स के शेयर इस साल अबतक 37 प्रतिशत से अधिक टूट चुके हैं। यह 552 रुपये से अब 344 रुपये के आसपास आ गया है। बाजार में कंपनी के शेयर की बात करें तो आटे की खेप को मार्केट से वापस लेने की जानकारी के बाद पतंजलि फूड का शेयर आज सुबह सवा दस बजे के करीब एक प्रतिशत से ऊपर चढ़कर 344.50 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 27 जुलाई सोमवार को शुरुआती कारोबार में पतंजलि फूड्स के शेयर 341 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे।

जब आप कुछ नया करते हैं तो इसके लिए तैयार रहना होगा कि लोग आपको पागल कहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। लैरी एलिसन ओरेकल कॉर्पोरेशन के को-फाउंडर हैं। कंपनी में उनकी लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी है। उन्हें टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक माना जाता है। एलिसन ने 37 साल तक ओरेकल के सीईओ के तौर पर काम

करने के बाद 2014 में यह पद छोड़ दिया। सितंबर 2025 में ओरेकल के शेयर की कीमत में ढ्रू की वजह से जोरदार तेजी आई। इसके चलते वह एक समय दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए थे। फोर्ब्स के अनुसार, 26 जुलाई 2026 तक उनकी रियल टाइम नेटवर्थ 151.9 अरब डॉलर थी। एलिसन की बातें उन लोगों के लिए बहुत मायने रखती हैं जो बिजनेस में बेहतरीन काम करना चाहते हैं। वह हमेशा कुछ नया करने और सफलता पाने के लिए पूरी लगन से काम करने के लिए जाने जाते हैं।

एसबीआई फंड्स के आईपीओ का कमाल! जुलाई में एफपीआई निवेश 42,000 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च से जून के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में भारी बिकवाली की। लेकिन जुलाई में यह सिलसिला टूट गया। जुलाई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय इक्विटी में नेट खरीदारी की। हालांकि 2026 में कुल निवेश पर दबाव बना हुआ है। 24 जुलाई तक नेट इक्विटी निवेश लगभग 1.6 बिलियन यानी करीब 14,946 करोड़ रहा। यह मार्च से जून के बीच लगातार चार महीने की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों की सोच में आए बदलाव का संकेत है। डेट में लगातार खरीदारी के कारण जुलाई में सभी एसेट क्लास में कुल एफपीआई निवेश बढ़कर लगभग 4.4 बिलियन (41,796 करोड़) हो गया। यह इस साल विदेशी निवेश के लिए अब तक का सबसे मजबूत महीना रहा। इसने फरवरी के 4.2 बिलियन (37,804 करोड़) के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। निवेश का एक बड़ा हिस्सा फंड्स के आईपीओ से आया, जिसमें विदेशी निवेशकों ने एंकर और क्यूआईपी बुक दोनों में हिस्सा लिया। इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी.के. विजयकुमार ने कहा कि जुलाई में निवेश मुख्य रूप से प्राइमरी मार्केट की गतिविधियों और सरकार द्वारा टैक्स में बदलाव के बाद डेट में निवेशकों की लगातार दिलचस्पी के कारण बढ़ा है। साल की शुरुआत में इक्विटी सेगमेंट में भारी बिकवाली का दबाव था। मार्च में 12.7 बिलियन, अप्रैल में 6.5 बिलियन, मई में 3.5 बिलियन और जून में 5.2 बिलियन का निवेश बाहर गया।

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से कच्चे तेल में गिरावट

अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एकदूसरे के ठिकानों पर हमले रोक दिए हैं। इससे कच्चे तेल की कीमत में करीब 5 फीसदी गिरावट आई है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से आज शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल में गिरावट आई है। अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एकदूसरे के ठिकानों पर हमले रोक दिए हैं। इससे कच्चे तेल की कीमत में करीब 5 फीसदी गिरावट आई है। पिछले हफ्ते इसकी कीमत में 10 फीसदी तेजी आई थी और यह मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था।

हालांकि भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी सोमवार, 27 जुलाई 2026 को भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। देश में 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने रविवार को कहा कि देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तब बदलाव किया जाएगा, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की गिरती कीमतें कम स्तर पर स्थिर रहने की संभावना होगी।

कब-कब बढ़ी कीमत

सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक शुक्रवार 24 जुलाई, 2026 को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। वहीं कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी से सरकारी तेल कंपनियों बीपीसीएल और एचपीसीएल को जून तिमाही में भारी घाटा हुआ है। हालांकि आईओसीएल ने अब तक अपना रिजल्ट जारी नहीं किया है। हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में आज करीब 5 फीसदी गिरावट आई है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के भविष्य पर सस्पेंस! कंपनी की एजीएम में फंसा पेच

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की सालाना आम बैठक अगले महीने होनी है। लेकिन इसमें अड़चन आ सकती है। इसकी वजह कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में कोरम की शर्त है। इस कारण मीटिंग में मुश्किल हो सकती है। इस मीटिंग के एजेंडे में एक अहम मुद्दा कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की डायरेक्टर के तौर पर फिर से नियुक्ति है। कंपनी में उनकी चेयरमैनशिप बोर्ड में उनके पद पर निर्भर करती है। डायरेक्टर का पद न रहने पर वह चेयरमैन भी नहीं रह सकते।

टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के आर्टिकल 86 के मुताबिक कंपनी की एजीएम में कम से कम पांच सदस्यों का व्यक्तिगत रूप से मौजूद होना

जरूरी है। इनमें सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से नॉमिनेट किया गया प्रतिनिधि भी शामिल होना चाहिए, बशर्ते उनके पास कंपनी की कम से कम 40% इक्विटी हो। इसमें कोई दिक्कत नहीं थी क्योंकि दोनों ट्रस्टों के पास टाटा संस में करीब 66% हिस्सेदारी है। लेकिन महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने पब्लिक ट्रस्ट कानूनों के कथित उल्लंघन के कारण बोर्ड मीटिंग में हिस्सा लेने से रोक दिया है। इस कारण अब इस शर्त को पूरा करना मुश्किल हो गया है। बोर्ड मीटिंग के बिना साथ मिलकर प्रतिनिधि नॉमिनेट करने में हिस्सा नहीं ले सकता। एक वकील ने कहा कि इस कारण बैठक पर ही एक तरह से 'वीटो' लग गया है।

क्या हैं विकल्प

हालांकि आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन इस बारे में कुछ नहीं कहता कि अगर ट्रस्ट के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति के कारण स्थगित बैठक भी विफल हो जाती है, तो क्या होगा पिछले साल की मीटिंग में के पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री और दोनों ट्रस्टों के मौजूदा वाइस-चेयरमैन विजय सिंह ने प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि ट्रस्ट कई प्रतिनिधियों को अधिकृत कर सकते हैं, लेकिन उनसे उम्मीद की जाती है कि वे मिलकर काम करें और अपने संयुक्त बहुमत वोट का इस्तेमाल करें। टाटा संस 31 दिसंबर से पहले एजीएम आयोजित करने के लिए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से समय बढ़ाने की मांग कर सकता है।

हर शेयर पर 190 का फायदा! बोली लगाने का आखिरी दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। 3,811.21 करोड़ के पर बोली लगाने का आज तीसरा और आखिरी दिन है। दूसरे दिन के आखिर तक यह 3.07 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। ऑफर किए गए 5.50 करोड़ शेयरों के मुकाबले 16.9 करोड़ से ज्यादा शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इसे 4 गुना बोलियां मिल चुकी हैं। कितना चल रहा है इसका जीएमपी पब्लिक इश्यू में 5,50,93,201 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 23,02,82,130 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं हैं जो 4.18 गुना सब्सक्रिप्शन के बराबर है। नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में सबसे ज्यादा मांग देखी गई। इस श्रेणी में इसे 12.80 गुना बोलियां मिल चुकी हैं। रिटेल कैटेगरी में यह लगभग 2.24 गुना सब्सक्राइब रहा। इस आईपीओ में 499.10 करोड़ मूल्य के 1.03 करोड़ इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू है जबकि मौजूदा शेयरधारक 3,311.21 करोड़ मूल्य के 6.83 करोड़ इक्विटी शेयरों को ऑफर फॉर सेल के जरिए बेच रहे हैं। इसके लिए प्राइस बैंड 461-485 तय किया गया है। निवेशक कम से कम 30 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

4 लाख करोड़ की लॉटरी! शेयर बाजार में गिरावट पर ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से आज दुनिया भर के शेयर बाजारों में तेजी आई है। उसका असर घरेलू शेयर बाजार पर भी दिख रहा है। हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में करीब 600 अंक की तेजी आई है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 23,900 अंक पर पहुंच गया। सुबह 9.23 बजे सेंसेक्स 565.08 अंक यानी 0.74% तेजी के साथ 76,624.85 अंक पर ट्रेड कर रहा था। निफ्टी 163.75 अंक यानी 0.69% ऊपर 23,931.20 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले पिछले हफ्ते पांचों कारोबारी दिन शेयर बाजार में गिरावट आई थी।

इस तेजी से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4 लाख करोड़ रुपये उछलकर 479 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर तेजी के साथ खुले। इंडिगो में सबसे ज्यादा 2.84 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा इटरनल, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा स्टील में भी उल्लेखनीय तेजी रही। इस बीच रुपया भी डॉलर के मुकाबले आज मजबूती के साथ खुला। पिछले सत्र में यह 96.5625 पर बंद हुआ था।

निफ्टी का हाल

निफ्टी 50 इंडेक्स में इंटरग्लोबल एविएशन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और इटरनल सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयर रहे। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.98 प्रतिशत और 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा तेजी आई, जबकि निफ्टी ऑयल एंड गैस में सबसे कम बढ़त रही। कच्चे तेल की कीमतें 7.44 प्रतिशत गिरकर आज 89.58 प्रति बैरल के निचले स्तर पर आ गईं।

गैस सप्लाई चेन डांवाडोल

एलएनजी के सहारे भारत नहीं बदल पाएगा स्टोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में लंबे समय तक नेचुरल गैस की खपत बढ़ाने के लिए सिर्फ लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) इंपोर्ट क्षमता बढ़ाना काफी नहीं होगा। देश को पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर, गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, गैस-आधारित उद्योगों में तेजी से निवेश के साथ कीमतों और मार्केट डिजाइन में बड़े सुधारों की जरूरत है। इंटरनेशनल गैस यूनियन की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैसे तो भारत ने हाल के सालों में अपनी रीगैसिफिकेशन क्षमता में काफी बढ़ोतरी की है। लेकिन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश उस रफ्तार से नहीं हो पाया है। इससे देश की गैस खपत बढ़ाने की क्षमता सीमित हो गई है।

इसमें आगे कहा गया है कि अगर भारत को गैस की मांग में लंबे समय तक बढ़ोतरी बनाए रखनी है तो कीमतों के सिस्टम, मार्केट तक पहुंच और नियमों में सुधार बहुत जरूरी होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, 'ये मुद्दे मामूली नहीं हैं। कीमतों में आया मौजूदा उछाल, जब तक यह बना रहेगा, भारतीय बिजली उत्पादकों, औद्योगिक और घरेलू ग्राहकों के लिए आयातित गैस के अर्थशास्त्र को भी उलट-पुलट कर देगा।' इससे देश भू-राजनीतिक रुकावटों के जोखिम में आ जाता है। हालांकि, ढ्रू का मानना है कि अगर खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होता है तो मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया बेहतर हो सकता है।

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बढ़ी है टेंशन

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब हाल ही में ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच होर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग में रुकावट के कारण भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट कहती है, 'होर्मुज स्ट्रेट के संकट ने भारत के लिए कई जरूरी चीजों पर निर्भरता को उजागर किया है। उनमें खासकर गैस सप्लाई चेन शामिल है। खाड़ी देशों से आने वाली भारत की भारी निर्भरता उन भौगोलिक रुकावटों से पास के सप्लायर्स पर पुरानी निर्भरता पर सवाल उठाएगी, जो सप्लाई में रुकावट के प्रति संवेदनशील साबित हुए हैं। वहां कतर से होने वाला निर्यात सप्लाई का मुख्य स्रोत है।'

भारत अपनी जरूरत का इतना घरेलू उत्पादन से करता है पूरा

भारत अभी अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरत का सिर्फ 50-52% हिस्सा घरेलू उत्पादन से पूरा करता है। बाकी हिस्सा आयात से आता है। यह मुख्य रूप से कतर, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस से होता है। मामले में इसकी निर्भरता और भी ज्यादा है। दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक होने के बावजूद घरेलू खपत का लगभग 60-65% हिस्सा आयात से पूरा होता है। इस आयात का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है।

रिपोर्ट में यह बात कही गई है

ग्लोबल एलएनजी मार्केट में अच्छी सप्लाई बनी रहने की उम्मीद

इस दशक के बाकी समय में नई एलएनजी निर्यात क्षमता में बढ़ोतरी से ग्लोबल एलएनजी बाजार में अच्छी सप्लाई बनी रहने की उम्मीद है। इससे कीमतों पर नीचे की ओर दबाव पड़ेगा। भारत में गैस की खपत का अर्थशास्त्र बेहतर होगा। हालिया कीमतों में उछाल के बाद दूसरे एशियाई बाजारों में मांग में स्थायी कमी से बेंचमार्क एलएनजी की कीमतों में गिरावट और तेज होने के आसार हैं। इससे गैस ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि संभावित रूप से सस्ती एलएनजी का फायदा उठाने के लिए भारत को अपने घरेलू गैस बाजार को ज्यादा लचीला बनाना होगा। इसमें एलएनजी टर्मिनल क्षमता की बुकिंग और सिस्टम एंट्री चार्ज को और उदार बनाने की सलाह दी गई है ताकि बाजार तक पहुंच बेहतर हो सके। साथ ही आयात टर्मिनलों पर इस्तेमाल की दर बढ़ाई जा सके। रिपोर्ट में यह भी तर्क दिया गया है कि जब तक पूरे देश में पाइपलाइन कनेक्टिविटी का काफी विस्तार नहीं होता, तब तक गैस को कोयले से मुकाबला करने में संघर्ष करना पड़ेगा। रिपोर्ट कहती है, 'अगर गैस को कोयले से बेहतर ढंग से मुकाबला करना है तो देश के उत्तरी, पूर्वी और मध्य हिस्सों में भरोसेमंद सप्लाई देने के लिए नई ट्रांसमिशन लाइनों की जरूरत होगी। इनके लिए प्रतिस्पर्धी ट्रांसपोर्ट टैरिफ हों। कारण है कि वहां गैस नेटवर्क तो है लेकिन बहुत कमजोर है।' इसमें बताया गया है कि कोयले पर निर्भर क्षेत्रों में पाइपलाइन का अपर्याप्त इस्तेमाल गैस की डिलीवरी कीमतों को ऊंचा बनाए हुए है। इससे औद्योगिक उपभोक्ता ईंधन बदलने से हतोत्साहित हो रहे हैं।

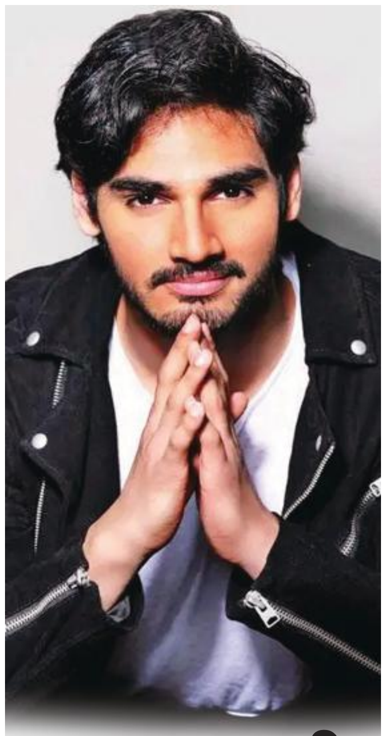

अहान पहली बार करेंगे हॉरर फिल्म

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920 : कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920 : कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है।

फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी

शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा। '1920 : कोल्ड विंटर' लोकप्रिय '1920' फ्रेंचाइज की छठी फिल्म होगी। वहीं अहान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक टीनू देसाई की फिल्म 'सनकी' में भी नजर आएंगे।

द केरल स्टोरी की सफलता के बाद बदली अदा शर्मा की किस्मत

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।'

बता दें कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। यह फिल्म जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। अभिनेत्री अदा शर्मा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म 'द केरला स्टोरी' से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है। फिल्म की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई थी।

वाराणसी के लिए प्रियंका ने खुद किए एक्शन सीक्वेंस

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

अभिनय से मिली पहचान, रग्बी से मिला सम्मान और समाज सेवा बनी मिसाल

राहुल बोस महज एक कुशल अभिनेता नहीं बल्कि एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी, एक दूरदर्शी फिल्म निर्माता और एक निस्वार्थ समाज सेवक भी हैं। बचपन में अपनी मां द्वारा बॉक्सिंग और रग्बी से परिचित कराए गए राहुल बोस ने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल और बाद में सिडेनहैम कॉलेज से अपनी शिक्षा पूरी की। इसी दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी से क्रिकेट का प्रशिक्षण भी लिया और बॉक्सिंग में रजत पदक जीता। उनका असली जुनून रग्बी बना जिसके लिए उन्होंने 1998 से 2009 तक 11 वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अभिनेता के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था। 1994 से 2009 के बीच अपनी 24 फिल्मों की शूटिंग का समय उन्होंने रग्बी कैलेंडर के हिसाब से तय किया।

राहुल बोस का अभिनय से पहला परिचय मात्र छह साल की उम्र में स्कूल के नाटक 'टॉम, द पाइपर्स सन' में हुआ था। मां के निधन के बाद रेडिफ्यूजन में एक कॉपीराइटर के तौर पर काम करने वाले राहुल बोस ने फिल्म इंग्लिश, ऑगस्ट (1994) की भारी सफलता के बाद पूर्णकालिक अभिनेता बनने का फैसला किया। व्यावसायिक सिनेमा की जगह उन्होंने हमेशा समानांतर सिनेमा को चुना। मिस्टर एंड मिसेज अय्यर, चमेली, झंकार बीट्स और विश्वरूपम जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। एक निर्देशक के तौर पर उनकी पहली निर्देशित फिल्म एवरीबडी सेज आई एम फाइन! (2001) के लिए फंड जुटाने में उन्हें महज 33 दिन लगे। इसके बाद उन्होंने पूर्णा (2017) का निर्देशन किया, जो 13 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की की बायोपिक थी। इस फिल्म की शूटिंग 1 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच की गई थी। सिनेमा और खेल से परे राहुल बोस एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। 2004 की भीषण सुनामी के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राहत कार्यों ने उनके जीवन को एक नया मकसद दिया। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने 'द फाउंडेशन' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज से हर प्रकार के भेदभाव को मिटाना है।

पृथ्वीराज और मोहनलाल के साथ 'खलीफा' में दिखेंगी मालविका

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।

मेरे जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।

चिली के क्लब कोलो कोलो से जुड़ेंगे

फीफा वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर वोजिन्हा

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से दुनिया का ध्यान खींचने वाले केप वर्डे के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा अब चिली के मशहूर फुटबॉल क्लब कोलो कोलो से जुड़ने जा रहे हैं। क्लब के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने इस समझौते की पुष्टि की है। 40 वर्षीय वोजिन्हा फिलहाल 'फ्री एजेंट' (किसी भी क्लब से अनुबंध नहीं) हैं। वह अगले कुछ दिनों में मेडिकल जांच के लिए चिली जाएंगे। मेडिकल टेस्ट पूरा होने के बाद उनके साथ आधिकारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे और फिर एस्टाडियो मॉन्यूमेंटल में उन्हें क्लब अपने नए खिलाड़ी के रूप में पेश करेगा। कोलो कोलो के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने बताया कि वोजिन्हा जल्द ही चिली पहुंचेंगे। सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें टीम का हिस्सा बना लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन की

बदौलत वोजिन्हा को यह बड़ा मौका मिला है। इसके साथ ही उन्होंने माना कि इस ट्रांसफर से क्लब को खेल के साथ-साथ व्यावसायिक स्तर पर भी फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी इस ट्रांसफर की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कोलो कोलो ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा कर इसके संकेत दे दिए हैं। तस्वीर में वोजिन्हा के घुंघराले बाल दिखाई दे रहे थे, जिसके बाद क्लब के प्रशंसकों ने उनके आने की अटकलें तेज कर दी हैं। वर्ल्ड कप से पहले वोजिन्हा ने पुर्तगाल के दूसरे डिवीजन के क्लब चावेस को छोड़ दिया था। इसके बाद विश्व कप में अपने प्रदर्शन से वह हर किसी का दिल जीतने में सफल रहे। फीफा की फैन वोटिंग से चुनी गई वर्ल्ड कप ड्रीम टीम में भी वोजिन्हा को जगह मिली।

'मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं' : निकोलस

इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने

अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है।'

ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू बोलीं-

'मेरा ध्यान रिकॉर्ड पर नहीं, प्रदर्शन पर था'

ग्लासगो (एजेंसी)। भारत की भारोत्तोलन क्वीन मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जो कुछ भी कर सकती थी, वह सब किया। मुझे खुशी है कि मैंने इन खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है। मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया। साथ ही, उन्होंने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। मीडिया से बात करते हुए मीराबाई चानू ने कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना कॉमनवेल्थ गेम्स में जाने का रहता है। ये गेम्स हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं, ताकि हम देश के लिए कुछ करके दिखाएं। हर प्रतियोगिता में दबाव होता है, लेकिन हमें उसे संभालना होता है। यह मेरे लिए खास तौर पर अहम था क्योंकि मैं वेटलिफ्टिंग में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती थी और भारत के लिए मेडल जीतना चाहती थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जो कुछ भी कर सकती थी, वह सब किया। मुझे खुशी है कि मैंने इन खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं असल में कोई रिकॉर्ड तोड़ने के बारे में नहीं सोच रही थी क्योंकि 48 किलोग्राम वर्ग अब कॉमनवेल्थ गेम्स का हिस्सा नहीं रहेगी। मेरा ध्यान अपने प्रदर्शन पर था और यह समझने पर कि एशियाई खेलों से पहले मुझे किन सुधारों की जरूरत है।'

मीराबाई चानू ने यह भी बताया कि उनके कोच ने बोला कि ये करना है, तो मैंने बोला कि ठीक है मैं कर लूंगी, लेकिन रिकॉर्ड के लिए मैंने इतना नहीं सोचा था।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरे सीजन में जीता सोना

स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। मीराबाई ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए सोना अपने नाम किया और कॉमनवेल्थ गेम्स में ये उनका लगातार तीसरा गोल्ड मेडल रहा। मीराबाई ने ये कमाल महिलाओं की 48 किलोग्राम भारवर्ग की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में किया। मीराबाई की यह जीत धमाकेदार इसलिए भी रही क्योंकि उन्होंने दूसरे स्थान पर रहीं नाइजीरिया की रुथ न्योंग से 22 किलोग्राम अधिक वजन उठाया। पीएम मोदी ने भी मीराबाई को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मीराबाई चानू ने लगाई गोल्ड की हैट्रिक

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की शानदार हैट्रिक लगाई और उनका पहला कॉमनवेल्थ मेडल भी ग्लासगो में ही आया था। 2014 के गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था और इसके बाद उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट में इसे गोल्ड मेडल में बदला और फिर बर्मिंघम 2022 में अपना टाइटल बरकरार रखा। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक्स में भी सिल्वर मेडल जीता और ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय बनीं थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स में ये मीराबाई चानू का चौथा पदक रहा और इसमें 3 गोल्ड व एक सिल्वर मेडल शामिल है। मीराबाई का मुकाबला इस प्रतियोगिता में असल में खुद से ही था। स्नैच में अगला सबसे अच्छा पहला लिफ्ट नाइजीरिया की रुथ असुकुओ न्योंग का 71 किलोग्राम था, जिन्होंने बाद में सिल्वर मेडल जीता।

ग्लास्गो में छाए भारतीय वेटलिफ्टर्स

राजा मुथुपांडी ने दिलाया चौथा पदक

भारत आठवें स्थान पर

इससे पहले ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक दिलाया। भारत को पहला पदक शुक्रवार को पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुषों के हेवीवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर दिलाया था। वेटलिफ्टर्स के दबदबे से भारत की पदक संख्या बढ़कर चार (एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य) हो गई। पदक तालिका में भारत आठवें स्थान पर है।

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के चौथे दिन रविवार (27 जुलाई) को भारतीय वेटलिफ्टर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। राजा मुथुपांडी ने वेटलिफ्टिंग में भारत को तीसरा पदक दिलाया। ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में यह भारत का चौथा पदक था। राजा ने अपने डेब्यू को यादगार बनाते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। मुथुपांडी ने स्नैच में 126 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 160 किग्रा वजन उठाया। उन्होंने कुल 286 किलोग्राम का वजन उठाया। मलेशिया के मुहम्मद अजनिल बिन बिदिन ने राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड के साथ कुल 299 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू ने 282 किग्रा के कुल भार के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में नहीं कर पाए थे क्वालिफाई

26 साल के इस खिलाड़ी की 2019 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में स्नैच के दौरान दाहिनी कोहनी में लिगामेंट फट गया था, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत पड़ी थी। इसके बाद वह लंबे समय तक ट्रेनिंग नहीं कर पाए। उन्होंने 2021 नेशनल चैंपियनशिप में वापसी की थी, जहां वह तीसरे स्थान पर रहे। वह कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए थे।

मुझे लगता है मुझे काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा: मयंक

नई दिल्ली । भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 7 विकेट से हराया। जिम्बाब्वे से मिले 126 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने आसानी से 13.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की जीत में गेंद से अहम योगदान मयंक यादव ने दिया। उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए। लंबे समय बाद टीम में लौटे मयंक अपने प्रदर्शन से काफी खुश नजर आए। हालांकि, मयंक ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनको काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा है। मैच के दौरान मयंक ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल था, खासकर दो साल का गैप एक चुनौती थी, क्योंकि उम्र मेरे साथ नहीं थी। मैं सिर्फ 22-23 साल का था। मुझे लगा कि काफी कम उम्र में ही मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा। हालांकि, देश के लिए खेलने का मोटिवेशन हमेशा बना रहा। इसी वजह से मैं वापसी करना चाहता था और वैसा ही प्रदर्शन करना चाहता था जैसा पहले किया था।' टीम के अन्य गेंदबाजों संग बातचीत को लेकर पूछे गए सवाल पर मयंक ने कहा, 'हम पेस के बारे में ज्यादा बात नहीं करते, लेकिन हमारी बॉन्डिंग अच्छी है। इस मुकाबले में मैंने पहला ओवर डाला, इसके बाद मैंने प्रिंस और अशोक के साथ कुछ बातें शेयर कीं, जैसे कि मुझे कैसी मदद मिल रही थी और अटैक करने के लिए बेहतर विकल्प क्या थे। पहले छह ओवर के बाद हम बहुत अच्छी स्थिति में थे। इसलिए हमारी बातचीत इस बारे में थी कि हम उन पर और कितना दबाव बना सकते हैं और किस तरह की और गेंदें डाल सकते हैं।' मयंक ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए ब्रायन बेनेट को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। वहीं, डायोन मायर्स को उन्होंने 6 रनों के स्कोर पर आउट किया। दो विकेट चटकाने के साथ-साथ मयंक बेहद किफायती रहे और उन्होंने बेहतरीन लाइन एंड लेंथ पर गेंदबाजी की। मयंक को दूसरे छोर से प्रिंस यादव और अशोक शर्मा का भी अच्छा साथ मिला। प्रिंस ने 29 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। मयंक को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

वैभव 16 साल की उम्र से पहले यह खास कमाल करने वाले पहले बैटर बने

तोड़ा नेपाल के कुशल माला का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20आई मुकाबले में भी अर्धशतक लगाया जो इस सीरीज में उनका दूसरा अर्धशतक रहा। अपना दूसरा अर्धशतक लगाते ही वैभव ने वो रिकॉर्ड बना दिया जो उनसे पहले किसी ने नहीं बनाया था और उन्होंने नेपाल के बैटर कुशल माला का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव ने तोड़ा कुशल माला का रिकॉर्ड- वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे मैच में 31 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वो इस मैच में धैर्य से बैटिंग करते हुए नजर आए और उनका शॉट सेलेक्शन भी इस मैच में शानदार रहा। वैभव ने इस सीरीज में अपना दूसरा अर्धशतक लगाया और वो अब मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 साल की उम्र से पहले दो बार 50 प्लस की पारी खेलने वाले पहले बैटर बने। वैभव ने नेपाल के बैटर कुशल माला का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50 प्लस की पारी खेलने का कमाल किया था।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा गुरबाज का 7 साल पुराना रिकॉर्ड

T20- में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले टॉप-8 टीनएजर

नई दिल्ली। वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में 81 रन की बेहतरीन पारी खेली और अफगानिस्तान के बैटर रहमानुल्लाह गुरबाज का 7 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वैभव अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर टीनएजर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। वहीं वो भारत की तरफ से टी20आई में बतौर टीनएजर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बैटर भी बने।

वैभव ने गुरबाज को पीछे छोड़ा- वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रन की पारी खेलते ही रहमानुल्लाह गुरबाज का 7 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया और बतौर टीनएजर टी20आई में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए जबकि गुरबाज तीसरे नंबर पर चले गए। गुरबाज ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 79 रन की पारी खेली थी।

रेसलमेनिया के बाद दूसरा सबसे बड़ा इवेंट

कैसे हुई थी 38 साल पहले शुरुआत

नई दिल्ली। 2026 का आयोजन 1 और 2 अगस्त को होने वाला है। उससे पहले कंपनी के इस सालाना मेगा इवेंट के इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि यह तकरीबन चार दशक पुरानी प्रतियोगिता है। वर्तमान में यह रेसलमेनिया, रॉयल रम्बल, सर्वाइवर सीरीज और मनी इन द बैंक के साथ WWE के 'Big Five' इवेंट्स में शामिल है। इस साल समरस्लैम का 38वां संस्करण होने वाला है। ओबा फेमी और ब्रॉक लैसनर का केज मैच (Hell In A Cell) पर सभी की नजरें होंगी। इसके अलावा मौजूदा चैंपियन रोमन रेंस की भिड़ंत सैथ रॉलिंस से होने वाली है। ऐसे ही कई धमाकेदार मुकाबलों का गवाह इस साल बनेगा मिनियापोलिस स्थित यूएस बैंक स्टेडियम।

WWE SummerSlam की शुरुआत कैसे हुई?

SummerSlam का पहला आयोजन 29 अगस्त 1988 को अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुआ था। उस समय WWE के चेयरमैन विंस मैकमैहन ने प्रोफेशनल रेसलिंग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अगस्त महीने के लिए एक बड़े पे-पर-व्यू इवेंट के रूप में इसकी शुरुआत की थी। इससे पहले कंपनी रेसलमेनिया, रॉयल रम्बल और सर्वाइवर सीरीज जैसे बड़े इवेंट आयोजित कर चुकी थी। 1980 के दशक के आखिर में WWF की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी National Wrestling Alliance (NWA) की Jim Crockett Promotions थी। Starrcade, Bunkhouse Stampede और Clash of the Champions जैसे इवेंट्स के जवाब में WWF ने लगातार नए मेगा इवेंट लॉन्च किए। इसी के खिलाफ एक रणनीति का हिस्सा था SummerSlam, जिसने बाद में कंपनी के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में जगह बना ली।

कोरोना महामारी के दौरान बायो-सिक्योर बबल में आयोजन

2020 में कोरोना महामारी के कारण SummerSlam का आयोजन दर्शकों के बिना WWE ThunderDome से किया गया। यह WWE का पहला बड़ा पे-पर-व्यू और लाइव स्ट्रीमिंग इवेंट था, जिसे बायो-सिक्योर बबल के अंदर आयोजित किया गया। ThunderDome में करीब 1,000 LED स्क्रीन लगाई गई थीं, जिनके जरिए दुनिया भर के प्रशंसक वर्चुअली कार्यक्रम का हिस्सा बने। इसके अलावा ड्रोन, लेजर, पायरो, स्मोक और डिजिटल प्रोजेक्शन का उपयोग रेसलरों की एंट्री को खास बनाने के लिए किया गया।

1988 से शुरू हुआ SummerSlam आज WWE के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में शामिल है। 1992 का ऐतिहासिक वेम्बली शो, ThunderDome युग, रिकॉर्ड कमाई वाला 2023 संस्करण और 2025 से दो दिनों के इस आयोजन की शुरुआत जैसे कई महत्वपूर्ण पड़ाव इस इवेंट को खास बनाते हैं। समय के साथ इसके प्रसारण, आयोजन स्थल और प्रारूप में बदलाव जरूर हुए हैं, लेकिन SummerSlam आज भी WrestleMania के बाद WWE का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारत के युवाओं का भविष्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और समान अवसरों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर हर छात्र की आकांक्षाओं की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक जैसी अनियमितताओं के खिलाफ सख्त

कार्रवाई करने और मजबूत कानूनी प्रावधानों के जरिए परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अवसरों का विस्तार, स्टार्टअप और नवाचार को निरंतर प्रोत्साहन तथा विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था के माध्यम से हर युवा को सशक्त बनाना सरकार का लक्ष्य है। रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की सोच हर युवा को आगे बढ़ने का अवसर देने और देश के भविष्य को मजबूत बनाने की है।

वसंत कुंज हादसे में तीन दिन बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं, खुले नाले में कार गिरने से हुई थी छात्र की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। वसंतकुंज साउथ थाना क्षेत्र स्थित नांगल देवत लाल बत्ती के पास तीव्र मोड़ पर फिसलकर एक कार खुले नाले में जा गिरी और पलट गई। हादसे में एक 20 वर्षीय छात्र यशवेन्द्र की मौत हो गई। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी दिल्ली पुलिस यह तय नहीं कर पाई है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदारी आखिर किस विभाग की है। जिम्मेदारी तय न होने से अब तक एफआइआर भी दर्ज नहीं हो पायी है। पुलिस की प्राथमिक जांच के दौरान सामने आया था कि यह खुला नाला डीडीए का है, जिसे निमार्णाधीन कार्य के चलते खुला छोड़ गया था। प्राधिकरण की ओर से हादसा सामने आने के बाद बताया गया कि मोड़ स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए दिल्ली ट्रेफिक पुलिस को पत्र लिखा था, जिसकी एनओसी नहीं मिली। सूत्रों के मुताबिक स्पीड ब्रेकर न होने के चलते मोड़ पर तेज रफ्तार गाड़ियों के हादसे का शिकार होने की आशंका बनी रहती है।

कैप्टन गौड़ मार्ग का कट पूरी तरफ बंद, इस्कॉन मंदिर रोड पर नहीं लगेगा जाम

नईदिल्ली, एजेंसी। ईस्ट आफ कैलाश की ओर से आने पर कैप्टन गौड़ मार्ग पर बनने वाला तिराहा न केवल ट्रैफिक पुलिस के लिए सिरदर्द था, बल्कि राजा धीर सेन मार्ग की कालोनियों के लिए परेशान बन गया था। पीक समय यानी सुबह व शाम को कई बार वाहनों की कतार कैप्टन गौड़ मार्ग पर पीछे ओखला मंडी तक और दूसरी तरफ बढ़कर रिंग रोड तक पहुंच जाती थी। स्थानीय आरडब्ल्यूए के सुझाव पर मई में दो सप्ताह के ट्रायल के तौर ट्रैफिक पुलिस ने बैरिकेड लगाकर इस तिराहे को बंद किया था। इसके चलते कैप्टन गौड़ मार्ग से लेकर राजा धीर सेन मार्ग पर लगने वाला जाम काफी हद तक नियंत्रित हो गया। ट्रायल सफल होने पर पर अब इसे स्थाई तौर पर बंद कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत आवागमन के लिए कैप्टन गौड़ मार्ग कट से 100 मीटर आगे व पीछे यू-टर्न दिया गया है। अब राजा धीर सेन मार्ग से ओखला मंडी की तरफ जाने के लिए तिराहे से बायीं तरफ 100 मीटर आगे जाकर यू-टर्न लेना होगा। वहीं रिंग रोड की तरफ से राजा धीर सेन मार्ग (इस्कॉन मंदिर की ओर) जाने वालों को कैप्टन गौड़ मार्ग पर तिराहे के 100 मीटर आगे से यू-टर्न लेकर जाना होगा। श्रीनिवासपुरी पार्षद राजपाल सिंह ने कहा कि इससे निश्चित रूप से स्थानीय निवासियों को काफी राहत मिल रही है। क्षेत्र को जाम से मुक्त रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस की यह पहल सराहनीय है।

कई राजनीतिक दल छात्र आंदोलनों से ही निकले

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म...अब क्या राजनीति में एंट्री करेंगे दीपके !

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन खत्म हो गया है। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद नई दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी प्रदर्शन क्षेत्र की साफ-सफाई करने में जुटे हैं। वहीं, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक भी वापस लौट चुके हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि सीजेपी अब आगे क्या करेगी? क्या दीपके कोई अपनी कोई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे या किसी दूसरी पार्टी में शामिल होंगे?

जंतर-मंतर पर चले इस आंदोलन को पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताया गया, हालांकि इसके मंच पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद पवार गुट) सहित कई विपक्षी नेताओं ने हिस्सा लिया। फिल्म और खेल जगत की कुछ हस्तियां भी आंदोलन के समर्थन में दिखाई दीं। इसके बावजूद ष्टछ्वक्रने खुद को किसी राजनीतिक दल के रूप में पेश नहीं किया। जेएनयू के सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. सुधीर कुमार ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि, सीजेपी ने अब तक अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई संकेत नहीं दिया है। उनके मुताबिक, इस आंदोलन ने छात्रों में नई ऊर्जा पैदा की है। पिछले कई वर्षों में शिक्षा से जुड़े कई आंदोलन हुए, लेकिन सीजेपी ने उन्हें फिर से सक्रिय करने का काम किया। साथ ही विपक्षी दलों ने भी छात्रों की मांगों को गंभीरता से उठाना शुरू किया।

वहीं, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष का कहना है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उनके मुताबिक, इस आंदोलन ने यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक तरीके से सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। हालांकि उनका मानना है कि सीजेपी को राजनीतिक पार्टी नहीं बनना चाहिए। उनके अनुसार, यदि यह आंदोलन राजनीतिक दल में बदलता है तो इसकी नैतिक ताकत और विश्वसनीयता कमजोर पड़ सकती है।

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज के पूर्व निदेशक डीएम दिवाकर की राय अलग है। उनका कहना है कि भारत में कई राजनीतिक दल छात्र आंदोलनों से ही निकले हैं। उन्होंने 1974 के जेपी आंदोलन और बाद में बनी जनता पार्टी का उदाहरण दिया। उनके मुताबिक, सीजेपी भले ही खुद को राजनीतिक

दल नहीं कह रही हो, लेकिन उसके मुद्दे और बयान राजनीतिक हैं। इसलिए भविष्य में इसके राजनीतिक मंच बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया से सड़क तक का सफर: सीजेपी की शुरुआत सोशल मीडिया पर एक व्यंग्य के रूप में हुई थी। मई में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच' शब्द सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद सीजेपी नाम से वेबसाइट बनी, सोशल मीडिया पर लाखों लोग जुड़े और नीट पेपर लीक के मुद्दे पर अभियान शुरू हुआ। 6 जून को पहला प्रदर्शन हुआ और 20 जून से जंतर-मंतर पर लगातार आंदोलन शुरू हो गया। आखिरकार एक महीने बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

विश्लेषकों का कहना है कि इस आंदोलन ने यह दिखाया कि आज के युवा केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहना चाहते। वे नीतियों और फैसलों में अपनी भागीदारी भी चाहते हैं। वहीं आशुतोष का मानना है कि सीजेपी ने जेन-जी के अंदर लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत किया है। इस आंदोलन ने यह धारणा भी बदली कि आज के युवा केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं।

सीजेपी का आगे क्या होगा?

फिलहाल सीजेपी का आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन इसकी चर्चा अभी खत्म नहीं हुई है। कुछ विशेषज्ञ इसे एक सफल छात्र आंदोलन मानते हैं, जबकि कुछ इसके भीतर भविष्य की राजनीतिक ताकत देखते हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि सीजेपी नए मुद्दों पर फिर सक्रिय होती है या इसके उठाए गए मुद्दों को विपक्षी दल आगे बढ़ाते हैं। इतना तय है कि इस आंदोलन ने देश में छात्र राजनीति और लोकतांत्रिक भागीदारी पर नई बहस जरूर शुरू कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट, गर्मी और उमस से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच सोमवार को दिल्ली- एनसीआर में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का पूर्वानुमान है। हालांकि उमस भी परेशानी करेगी, लेकिन बारिश से कुछ राहत मिलने के आसार हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि बादलों की आवाजाही रहेगी, कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश भी संभावित है। अलबत्ता अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा।

सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बीच बीच मे धूप खिले रहने पर उमस से भी परेशानी होगी। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं।

दिनभर रही धूप छाया, उमस भरी गर्मी से परेशान रहे लोग: सुबह से शाम तक दिनभर रविवार को आसमान में बादल मंडराते रहने की वजह से धूप

छाया का मौसम रहा। तेज धूप रहने की वजह से दिन में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। हालांकि शाम को गर्मी से हल्की राहत रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रह सकते हैं। लेकिन तेज धूप निकलने पर गर्मी का एहसास हो सकता है। पिछले करीब दो हफ्ते से आसमान में बादल मंडराते रहने के साथ धूप छाया का मौसम बना हुआ है। बीच में दो तीन दिन वर्षा भी हुई थी। जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। उधर, सोमवार को सुबह 10 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 101 दर्ज किया गया। इसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। हाल फिलहाल इसमें खास बदलाव नहीं होगा।

इंस्टाग्राम पर छाई दिल्ली की शिक्षिका, सुमी सियाग की अनोखी पहल ने जीता यूजर्स का दिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर यूजर्स का दिल जीत रहा है। शिक्षिका की इस अद्भुत पहल की हर कोई तारीख कर रहा है। सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम प्लेटफार्म पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कैसे एक सरल और कम लागत वाला तरीका नन्हे बच्चों को उनके स्कूल में दिन की शुरुआत से ही आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी सिखा रहा है। शिक्षिका सुमी सियाग ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्कूल के बच्चों का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसका शीर्षक है 'मेरे नन्हे बच्चे, कमान संभाल रहे हैं'। वीडियो में सबसे पहले शिक्षिका क्लास रूम में प्रवेश करती दिखाई दे रही हैं। इसके बाद बच्चे क्लास के अंदर प्रवेश करते हैं और बच्चे सीट पर बैठने के बजाय दीवार लगे रंगीन बोर्ड के जरिए अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। बता दें कि दीवार पर लगे रंगीन बोर्ड पर कुछ खाली माचिस की डिब्बियों की पंक्तियां बनी हैं। खास बात यह है कि इन सभी माचिसों के ऊपर बच्चों की तस्वीर लगी है। प्रत्येक माचिस की डिब्बी के अंदर '' (अनुपस्थित) और 'क्क' (उपस्थित) अक्षर लिखे हैं।

पीओके में विरोध प्रदर्शन के बीच चुनाव

जानलेवा झड़पों और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पीओके में होने जा रहे चुनाव, हिंसा की आशंका के बीच सख्त पहरा

इस्लामाबाद , एजेंसी। लगातार हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के बीच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तथाकथित विधानसभा के लिए आज

चुनाव होने जा रहे हैं। पीओके में 45 सीटों के लिए चुनाव 10 अगस्त तक तीन चरणों में होंगे।

पहले चरण में सोमवार को मीरपुर डिवीजन के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी। इसके बाद 2 अगस्त को मुजफ्फराबाद डिवीजन के नौ निर्वाचन क्षेत्रों और सभी 12 रिफ्यूजी निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी और 10 अगस्त को पूंछ डिवीजन के बाकी 11 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी। तैनात किए गए 14 हजार पुलिसकर्मी चुनाव से पहले पाकिस्तान के पंजाब प्रांत ने चुनाव सुरक्षा के लिए पीओके में 14,000 पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। एक पाकिस्तानी सरकारी अधिकारी ने बताया, पंजाब सरकार ने कश्मीर सरकार के अनुरोध पर कश्मीर चुनाव सुरक्षा ड्यूटी के लिए पंजाब पुलिस के 14,000 कर्मियों को भेजा है। अधिकारी ने आगे कहा, इनमें से 30 प्रतिशत के पास हथियार हैं और 70 प्रतिशत दंगा-रोधी उपकरणों से लैस हैं।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा इस महीने की शुरुआत में पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने की थी। विधानसभा में 53 सीटें हैं, जिनमें से 45 पर सीधे चुनाव होते हैं जबकि आठ सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट और धर्मगुरुओं के लिए आरक्षित हैं। कुल सीटों में से 12 सीटें उन रिफ्यूजी के लिए आरक्षित हैं जो 1947 के बाद पीओके में बस गए थे। इस बीच गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनाव 7 जून को हुए थे।

ये चुनाव इलाके में लंबे समय से चल रही अशांति के माहौल में हो रहे हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी ने लगभग दो महीनों तक विरोध-प्रदर्शन की अगुवाई की और कई अन्य मांगों के साथ-साथ शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की।

ये प्रदर्शन सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़पों में बदल गए, जिसमें पाकिस्तानी अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों दोनों के हताहत होने की बात कही गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अशांति के बाद क्षेत्रीय सरकार ने आतंकवाद-रोधी कानून के तहत जैक पर प्रतिबंध लगा दिया और अधिकारियों ने झड़पों से पहले और बाद में 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का मुकाबला पाकिस्तान पीपल्स पार्टी से है जो केंद्र सरकार में उसकी सहयोगी पार्टी है।

● सार्वजनिक जगह पर हुई गोलीबारी

पहले बात की, फिर मार दी गोली... कनाडा में टारगेट अटैक में भारतीय मूल की युवती की मौत

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध की पहचान शरणजीत सिंह के तौर पर हुई है। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर और अंडरटेकिंग का पालन न करने का आरोप लगाया गया है।

टोरंटो पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7-23 बजे (श्वस्ञ्ज) उन्हें गोली चलने की सूचना मिली, जिसके बाद उनके अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें कौर गोली लगी हालत में मिली। सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई और जान बचाने की कोशिशें भी की

गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

घटनास्थल से भागते दिखा संदिग्ध

ड्यूटी इंस्पेक्टर स्कॉट ब्रैडबरी ने मीडिया को बताया कि गोलीबारी किसी घर में नहीं बल्कि बाहर सार्वजनिक जगह पर हुई। अधिकारी ने बताया कि एक पुरुष संदिग्ध को घटनास्थल से भागते हुए देखा गया। पुलिस ने संदिग्ध का पता लगाने के लिए कई संसाधनों का इस्तेमाल किया, जिनमें ड्रोन और के9 यूनिट शामिल थे।

चश्मदीद ने क्या बताया?

एक चश्मदीद ने सीबीसी न्यूज को बताया कि वे बाहर सुबह की कॉफी पी रहे थे तभी उन्होंने पीड़ित महिला को हम्बरवुड पर पूरब की ओर जाते देखा। फिर उन्होंने एक आदमी को उस महिला के पीछे-पीछे जाते देखा।

गवाह ने बताया कि संदिग्ध ने पीड़िता से कुछ कहा, जिससे वह पीछे मुड़ी। थोड़ी बातचीत के बाद उस आदमी ने उसे एक गोली मारी और फिर बंदूक लेकर भाग गया। गवाह ने आगे कहा कि ऐसा नहीं लग रहा था कि वे दोनों व्यक्ति बहस कर रहे थे।

पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें लगता है कि कौर की हत्या एक टारगेटेड हमला थी और अब कोई संदिग्ध नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि गोली मारने के पीछे की वजह अभी साफ नहीं है और पुलिस की होमिसाइड टीम अब इस मामले की जांच कर रही है।

भारत के छात्रों पर हम सभी को गर्व, लंदन में हो रहे विरोध प्रदर्शन में बोलीं ग्रेटा थनबर्ग

लंदन , एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने नीट पेपर लीक मामले और शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के खिलाफ भारत में हुए 36 दिवसीय छात्र आंदोलन का समर्थन किया है। और कहा कि भारतीय छात्रों पर हम सभी को गर्व है।

ग्रेटा थुनबर्ग ने लंदन में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा चल रहे प्रदर्शन को संबोधित करते हुए थनबर्ग ने कहा कि भारतीय छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने जनशक्ति का सच्चा अर्थ दिखाया है और पूरे विश्व को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों ने एक उद्देश्य के लिए एकजुट होकर खड़े होकर दुनिया भर के

युवाओं को गौरवान्वित किया है, जिससे यह उम्मीद जगी है कि जब लोग एक साथ आते हैं और विरोध करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है।

भारतीय छात्रों का न्याय, लोकतंत्र और मुक्ति के लिए संघर्ष हमारा भी संघर्ष है। इसलिए अब हम सभी को एकजुट होकर भारत के साथ एकजुटता से उठ खड़ा होना होगा। जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में लंदन में एसएफआई ने कहा, एसएफआई यूके छात्र आंदोलन के संघर्ष और शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने में मिली सफलता को सलाम करता है। यह संघर्ष बेहद प्रेरणादायक और साहसी रहा है।

फ्लाइट से उतरते ही क्यों बिगड़ जाता है पेट: शोध में चौंकाने वाला खुलासा; सामने आई 'गट जेट लैग' की सच्चाई

वारसा, एजेंसी। लंबी दूरी की हवाई यात्रा के बाद होने वाला जेट लैग केवल नींद और थकान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आंतों में मौजूद बैक्टीरिया के संतुलन को भी प्रभावित करता है। पोलैंड की व्रोकलॉ मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, कई टाइम जोन पार करने पर शरीर की जैविक घड़ी के साथ आंतों के सूक्ष्मजीवों की दैनिक लय भी बिगड़ जाती है। न्यूट्रिएंट्स पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में इस स्थिति को 'गट जेट लैग' कहा गया है। अध्ययन के अनुसार, मस्तिष्क में मौजूद जैविक घड़ी नींद, भूख और हार्मोन को नियंत्रित करती है, जबकि आंतों के बैक्टीरिया भी दिन-रात के अनुसार सक्रिय रहते हैं। यात्रा के दौरान रोशनी, नींद और भोजन का समय अचानक बदलने से गट-ब्रेन एक्सिस प्रभावित होता है। इसके कारण पाचन संबंधी समस्याएं, खराब नींद और ऊर्जा में कमी जैसी दिक्कतें सामने आ सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे बचाव के लिए यात्रा से कुछ दिन पहले ही गंतव्य के समय के अनुसार सोने-जागने का अभ्यास करना चाहिए। उड़ान के दौरान और वहां पहुंचने के बाद स्थानीय समय के अनुसार भोजन करना चाहिए तथा रात में भारी भोजन से बचना चाहिए। पर्याप्त पानी पीना, नियमित नींद लेना और दिन में प्राकृतिक रोशनी के संपर्क में रहना शरीर को नई दिनचर्या के अनुरूप ढालने में मदद करता है। आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह से प्रोबायोटिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है। भोजन के समय में अचानक बदलाव से पाचन एंजाइमों और पित्त के स्राव पर असर पड़ता है। इससे पेट फूलना, भारीपन, भूख में बदलाव और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रशिक्षु आईएएस-सह-एसी ने बोकारो जिला के आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को प्रशिक्षु आईएएस-सह-सहायक समाहर्ता (एसी) डॉ. अरविंद राधाकृष्णन ने चास शहरी क्षेत्र अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र जामगोड़िया-1 एवं आंगनबाड़ी केंद्र चास ऊपर टोला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण, प्री-स्कूल गतिविधियों, साफ-सफाई तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सेविका एवं सहायिका से केंद्र के संचालन, लाभुकों की संख्या, टीकाकरण, पोषण ट्रैकिंग तथा अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्रों में नियमित उपस्थिति, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी सेवाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। मौके पर डीएसडब्ल्यू डॉ. सुमन गुप्ता, एलएस मधु कुमारी आदि उपस्थित थे।

गौ रक्षा अभियान के तहत बोकारो में पैदल मार्च, डीसी को सौंपा ज्ञापन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देशव्यापी गौ रक्षा अभियान के तहत बोकारो में गौ रक्षा से जुड़े लोगों ने पैदल मार्च निकालकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा। ज्ञापन में चार प्रमुख मांगें रखी गईं। इनमें देशभर में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध, गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने, गौ मंत्रालय के गठन तथा गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग शामिल है। प्रदर्शन के दौरान गौ

संरक्षण के समर्थन में नारे लगाए गए और लोगों से अभियान से जुड़ने की अपील की गई। अभियान से जुड़े छत्रवली पंडित ने कहा कि यह आंदोलन साधु-संतों के मार्गदर्शन में चल रहा है और इसका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति में पूजनीय है, इसलिए समाज के हर वर्ग को गौ संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। संगठन ने गौ रक्षा को संस्कृति, कृषि और समाज की सुरक्षा से भी जोड़ा।

ब्रह्मर्षि परिवार की बैठक में संगठन को सशक्त बनाने पर मंथन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की मासिक बैठक चीरा चास स्थित के.के. सिंह कॉलोनी में राम विलास सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन अनुरंजन शर्मा ने किया। राम विलास सिंह ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और सक्रिय सदस्यता में निहित है। उन्होंने सभी सदस्यों से समाज हित में समर्पित भाव से कार्य करने तथा अधिक से अधिक लोगों को ब्रह्मर्षि परिवार से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में कमलेश राय, दीपक कुमार मिश्रा, नागनारायण प्रसाद शाही, राकेश मधु, कामेश्वर सिंह, दीनदयाल शर्मा, सुजीत कुमार सिंह, श्रीकांत सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, सर्वेश चौधरी, एस. एन. शर्मा, प्रभात कुमार, के. के. सिंह, रवीन्द्र कुमार, बी. के. सिंह, मदन प्रसाद सिंह, सुशील कुमार ठाकुर, संजय कुमार, राकेश कुमार सिंह, अमर नाथ प्रसाद सिंह, नवल किशोर शर्मा, अवधेश सिंह, श्याम मनोहर सिंह, बिरेन्द्र चौधरी, सियाराम शर्मा, विकास ठाकुर, अरविन्द पाण्डेय, पियूष कुमार राय, अजीत कुमार ठाकुर, आलोक कुमार, रूपेश कुमार, अनिल कुमार, दुर्गेश कुमार, श्रीकृष्ण पाण्डेय, सुनील कुमार, जितेन्द्र कुमार, राम कुमार सिंह, एस. के. राय, त्रिपुरारी कुमार राय, पंकज कुमार सिंह, हरिओम, अभय कुमार 'मुन्ना', काशीनाथ राय, मिथिलेश कुमार पाण्डेय, साधु शरण सिंह, रणधीर कुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

पीड़िता को एक माह बाद भी नहीं मिला न्याय, परिवार ने लगाई कार्रवाई की गुहार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोबिंदपुर थाना क्षेत्र के भीतिया गांव की रहने वाली तहमीना बीबी और उनके पति मुर्शीद अंसारी ने आरोप लगाया है कि 30 जून को पड़ोसियों द्वारा किए गए जानलेवा हमले के बावजूद उन्हें अब तक न्याय नहीं मिला है। पीड़ित परिवार के अनुसार मामूली विवाद के बाद जाहिद हुसैन अंसारी, बुलबुल, अशरफ, नजबुन निशा और नूरजहां ने उन पर हमला किया, जिसमें तहमीना बीबी के सिर पर कुदाली से वार किए जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद गोबिंदपुर थाना में

प्राथमिकी दर्ज कराई गई, लेकिन एक माह बीत जाने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि वे न्याय की उम्मीद में लगातार गोबिंदपुर थाना, जिले के वरीय अधिकारियों और स्थानीय विधायक के पास गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें राहत नहीं मिली। उनका आरोप है कि कार्रवाई नहीं होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और पूरा परिवार डर के माहौल में जीने को मजबूर है। हालांकि, इस मामले में पुलिस या आरोपित पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब सभी की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

एसआईआर : चास प्रखंड में 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूर्ण, अन्य क्षेत्रों में कार्य तेज करने के निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)- 2026 के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ)-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, चास प्रांजल ढांडा से अब तक गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्राप्त की। डीईओ सह डीसी ने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रखंडवार एवं शहरी क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान एईआरओ-सह-

प्रखंड विकास पदाधिकारी, चास डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि चास प्रखंड में गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में बताया गया कि जरीडीह क्षेत्र में 99.84 प्रतिशत, बीएस सिटी क्षेत्र में 85.63 प्रतिशत तथा चास नगर निगम क्षेत्र में 84.96 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। समीक्षा के दौरान डीईओ सह डीसी ने सभी एईआरओ एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित रणनीति के तहत शेष डिजिटाइजेशन कार्य आज ही देर रात तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां के एईआरओ एवं कर्मी बीएस सिटी एवं चास नगर निगम क्षेत्र के लंबित कार्यों में सहयोग करें, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। डीईओ सह डीसी ने सभी एईआरओ को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों की सतत समीक्षा करने तथा किसी भी स्तर पर लंबित कार्य नहीं रहने देने का निर्देश दिया। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, डीपीआरओ रवि कुमार, एईआरओ जरीडीह कुमार कनिष्क, एईआरओ चास डॉ. प्रदीप कुमार, एईआरओ बी.एस. सिटी सत्यवाला सिन्हा, एईआरओ चास नगर निगम श्रीमती जया कुमारी, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम से छात्राओं को किया गया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आजाद नगर, बोकारो में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बालिका शिक्षा, लैंगिक समानता, महिला अधिकार, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर ठगी से बचाव एवं डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 450 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए फैंसी ड्रेस, शुभकामना (ग्रीटिंग कार्ड) एवं नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई। उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अरविंद राधाकृष्णन ने एक पेड़ माँ के नाम तथा कारगिल के शहीदों की स्मृति में पौधारोपण किया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण विभाग की महिला पर्यवेक्षिकाएं, विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र कुमार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने छात्राओं से शिक्षा को जीवन का आधार बनाकर आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

बच्चों के अधिकारों को लेकर स्कूल इंटरवेंशन कार्यक्रम आयोजित

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी संस्था द्वारा कसमार प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जामकुदर में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं बच्चों के अधिकारों पर आधारित स्कूल इंटरवेंशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, संतुलित पोषण, स्वच्छता तथा बाल अधिकारों के प्रति

जागरूक करना था, ताकि वे सुरक्षित, स्वस्थ एवं सम्मानजनक वातावरण में अपना सर्वांगीण विकास कर सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी संस्था के परियोजना समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है और यही उसके उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनके अधिकारों के संबंध में भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान एवं समान अवसर प्राप्त करने का अधिकार है। साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, शोषण एवं किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार के विरुद्ध सजग रहने तथा ऐसी किसी भी घटना की जानकारी अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल अधिकारों से जुड़े विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। अंत में सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, स्वच्छता बनाए रखने, पौष्टिक भोजन करने तथा अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का संकल्प दिलाया गया। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका पुष्पांजलि देवी ने सहयोगिनी संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के ज्ञान, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें एक सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर संस्था की एनिमेटर रेखा देवी, शिक्षक मधुसूदन चंद्र पॉल, कालीचरण, राजेंद्र कुमार महतो, कुमारी पुष्पांजलि, टेकलाल महतो तथा राधिका, अजमेरन, जिल्लेहुमा, लक्ष्मी, मनीषा, नीरू सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

कोयलांचल में धूमधाम से मनाया गया मिथिलांचल मधुश्रावणी विशेष सावन महोत्सव

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिथिला की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को जीवंत रखने के उद्देश्य से सखी बहिनापा मैथिलानी समूह, धनबाद इकाई द्वारा कुसुम विहार स्थित डेस्टिनी मैरिज हॉल में 'मिथिलांचल मधुश्रावणी विशेष सावन महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवविवाहिताओं ने पारंपरिक विधि-विधान से मधुश्रावणी पर्व मनाया। सखी बहिनापा मैथिलानी समूह मैथिल महिलाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो मिथिला में नारी सशक्तिकरण के साथ-साथ मिथिला की सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक और भौगोलिक एकता के लिए लगातार काम कर रहा है। धनबाद इकाई द्वारा आयोजित यह महोत्सव इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास था। कार्यक्रम स्थल को मिथिला की संस्कृति के रंगों से सजाया गया था। यहां मिथिला के खान-पान, शादी में उपयोग होने वाली सामग्री, मिथिला चित्रकला, जनेऊ, सिक्की कला, दोपट्टा और पाग के विशेष स्टॉल लगाए गए थे। स्टॉलों पर मिथिलांचल की पारंपरिक वस्तुओं को देखकर उपस्थित लोगों को मिथिला की झलक मिली। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक मिथिला गीतों से हुई। इसके बाद मधुश्रावणी विशेष गीत, झिझिया और कजरी नृत्य तथा विद्यापति गीतों की सामूहिक प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण फूलडाली सज्जा प्रतियोगिता और रैंप वॉक रही, जिसमें नवविवाहिताओं ने पारंपरिक मिथिला परिधानों में हिस्सा लिया।

परंपरा और आधुनिकता का संगम

आयोजकों ने बताया कि मधुश्रावणी पर्व मिथिला क्षेत्र में नवविवाहित महिलाओं द्वारा सावन के महीने में मनाया जाने वाला एक विशेष त्योहार है। यह पर्व प्रेम, विश्वास और पारंपरिक मूल्यों का प्रतीक है। इस प्रतियोगिता और आयोजन का उद्देश्य आधुनिकता के साथ सामंजस्य बिठाते हुए अपनी प्राचीन परंपरा और संस्कृति का संरक्षण करना है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में झरिया विधायक रागिनी सिंह, डॉ. दीक्षा झा, डॉ. जयंती कश्यप और डॉ. ईशा रानी उपस्थित थीं। उन्होंने मिथिला संस्कृति को जीवित रखने के लिए सखी बहिनापा समूह के प्रयासों की सराहना की।

डांस दीक्षा झा और डेंटल क्लिनिक का सहयोग

इस आयोजन को सफल बनाने में डांस दीक्षा झा और आविष्कार डेंटल क्लिनिक का विशेष सहयोग रहा। संस्था को क्लिनिक की ओर से 15,000 रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई। सखी बहिनापा धनबाद इकाई ने इसके लिए आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में रुबी खान, रंजू झा, रीता मिश्रा, विनीता चौधरी, प्रीति ठाकुर, बेला झा, सुनीता झा, पूनम झा, सीमा झा, लीना झा, नेहा झा, स्वाती झा, प्रियंका झा, रानी झा, अनामिका झा कंचन झा सहित 100 से अधिक सक्रिय सखियां मौजूद थीं। सखियों ने कहा कि "सखी बहिनापा धनबाद समूह मिथिलांचल की विलक्षण परंपरा को अक्षुण्ण रखने का दूसरा नाम है।" उन्होंने संकल्प लिया कि वे आगे भी मिथिला की भाषा, कला और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम करती रहेंगी। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भजन और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

तोपचांची पुलिस ने पकड़ा गौवंश से भरा कंटेनर, 45 जिंदा और 6 मृत गोवंश बरामद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तोपचांची थाना पुलिस ने गौवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एनएच-19 पर एक कंटेनर से 51 गौवंश बरामद किए हैं। इनमें 45 गौवंश जीवित जबकि 6 मृत पाए गए। पुलिस ने कंटेनर के खलासी और एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। सभी जीवित गौवंशों को कतरास स्थित श्री गंगा गौशाला को सौंप दिया गया है। धनबाद के एनएच-19 हावड़ा-नई दिल्ली मार्ग से गौवंश तस्करी का खेल लगातार जारी है। गुप्त सूचना के आधार पर तोपचांची पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए बिहार से पश्चिम बंगाल ले जाए जा रहे एक कंटेनर को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच में कंटेनर के अंदर बेहद अमानवीय तरीके से ऊपर-नीचे ठूंसकर गौवंश लादे गए थे। मौके से चालक फरार हो गया, जबकि पुलिस ने खलासी और उसके एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि कंटेनर में गोवंश को बिहार के नवादा जिले से लोड किया गया था और पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। बरामद सभी जीवित गौवंशों को कतरास स्थित श्री गंगा गौशाला पहुंचाया गया, जहां उन्हें सबसे पहले पानी पिलाया गया और हरा चारा दिया गया। गिनती के दौरान कंटेनर से कुल 51 गौवंश मिले, जिनमें 23 गाय और

22 बैल जीवित थे, जबकि 4 गाय और 2 बैल मृत पाए गए। तोपचांची थाना के एसआई सपन कुमार महतो ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने कंटेनर को रोककर जांच की। कंटेनर के अंदर जानवरों को अत्यंत क्रूरता से भरा गया था। सत्यापन के बाद कुल 51 गौवंश बरामद हुए, जिनमें 45 जीवित और 6 मृत थे। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है, जबकि फरार चालक की तलाश में छापेमारी की जा रही है। मामले में पशु क्रूरता और गौवंश तस्करी से संबंधित धाराओं के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राम परीक्षा मेमोरियल फाउंडेशन के तत्वावधान में दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाजसेवी स्वर्गीय राम परीक्षा जी के 16वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर राम परीक्षा मेमोरियल फाउंडेशन के तत्वावधान में आज दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन झरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिगवाडीह नंबर-10 स्थित मदन राम के आवास "रूप निवास" में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय राम परीक्षा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित अतिथियों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सामाजिक योगदान को याद किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए दिव्यांगजनों को मोमेंटो, स्मृति-चिह्न, सम्मान-पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों का आत्मसम्मान बढ़ाना, समाज में उनके योगदान को सम्मान देना तथा उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करना था।वक्ताओं ने कहा कि "समाज तभी विकसित माना जाएगा जब प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान और अवसर प्राप्त हो। दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के सदस्य हारून रशीद, झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान, उपाध्यक्ष बंटी सिंह, टिंकू सरकार, मिहिर दत्ता, महानगर के उपाध्यक्ष मदन

राम, शेख जाहिद, समरेंद्र पासवान, सदरे आलम, रामचरित्र पासवान, लकी प्रमाणिक, दयाराम सिंह यादव, मुन्ना खरवार, अवधेश यादव, सैयद बच्चू, जयद्रास खरवार, बोलाई सिंह, इम्तियाज अंसारी, जितेंद्र पासवान, शमशाद खान, जोगिंदर हरि, गौतम हरि, अशोक हरि, इस्रार अंसारी, मनीष सिंह, असलम अंसारी, माफुज आलम, अशोक पासवान, राजकुमार सोनकर, अनिल बाउरी, अरुण चंद्रवंशी, दिनेश खरवार, मासूम अली, महेंद्र कुमार, दिनेश सिंह, इकबाल खान, सद्दाम खान, हरिकेश वर्मा, इमरान खान, रितेश कुमार, जादू ठाकुर, लाल बाबू साहब, जसीम अंसारी, कार्तिक तिवारी, इरफान अंसारी एवं चंदन यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में भी समाज के वंचित एवं दिव्यांग वर्ग के सम्मान एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

आईआईटी आईएसएम के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम की शुरूआत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग (डीएमएसआई) की ओर से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), बिलासपुर के अधिकारियों के लिए 'प्रोजेक्ट एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट विद प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड सिमुलेशन सॉफ्टवेयर' विषय पर पांच दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम (ईडीपी) की शुरुआत सोमवार को हुई। यह कार्यक्रम 27 से 31 जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रो. केका ओझा, डीन (कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड आउटरीच), प्रो. धीरज कुमार, प्रोफेसर (एचएजी), खनन अभियांत्रिकी विभाग तथा प्रो. जे.के. पटनायक, एमेरिटस प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कहा कि आज के दौर में खनन परियोजनाओं के सफल संचालन के लिए बेहतर प्रोजेक्ट प्लानिंग, वित्तीय प्रबंधन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिमुलेशन सॉफ्टवेयर और डेटा आधारित निर्णय लेने की क्षमता

से परियोजनाओं को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और टिकाऊ बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान मिले ज्ञान और अनुभव का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य एसईसीएल के अधिकारियों को परियोजना योजना, वित्तीय प्रबंधन, प्रोजेक्ट शेड्यूलिंग, रिस्क एनालिसिस, सिमुलेशन मॉडलिंग तथा टिकाऊ परियोजना प्रबंधन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी देना है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान, केस स्टडी और सॉफ्टवेयर आधारित व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। पांच दिनों में कुल 18 तकनीकी सत्र होंगे, जिनमें माइनिंग प्रोजेक्ट्स का सतत विकास, स्ट्रेटेजिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट, नेटवर्क तकनीक के जरिए प्रोजेक्ट शेड्यूलिंग, रिस्क एनालिसिस एवं सिमुलेशन मॉडलिंग, फाइनेंशियल स्टेटमेंट एनालिसिस, कैपिटल बजटिंग, सोशल कॉस्ट-बेनेफिट एनालिसिस, कोयला उद्योग में मानव संसाधन से जुड़े मुद्दे तथा प्रोजेक्ट्स की स्टार रेटिंग जैसे विषय शामिल हैं। कार्यक्रम में एसईसीएल, बिलासपुर के 20 अधिकारी भाग ले रहे हैं। इनमें जनरल मैनेजर, चीफ मैनेजर, सीनियर मैनेजर, मैनेजर, डिप्टी मैनेजर और असिस्टेंट मैनेजर शामिल हैं। ये अधिकारी माइनिंग, एक्सकेवेशन, इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल, प्रोजेक्ट प्लानिंग, पर्यावरण, वित्त, कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट, मटेरियल मैनेजमेंट और परचेज जैसे विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. रश्मि सिंह, सहायक प्रोफेसर तथा प्रो. नीलाद्रि दास, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजन में एसईसीएल, बिलासपुर के निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास के सहयोग और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह कार्यक्रम उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने तथा खनन क्षेत्र में आधुनिक, तकनीक आधारित और बेहतर प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की एक महत्वपूर्ण पहल है।

नेशनल मैनेजमेंट गेम्स में बीएसएल की शानदार जीत

16 वर्षों बाद सेल के नाम राष्ट्रीय खिताब

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिकारियों की टीम ने प्रतिष्ठित '35वें नेशनल मैनेजमेंट गेम्स' में राष्ट्रीय विजेता बनकर इतिहास रच दिया है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सेल, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, आईओसीएल, एनएचपीसी, एलएंडटी, ओएनजीसी सहित देश के प्रमुख सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के 150 से अधिक संस्थानों की टीमों के बीच पांच कठिन क्षेत्रीय प्रारंभिक दौर आयोजित किए गए थे। इसके

पश्चात आयोजित ग्रैंड फिनाले में देश की सर्वश्रेष्ठ 19 टीमों ने प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा की। इस कड़े मुकाबले में बोकारो इस्पात संयंत्र की ओर से हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) के वरीय प्रबंधक राहुल रंजन पांडा तथा सीएमएम-सीटीएस के वरीय प्रबंधक ओवैस अहमद की टीम ने व्यावसायिक सिमुलेशन के दौरान उत्कृष्ट रणनीतिक सोच, व्यावसायिक निर्णय क्षमता और वित्तीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में एनटीपीसी की टीमें द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। यह जीत बोकारो इस्पात संयंत्र एवं सेल परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com